खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 01 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-89

सैनिकों को विकलांग पेंशन देने से भी इन्कार : ऐसी सरकार को धिक्कार

सैनिकों का हक छीन कर अपनी सैलरी और पेंशन बढ़ाते हैं

- दिल्ली हाईकोर्ट ने भारत सरकार के अमानुषिक रवैये की निंदा की
- सैनिक सीमा पर मरते हैं और सांसद कैपेचीनो की चुस्कियां लेते हैं

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्ट जज को बचाने में पूरी सक्रियता (एक्टिविज्म) दिखाने वाली ऊंची अदालतें सैनिक की विकलांगता पेंशन पर कितनी कायर और लाचार दिखती हैं, उसका नमूना दिल्ली हाईकोर्ट में पेश हुआ है। इस त्रासद स्थिति पर न शीर्ष अदालत को शर्म आती है और न अपनी सैलरी और पेंशन बढ़ाने वाले शीर्ष सत्ताधीशों, सांसदों और विधायकों को। सैनिकों की विकलांगता पेंशन को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने जिस तरह सरकार को धिक्कारा है, उससे सरकार को सीख लेनी चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सेना के दो जवानों को विकलांगता पेंशन के भुगतान का आदेश जारी करने में अपनी अक्षमता सार्वजनिक

तौर पर जाहिर की है। दिल्ली हाईकोर्ट के जजों ने दो सैनिकों की विकलांगता पेंशन में हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुए देश के सत्ता सियासतदानों को सीख भी दी है। लेकिन नैतिकता की इस सीख से बेशर्म जमातों का क्या लेना देना। हाईकोर्ट ने कहा, सैनिक कठोर और दुर्गम परिस्थितियों में देश की रक्षा करते हैं। देश की सेवा करने की इच्छा के साथ बीमारी और विकलांगता की आशंका भी जुड़ी होती है। सैनिकों के बीमार होने या विकलांग होने पर उनकी सुविधाएं और उनकी पेंशन सुनिश्चित करने की नैतिक जिम्मेदारी सरकार और संसद की है।

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सी हरिशंकर की बेंच ने इस प्रसंग पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के कथन का उल्लेख किया, हम चिमनी के पास बैठकर अपनी गर्म कैपेचीनो की चुस्कियां ले रहे होते हैं, तब सैनिक सीमा पर बर्फीली हवाओं का सामना करते हुए, एक पल में अपनी जान देने के लिए तैयार रहते हैं। हाईकोर्ट की पीठ ने कहा, इसलिए देश की सेवा करने की इच्छा और दृढ़ संकल्प के साथ बीमारी और विकलांगता की संभावना एक पैकेज डील के रूप में आती है। सबसे बहादुर सैनिक, जिन परिस्थितियों में देश की सेवा करते हैं, उनमें शारीरिक बीमारियों का शिकार होने की संभावना होती है, जो कभी-कभी विकलांगता के रूप में आ सकती है। इससे वह सैन्य सेवा जारी रखने में असमर्थ हो जाता है। पीठ के दूसरे जज जस्टिस अजय दिगपाल ने कहा, ऐसी परिस्थितियों में देश कम से कम इतना तो कर ही सकता है कि सैनिक द्वारा की गई निस्वार्थ सेवा के बदले में, उसके शेष बचे वर्षों में सांत्वना, सुविधा और आराम प्रदान करे। दिल्ली हाईकोर्ट के जजों का यह कथन आम नागरिकों का हृदय झकझोरने वाला है, लेकिन अग्निवीर जैसे अमानुषिक योजनाएं लाने वाली सरकार के पास न हृदय है और न शर्म। ▶10पर

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का ऐलान

संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू

- अजमेरशरीफ दरगाह व केरल के पादरी संगठन ने किया समर्थन
- केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल ने समर्थन की अपील जारी की

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि संसद के मौजूदा सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, सरकार विपक्ष के सभी सवालों के जवाब देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने भी कहा था कि सरकार संसद के बजट सत्र में ही वक्फ संशोधन बिल पेश करेगी। अजमेरशरीफ दरगाह के प्रमुख और केरल के पादरी संगठन ने वक्फ संशोधन विधेयक के प्रति अपना समर्थन जताया है। केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) ने तो वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने के लिए अपील तक जारी की है।

केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। उन्होंने सोमवार शाम एक प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार विधेयक के प्रावधानों से जुड़े हर सवाल का जवाब देने को तैयार है। इस विधेयक में अल्पसंख्यकों के साथ कोई नाइंसाफी नहीं है, ऐसी केवल अफवाहें फैलाई जा रही हैं। रिजिजू ने कहा, जो वक्फ विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे शक्तिशाली लोग हैं। उन्होंने वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है। वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वही लोग कह रहे हैं कि विधेयक असंवैधानिक है।

केंद्रीय मंत्री ने यह साफ किया कि

आलोचना करना सबका अधिकार है, लेकिन उसका कुछ आधार भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, धार्मिक प्रतिबद्धताओं और मान्यताओं से परे जाकर कई संगठन विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। विधेयक गरीब मुसलमानों, बच्चों और महिलाओं के हित में है। इससे वक्फ बोर्ड के तहत संपत्तियों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा, सरकार संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है, सभी से अपील है कि सदन में बहस और चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि संसद के बाहर, रिकॉर्ड संख्या में परामर्श और विचार-विमर्श हुए हैं। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में अब तक की सबसे व्यापक परामर्श प्रक्रिया और सर्वोच्च प्रतिनिधित्व का रिकॉर्ड बनाया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की कैबिनेट ने वक्फ संशोधन बिल को 19 फरवरी को मंजूरी दी थी। ▶10पर

पूर्व जज निर्मल यादव का भ्रष्टाचार-प्रकरण 17 साल बाद खारिज

जज यशवंत वर्मा मामले में भी ऐसा ही होने का अंदेशा

चंडीगढ़/दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। चंडीगढ़ की अदालत ने शनिवार 30 मार्च को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश निर्मल यादव को भ्रष्टाचार के मामले से बरी कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से नोटों का जखीरा मिलने पर दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह का रवैया अपनाया, चंडीगढ़ की अदालत का फैसला उसी रवैये की सनद है। स्पष्ट है कि जो दिल्ली में चल रहा है, वही पूरे देश में चल रहा है। पूरे देश में न्यायिक प्रणाली की यही स्थिति है।

वर्ष 2008 में ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जज निर्मल यादव एवं अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। जज निर्मल यादव के अलावा उस मामले में शामिल तीन अन्य

ट्रांसफर हुआ, जांच चलेगी फिर सब फाइल 'क्लोज'

लोगों रवींद्र सिंह भसीन, राजीव गुप्ता और निर्मल सिंह को भी बरी कर दिया गया है। जिस समय जज निर्मल यादव पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा था, उस समय वह हाईकोर्ट की जज और तत्कालीन न्यायिक अधिकारी थीं। यह पूरा मामला 15 लाख रुपए से भरा बैग पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की जज निर्मलजीत कौर के आवास पर पहुंचाए जाने को लेकर था। बैग पहुंचने पर जस्टिस कौर के चपरासी ने इस मामले की सूचना चंडीगढ़ पुलिस को दी थी। इसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में पंजाब के तत्कालीन राज्यपाल के आदेश पर मामला सीबीआई को सौंप दिया गया था। सीबीआई ने इस मामले की जांच शुरू की, लेकिन कुछ समय के बाद केस को बंद करने के लिए कोर्ट में कोर्ट क्लोजर रिपोर्ट डाल दी।

लेकिन अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर दी थी। बाद में खुलासा हुआ कि रुपए से भरा बैग जज निर्मल यादव के लिए भेजा गया था, लेकिन नाम की गलतफहमी के कारण वह निर्मलजीत कौर के घर पहुंच गया। ▶10पर

आतंकी पन्नू ने बाबा साहेब अंबेडकर को दी गालियां

बाबा साहेब की प्रतिमाएं उतारने की चेतावनी दी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के संविधान शिल्पकार बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर गाली गलौच की है और उन्हें राक्षस बताते हुए 14 अप्रैल को उनकी जयंती पर पंजाब में उनकी सभी प्रतिमाओं को उतारने की चेतावनी दी है।

आतंकी पन्नू के निर्देश पर उसके गुर्गों ने फिल्लौर के गांव नंगल में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा का अपमान भी किया और उस पर अभद्र नारे लिख दिए। उसने बताया कि इसके लिए उसने आज का दिन इसलिए चुना क्योंकि आज के दिन 1990 में बाबा साहेब को भारत रत्न पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी। आतंकी पन्नू ने दलितों को कहा कि बाबा साहेब उनके गुरु नहीं हैं। दलितों के गुरु भगत रविदास हैं। ज्ञात रहे कि गत गणतंत्र दिवस को भी कट्टरपंथी तत्वों ने अमृतसर में सरेआम बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा को अपमानित किया था।

कांग्रेस और राष्ट्रद्रोगी मुस्लिम लीग में बढ़ रही करीबी

मुस्लिम लीग की इफ्तार पार्टी में पहुंची प्रियंका गांधी

मलप्पुरम, 31 मार्च (एजेंसियां)। केरल के मलप्पुरम में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के अध्यक्ष सादिक अली शिहाब थंगल ने शनिवार (29 मार्च को अपने घर पर इफ्तार पार्टी रखी थी। इस खास मौके पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हुईं। प्रियंका इन दिनों वायनाड में अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर हैं और कई कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं।

इस इफ्तार पार्टी में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बड़े नेता मौजूद थे। प्रियंका का स्वागत मुस्लिम लीग के दिग्गज नेताओं पीके कुन्हालीकुट्टी और थंगल ने किया। यह कार्यक्रम इसलिए भी अहम माना जा रहा है

क्योंकि नीलांबुर विधानसभा में जल्द उपचुनाव होने हैं। प्रियंका ने वहां पहुंचकर स्थानीय नेताओं से बातचीत की और लोगों से जुड़ने की कोशिश की। मलयालम में बोलते हुए उन्होंने केरल के लोगों को ईद की शुभकामनाएं भी दीं। इस इफ्तार से कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच बढ़ती नजदीकी की चर्चा तेज हो गई है। दोनों पार्टियों का गठबंधन पहले से मजबूत है और ये मौका उस रिश्ते को और गहरा करने का संकेत देता है। प्रियंका का ये दौरा और इफ्तार में शामिल होना राजनीतिक गलियारों में खूब सुर्खियां बटोर रहा है। कांग्रेस पार्टी अब मुस्लिम लीग के साथ शेष भारत के चुनाव में भी उतरने का फैसला कर रही है। अभी तक दक्षिण भारत और खास कर केरल में कांग्रेस और मुस्लिम लीग की सियासी गलबहियां चल रही थी। अब वह शेष भारत में भी सियासी जमीन पर उतरने वाली है। बिहार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के साथ में उतरने की तैयारियां करीब करीब पूरी हो चुकी हैं। ऐसा करते हुए कांग्रेस को राष्ट्रद्रोही होने से कतई संकोच नहीं है। जबकि पूरा देश यह जानता है कि मुस्लिम लीग भारत विरोधी है और देश के बंटवारे में उसकी अहम भूमिका रही थी। उसके बाद भी देश में सांप्रदायिक तनाव और हिंसा बढ़ाने में लीग सक्रिय रहा है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^{0}
न्यूनतम : 24^{0}

नेपाल में हिंदू राष्ट्र और राजशाही की वापसी का आंदोलन

पूर्व नरेश पर देश में अशांति फैलाने का आरोप

काठमांडू, 31 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह पर देश में अशांति फैलाने और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया लगाया है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेंद्र देश में सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने और समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप राजतंत्र समर्थक प्रदर्शनों में हिंसा भड़क गई।

प्रतिनिधि सभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री ओली ने आरोप लगाया कि पूर्व राजा शाह ने उन व्यक्तियों के साथ मिलकर काम किया है जिन्होंने बैंक ऋण चुकाने से इनकार किया। उनका कहना था कि शाह ने अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए सामाजिक अशांति फैलाने की कोशिश की, जिससे तिनकुने क्षेत्र में हिंसक घटनाएं हुईं। सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में एक टीवी कैमरामैन सहित दो लोगों की मौत हो गई, और 110 अन्य घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि नेपाल में हिंदू राजतंत्र की बहाली की जाए। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री ओली ने यह भी कहा कि

लगाया गया जुर्माना पासपोर्ट जब्त करने की तैयारी

गृह मंत्रालय जल्द ही इस घटना की विस्तृत जानकारी संसद को देगा और पूरे मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल की घटनाओं का विश्लेषण करना जरूरी है, और धर्म, संस्कृति और परंपरा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर लोगों की भावनाएं भड़काकर हिंसा को उकसाने की कोशिश की गई। ओली ने दावा किया कि पूर्व राजा ने अराजक तत्वों को अपने घर बुलाया और एक तथाकथित कमांडर नियुक्त किया, जो देश में अशांति फैलाने के प्रयासों में शामिल था।

ओली की इन टिप्पणियों पर राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सांसदों ने संसद में विरोध जताया। यह पार्टी नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने और राजतंत्र की पुनर्बहाली का समर्थन करती है। हाल ही में एक राजनीतिक दलों की बैठक में पीएम ओली ने इस पार्टी को शामिल नहीं किया था, जिसके कारण यह विवाद और गहरा सकता है। नेपाल में राजशाही का समर्थन करने वाले कई राजनीतिक दल भी हैं। इन सबने मिलकर संयुक्त जन आंदोलन समिति बनाई। इनका कहना है कि 1991 के संविधान को नेपाल में बहाल की जाए। समिति का कहना है कि इस संविधान में राजशाही के ▶10पर

म्यांमार में भूकंप के बाद का मंजर खौफनाक, मांडले में मलबे में दबे लोगों के जीवत होने की उम्मीद क्षीण

नाएप्यीडॉ,31 मार्च (एजेंसियां) । म्यांमार के मांडले शहर में भूकंप के बाद तबाही का मंजर खौफनाक है। समय गुजरने के साथ मलबे में दबे लोगों के जीवित होने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। म्यांमार और पड़ोसी थाईलैंड में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 1,700 लोगों की मौत हो चुकी है। भूकंप के बाद की तीसरी रात लोगों ने खुले में सोकर बिताई। मांडले में सोमवार सुबह राहत और बचाव कार्य बेहद धीमी गति से शुरू हुआ है। यहां बहुत सूरज आसमान से आग बरसा रहा है। सवेरे का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

बैंकॉक पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, मांडले में चिपचिपी गर्मी ने बचाव कर्मियों को थका दिया है। शवों के सड़ने से उनकी पहचान करना मुश्किल हो सकता है। राहत और बचाव कर्मचारियों ने रविवार शाम मांडले में 55 घंटे से ज्यादा समय से मलबे में फंसी एक जीवित गर्भवती महिला को निकालने की कोशिश की। उन्होंने उसे निकालने के लिए उसका पैर काटा, लेकिन बाहर निकालने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, सुबह ईद-उल-फितर की नमाज के लिए लोग शहर की एक नष्ट हो चुकी मस्जिद के पास इकट्ठा हुए। यहां सैकड़ों लोगों का सामूहिक अंतिम संस्कार होने की उम्मीद है।

शुक्रवार दोपहर को मांडले के पास 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके कुछ मिनट बाद 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटकों से इमारतें ढह गईं। पुल गिर गए और सड़कें उखड़ गईं। भूकंप से मध्य म्यांमार में सबसे अधिक तबाही हुई है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज ने रविवार को पीड़ितों की मदद के लिए 100 मिलियन से अधिक लोगों के लिए आपातकालीन सेवा शुरू की।

न्यूज ब्रीफ

गाजा में इजराइल ने बरसाए बम, नौ की मौत

गाजा पट्टी। इजराइल के सुरक्षा बलों की गाजा में की गई ताजा बमबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इस बीच फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने 15 आपातकालीन कर्मचारियों के शव बरामद किए हैं। इनके वाहनों पर एक सप्ताह पहले दक्षिणी गाजा में राफाह के पास गोलीबारी की गई थी। खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी हमला जारी रखा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास को युद्धविराम के अंतिम चरण तक पहुंचने के लिए अपने हथियार डालने चाहिए। वह अपने लड़ाकों को गाजा से बाहर करे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल के युद्ध में कम से कम 50,277 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 114,095 घायल हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने लगभग दो महीने पहले अपने मृतकों की संख्या को 61,700 से अधिक बताया था। सात अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों के दौरान इजराइल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया था। तब से गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है। हमास ने कहा कि ईद-उल फितर पर पूरे गाजा में इजराइली सेना ने बमबारी की है। हमास के बयान में कहा गया कि ईद-उल-फितर के पहले दिन हुए हमलों में दर्जनों लोगों की मौत हो गई।

बांग्लादेश के चटगांव में हादसा, दो बसों में टक्कर, पांच की मौत, 12 घायल

ढाका। बांग्लादेश में चटगांव के लोहागरा उप जिला में दो बसों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और कम से कम 12 अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोहाजारी हाइवे पुलिस के एसआई मोनजूर हुसैन ने बताया कि यह दुर्घटना चटगांव-कॉक्स बाजार हाइवे पर जंगलाई मजार गेट इलाके में सुबह करीब 7:30 बजे हुई। मृतकों में 21 वर्षीय अराफात, 18 वर्षीय रिफात, 28 वर्षीय निजाम, 14 वर्षीय सिद्दीकी और 30 वर्षीय नाजिम शामिल हैं। लोहागरा फायर स्टेशन के अधिकारी राखल चंद्र रुद्र ने बताया कि चटगांव से कॉक्स बाजार की ओर जा रही सौदिया परिवाहन की बस विपरीत दिशा से आ रही एक मिनी बस से टकरा गई। मिनी बस कॉक्स बाजार के उखिया उपजिला से चटगांव के सतकानिया जा रही थी। रुद्र के अनुसार,घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत हो गई और 10-12 अन्य घायल हो गए। घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। एसआई मोनजूर ने कहा कि दोनों बसों को जब्त कर लिया गया है।

रस्म के नाम पर डाली जोखिम में जान, गर्भवती महिला के पैरों के बीच जलाए गए पटाखे, फिर हुआ ये कांड

ताइवान ,31 मार्च। ताइवान में गर्भवती महिला को लेकर हुए रसम ने सभी के रौंगटे खड़े कर दिए। जहां, धर्मस्थल में अनुष्ठान के नाम पर गर्भवती महिला के पैरों के बीच पटाखे चला दिए। जिसके बाद महिला घायल हो गई यहां तक कि उसका गर्भपात भी हो गया है।

कियू नाम की एक नर्स को धर्म स्थल में काम करने वाले स्टाफ के एक सदस्य झांग ने अनुष्ठान में शामिल होने के लिए बुलाया था। इसके तहत झांग ने महिला को जूते उतारने और पैर फैलाने के लिए कहा। इसके बाद उनके दोनों पैरों के पास पटाखे रख दिए गए। स्टाफ के एक अन्य सदस्य ने उनमें आग लगा दी। रिपोर्ट के अनुसार, पटाखों के चलते कियू का शरीर 30 फीसदी तक जल गया और उनका गर्भपात हो गया। वहीं, सर्जरी के बाद भी वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकी हैं। इस घटना के बाद कियू ने झांग और वू पर केस कर दिया और मुआवजे में 53 हजार अमेरिकी डॉलर मांगे। अब झांग और वू भी इस घटना को स्वीकर कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने मुआवजा राशि पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने दोनों स्टाफ सदस्यों को जिम्मेदार माना है और 30 हजार अमेरिकी डॉलर देने के आदेश दिए हैं। साथ ही मियाओली डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज ने कियू की 140 डॉलर के मेडिकल खर्च, 7200 डॉलर रहने में और 8000 डॉलर की आय का नुकसान स्वीकार किया है।

ट्रंप के दो अप्रैल के मुक्ति दिवस पर दुनिया की नजर, चीन ने नहीं बेचा टिक टॉक तो लगाएंगे 60 प्रतिशत टैरिफ

हांगकांग, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दो अप्रैल के मुक्ति दिवस पर सारी दुनिया की नजर है। वह दो अप्रैल को अपनी मुक्ति दिवस (योजना) घोषणा के अंतर्गत नए टैरिफ की शुरुआत करेंगे। इस योजना में सेमीकंडक्टर, माइक्रो चिप्स, फार्मास्यूटिकल्स और विदेशी वाहनों पर 25 प्रतिशत टैरिफ शामिल हैं। वह चीन के खिलाफ सबसे अधिक टैरिफ 60 प्रतिशत तक की घोषणा कर सकते हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि इससे बीजिंग के साथ वाशिंगटन के बीचा व्यापार युद्ध तेज हो जाएगा।

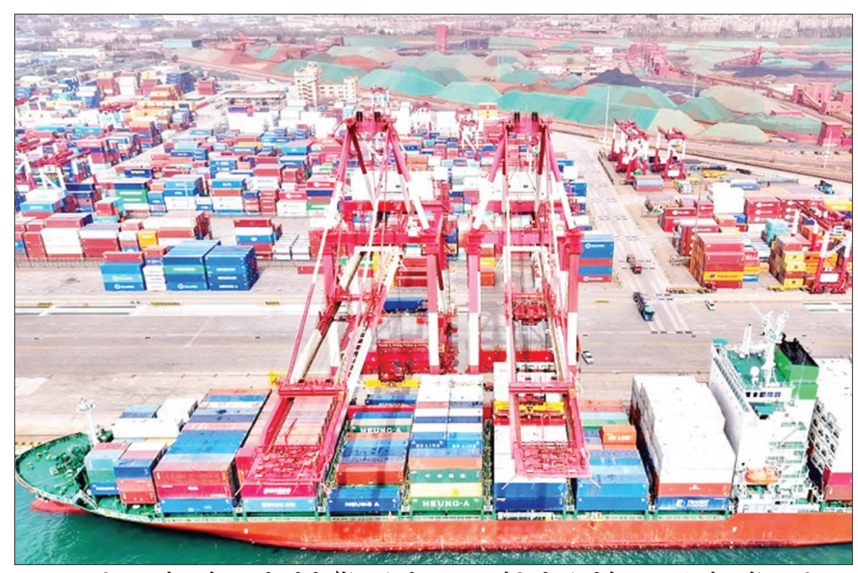

ट्रंप के मुक्त दिवस ने चीन को उलझन में डाल दिया है। ट्रंप ने अपने इस अभियान के दौरान चीन को अमेरिका में आने वाले सभी चीनी सामानों पर 60 प्रतिशत से अधिक शुल्क (टैरिफ) लगाने की धमकी दी है। संभावना है वह इसकी घोषणा बुधवार को कर सकते हैं। ट्रंप ने रविवार को एयर फोर्स वन में बातचीत के दौरान सुझाव दिया कि वह चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक की बिक्री पर व्यापक सौदेबाजी के हिस्से के रूप में टैरिफ को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह सौदेबाजी पूरी नहीं होती तो वह टैरिफ की घोषणा करेंगे। हालांकि उन्होंने चीन के नेता शी जिनपिंग के साथ बेहतरीन रिश्ते का दावा किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, शायद मैं इसे पूरा करने के लिए टैरिफ में थोड़ी कमी कर दूं या कुछ और करूं। इसका मतलब है कि ट्रंप टिक टॉप डील को फाइनल करने के लिए चीन को कुछ फायदा दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह समय पर नहीं हुआ तो वह समय सीमा को पांच अप्रैल से आगे बढ़ा देंगे। ट्रंप ने कहा, चीन को इसमें एक भूमिका निभानी होगी, संभवत: मंजूरी के रूप में और मुझे लगता है कि वे ऐसा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि टिक टॉक की मुश्किलें अमेरिका में तब शुरू हुईं, जब एक अमेरिकी कानून में कहा गया कि इस ऐप को अपनी चीनी पैरेंट कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका को डर है कि चीन इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अमेरिकियों पर नजर रखने या उन्हें प्रभावित करने के लिए कर सकता है। यह कानून 19 जनवरी को लागू हुआ था। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में टिक टॉक के अमेरिकी कामकाज पर रोक लगाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है।

इस साल जनवरी में टिक टॉक ने कुछ समय के लिए अमेरिका में काम करना बंद करते हुए इसे ऐप स्टोर्स से इसे हटा दिया गया था। इससे लाखों यूजर्स प्रभावित हुए। 20 जनवरी को अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने के बाद ट्रंप ने चीन के साथ समाधान खोजने के लिए प्रतिबंध को 75 दिनों के लिए रोक दिया। फरवरी में टिक टॉक ने अमेरिका में अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दीं और एप्पल और गूगल के प्लेटफॉर्म पर वापस आ गया।

हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) परप्लेक्सिटी ने इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इस अमेरिकी कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि वह अपनी एआई सर्च टेक्नोलॉजी को टिक टॉक के वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म के साथ जोड़ना चाहती है। परप्लेक्सिटी का मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में है। अमेरिकी कंपनी ने कहा, परप्लेक्सिटी के आंसर इंजन को टिक टॉक की विशाल वीडियो लाइब्रेरी के साथ मिलाकर हम दुनिया का सबसे अच्छा सर्च एक्सपीरियंस बना सकते हैं। परप्लेक्सिटी की स्थापना 2022 में अरविंद श्रीनिवास, डेनिस यारात्स, जॉनी हो और एंडी कोनविंस्की ने की थी। इसने सात दिसंबर, 2022 को अपना प्रमुख सर्च इंजन लॉन्च किया था। टिक-टॉक की अनुमानित कीमत एल्गोरिदम के साथ 100-200 अरब डॉलर (लगभग 8,600-17,000 अरब रुपये) बताई जा रही है। बिना एल्गोरिदम के यह 40-50 अरब डॉलर (लगभग 3,400-4,300 अरब रुपये) हो सकती है। एल्गोरिदम टिक-टॉक का मुख्य आधार है। इसे बेचने की मंजूरी देने की संभावना से चीन की सरकार पहले ही नकार चुकी है। इससे पहले अमेरिका के अरबपति फ्रैंक मैककोर्ट इसे खरीदने का प्रस्ताव कर चुके हैं।

दक्षिण सूडान : गहराते संकट के बीच, सभी पक्षों से शान्ति बनाए रखने की अपील

दक्षिण सूडान, 31 मार्च (एजेंसियां) । दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने देश में बढ़ती हिंसा और प्रथम उप राष्ट्रपति रिएक मचार को हिरासत में लिए जाने की ख़बरों के बीच सभी पक्षों से संयम बरतने और शान्ति समझौते को बनाए रखने की अपील की है. यूएन मिशन ने कहा है कि टकराव को तुरन्त टालना होगा और दक्षिण सूडान के लोगों की भलाई के लिए बातचीत फिर शुरू की जानी होगी. हरूढ्डस्स् प्रमुख निकोलस हेसम ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि दक्षिण सूडान के नेता बड़े पैमाने पर हिंसक टकराव की ओर वापिस लौटने या फिर उसे 2018 में हुए समझौते की भावना के अनुरूप उसे शान्ति, पुनर्बहाली और लोकतंत्र की दिशा में आगे ले जाने के कगार पर खड़े हैं.निकोलस हेसम, दक्षिण सूडान के लिए यूएन महासचिव के विशेष प्रतिनिधि भी हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि इस समझौते में किया गया कोई भी एकतरफा संशोधन पिछले सात सालों में हुई प्रगति को उलट सकता है और इसमें दक्षिण सूडान को फिर से युद्ध में धकेले जाने का जोखिम भी है. उन्होंने कहा, इससे न केवल दक्षिण सूडान तबाह हो जाएगा, बल्कि पूरा क्षेत्र प्रभावित होगा.दक्षिण सूडान ने वर्ष 2011 में सूडान से स्वाधीनता हासिल की थी, मगर उसके बाद से यह टकराव और अस्थिरता से जूझता रहा है.वर्ष 2013 में राष्ट्रपति सल्वा कीर के वफ़ादार सैन्य बलों और पूर्व उप राष्ट्रपति रिएक मचार के समर्थकों में गृहयुद्ध भड़क उठा था. कई वर्षों तक जातीय हिंसा, सामूहिक अत्याचार और मानवीय संकट जारी रहने के बाद 2018 में नाज़ुक हालात में एक शान्ति समझौते पर सहमति हुई.रिएक मचार ने साल 2020 से एक गठबन्धन में बतौर प्रथम उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सम्भाला है.शान्ति समझौते से कुछ हद तक स्थिरता आई, लेकिन इसके कार्यान्वयन में देरी और निरन्तर राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता की वजह से तनाव बरक़रार है.तेज़ हुई झड़पेंपिछले 24 घन्टों में लड़ाई में तेज़ी आई है, जिसमें दक्षिण सूडान के सरकारी सैन्य बलों और विपक्षी लड़ाकों के बीच राजधानी जूबा के नज़दीकी इलाक़ों से झड़पें होने की ताज़ा ख़बरें आई हैं. अपर नाइल क्षेत्र में भी स्थिति अस्थिर बनी हुई है. कुछ ही दिन पहले, युवाओं के एक मिलिशिया, तथाकथित व्हाईट आर्मी ने दक्षिण सूडान की सेना के बैरकों को अपने क़ब्ज़े में ले लिया था, जिसके जवाब में, सरकारी बलों ने नागरिक इलाक़ों पर बैरल बमों से बमबारी की है जिसमें ज्वलनशील पदार्थों का इस्तेमाल किया गया.बच्चों और हिंसक टकराव पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वर्जीनिया गाम्बा ने भी चेतावनी दी कि लड़ाई के कारण बच्चों के जीवन पर जोखिम है और उनके यौन हिंसा का शिकार होने, सैनिकों के तौर पर भर्ती किए जाने समेत अधिकारों के उल्लंघन होने की आशंका है.उन्होंने कहा, मैं बढ़ती हिंसा, विशेष रूप से अपर नाइल प्रान्त में, से बहुत चिन्तित हूँ और सभी पक्षों से अपने हथियारों को त्यागने और अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी व मानवाधिकार कानून के तहत अपने दायित्वों के निर्वहन का आग्रह करती हूँ।

ईद के अवसर वर ग्रामीण टार्च लाइट जलाकर त्यौहार का स्वागत

मलेशिया में ईद के अवसर वर ग्रामीण टार्च लाइट जलाकर त्यौहार का स्वागत करने के साथ ही अपनी खुशी प्रकट करते हुए।

बड़ा झटका : यूएस के दो दोस्तों ने चीन से मिलाया हाथ, धरी रह गई ट्रंप की होशियारी

सियोल, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

जापान और दक्षिण कोरिया दोनो ही अमेरिका के दोस्त हैं। इन दोनों दोस्तों ने चीन के साथ पांच साल में अपनी पहली आर्थिक वार्ता की है। इस बैठक में तीनों देशों ने क्षेत्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने की मांग पर सहमति जताई है। यह बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध शुरू करने के बाद हुई है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए बड़ा झटका बताया जा रहा है, क्यों चीन के खिलाफ रणनीति में जापान और दक्षिण कोरिया अमेरिका के सबसे बड़े सहयोगी हैं।

हालांकि, ट्रंप ने इसकी परवाह न करते हुए चीन के अलावा जापान और दक्षिण कोरिया पर भी टैरिफों की बरसात की है। इससे जापान और दक्षिण कोरिया परेशान हैं और अब व्यापार के लिए नए सहयोगियों की तलाश कर रहे हैं।बैठक के बाद जारी एक बयान के अनुसार, तीनों देशों के व्यापार मंत्रियों ने क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया-जापान-चीन मुक्त व्यापार समझौते पर एक व्यापक और उच्च स्तरीय वार्ता के लिए निकट सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी का जिक्र करते हुए दक्षिण कोरियाई व्यापार मंत्री आह्न डुक-ग्यून ने कहा, आरसीईपी के कार्यान्वयन को मजबूत करना आवश्यक है, जिसमें तीनों देशों ने भाग लिया है, और कोरिया-चीन-जापान एफटीए वार्ता के माध्यम से तीनों देशों के बीच व्यापार सहयोग का विस्तार करने के लिए एक रूपरेखा तैयार करना आवश्यक है।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह कारों और ऑटो पार्ट्स पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क की घोषणा की, यह एक ऐसा कदम है जो कंपनियों, विशेष रूप से एशियाई वाहन निर्माताओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जो अमेरिका के सबसे बड़े वाहन निर्यातकों में से हैं। एस एंड पी के आंकड़ों के अनुसार, मेक्सिको के बाद, दक्षिण कोरिया संयुक्त राज्य अमेरिका को वाहनों का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है, जिसके बाद जापान है। मंत्रियों ने जापान में अपनी अगली मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी से निर्वासित किए जाएंगे अफगान शरणार्थी, आज समय सीमा का आखिरी दिन

इस्लामाबाद/रावलपिंडी, 31 मार्च (एजेंसियां) । पाकिस्तान के इस्लामाबाद और रावलपिंडी में रह रहे अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के लिए देश छोड़ने की संघीय सरकार की समय सीमा आज समाप्त हो रही है। इसलिए दोनों शहरों में कानून प्रवर्तन अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले अफगान नागरिकों को उसके परिवारों सहित पकड़कर निर्वासित करें। रावलपिंडी के पुलिस प्रमुख ने रावल, पोटोहर और सदर डिवीजनों के अधीक्षकों को जिले में रहने या काम करने वाले अवैध अफगान नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी ऐसे अफगान नागरिक को हिरासत में ले जो आपराधिक गतिविधि में शामिल पाया जाता है। आदेश में सामूहिक दंड का एक रूप सुझाया गया है, जिसमें कहा गया है कि अगर परिवार का कोई भी सदस्य किसी अपराध में शामिल पाया जाता है, तो पूरा परिवार निर्वासन के लिए उत्तरदायी होगा। रावलपिंडी शहर के पुलिस अधिकारी के आदेश के बाद, सभी पुलिस स्टेशन के एसएचओ को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में रहने वाले अफगान नागरिकों के साथ-साथ उनके परिवारों को भी हिरासत में लेने का निर्देश दिया गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि निर्देशों में कहा गया है कि पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड रखने वाले अफगान नागरिक जो जुड़वां शहरों में रह रहे हैं, उन्हें सावधान किया जाना चाहिए कि उन्हें और उनके परिवारों को सरकार की नीति के अनुसार पाकिस्तान छोड़ना होगा। पीओआर कार्डधारकों के लिए देश छोड़ने की समय सीमा 30 जून, 2025 है। हालांकि, पुलिस के आदेश में इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि क्या दस्तावेज वाले शरणार्थियों को अधिकारियों द्वारा निकाला जाएगा।

पुलिस का रावलपिंडी जिले के विभिन्न हिस्सों में निवासियों की पुष्टि करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। खासकर वे लोग जो किराए के घरों में रह रहे हैं। इस साल जनवरी में अवैध विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू होने के बाद से, 923 अफगान नागरिकों को पकड़ा गया और गोलरा मोड़ के पास शरणार्थी केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तोड़ी परंपरा, ब्रिटेन नहीं सउदी से शुरु करेंगे विदेश यात्रा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप के काम करने का तरीका काफी अलग है। कई बार उन्हे परंपराएं तोड़ने में भी हिचक नहीं होती है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो अधिकांशत: अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिटेन से अपनी विदेश यात्रा की शुरुआत करता है। लेकिन इस परंपरा को संभवता तोड़ने की कोशिश ट्रंप कर रहे हैं। इस बार वे अपनी विदेश यात्रा की शुरुआत ब्रिटेन से नहीं बल्कि सउदी अरब से कर सकते हैं। ऐसे में वह इस बार न तो यूरोप जा रहे हैं और नहीं ही भारत, रूस या फिर चीन। वह एक इस्लामिक मुल्क के मेहमान बनने जा रहे हैं। वह 2017 में राष्ट्रपति बनने के बाद भी इसी इस्लामिक मुल्क का दौरा किया था। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप मई के मध्य में सऊदी अरब जाने की योजना बना रहे हैं। यह उनकी दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद पहली विदेश यात्रा होगी। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों और राष्ट्रपति की यात्रा से जुड़े एक सूत्र ने दी है। डोनाल्ड ट्रंप का पहली विदेश यात्रा के लिए सऊदी अरब चुनना दिखाता है कि उनकी सरकार और खाड़ी देशों के बीच रिश्ते कितने मजबूत हो गए हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

उग्रवादी और ड्रग तस्कर गिरफ्तार हथियार और अफीम जब्त

इंफाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पूरे राज्यभर में उग्रवादियों, ड्रग्स और तस्करों व अवैध तरीके से अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बीते 24 घंटे के दौरान चलाए गए अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने बड़ी संख्या हथियार, गोला बारूद और विस्फोटकों का जखीरा जब्त किया है।

यह अभियान प्रदेश के पहाड़ी और घाटी दोनों ही जिलों में चलाया गया है। जिन जिलों में तलाशी अभियान चलाया गया है उसमें टेंग्नोपाल जिले में एक बड़े अभियान के दौरान सुरक्षा बलों तीन मोर्टार लॉन्चर, पांच आईईडी, पांच किलो प्लास्टिक एक्सप्लोसिव वो गोला बारूद जब्त किया गया है।

इसके साथ ही कई आईईडी को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया है। इस बीच विष्णुपुर जिले में उग्रवादी समूह कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के एक एक्टिव कैडर सलाम मालेमंगंबा को उपोकी गांव के पास से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए वामपंथी उग्रवादी के पास से अधिकारियों ने एक मोबाइल फोन जब्त किया है, जिसकी जांच की जा रही है।

सुरक्षा बलों की टीम ने छापामार अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले में चलाए गए अलग-अलग अभियानों के दौरान 6 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही एक फोरव्हीलर कार को भी सीज किया है, जिसमें से ब्राउन शुगर के 174 साबुन के डिब्बे भी जब्त किए गए हैं। वहीं जिले में ही अवैध तरीके से अफीम की खेती करने वाले 4 अन्य को भी गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ सुरक्षा बलों में पहाड़ी और घाटी वाले जिलों में 112 सुरक्षा चौकियां स्थापित की हैं। इसके जरिए, आसपास के इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया पर भी सुरक्षा एजेंसियां लगातार नजर रख रही हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा के लिए 10 लाख लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

देहरादून, 31 मार्च (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन आधार आधारित पंजीकरण का आंकड़ा 10 लाख पार हो चुका है। इसमें केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक 3.29 लाख तीर्थयात्री पंजीकरण कर चुके हैं। यात्रा शुरू होने के बाद 40 प्रतिशत पंजीकरण ऑफलाइन किए जाएंगे।

पर्यटन विभाग ने 30 अप्रैल से शुरू हो रही चारधाम यात्रा के लिए 20 मार्च से ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था। 10 दिन के भीतर यात्रा के लिए अलग-अलग तिथियों में 10 लाख से अधिक तीर्थयात्री पंजीकरण कर चुके हैं। बाबा केदार के कपाट दो मई को खुल रहे हैं। जबकि बदरीनाथ धाम के कपाट चार मई को खुलेंगे। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ यात्रा का आगाज होगा।

पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार केदारनाथ धाम के लिए 3.29 लाख, बदरीनाथ धाम के लिए 3.02 लाख, गंगोत्री के लिए 1.85 लाख व यमुनोत्री धाम की यात्रा के लिए 1.79 लाख से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार 60 प्रतिशत पंजीकरण ऑनलाइन किए जा रहे हैं। जबकि 40 प्रतिशत पंजीकरण यात्रा शुरू होने के बाद आफलाइन की जाएगी।

इसके लिए, हरिद्वार, ऋषिकेश के साथ यात्रा मार्गों पर पंजीकरण केंद्र खोले जाएंगे।

पटना विवि छात्र संघ चुनाव में बना ऐतिहासिक रिकॉर्ड

पांच में से तीन सीटें लड़कियों ने जीत ली

मैथिली अध्यक्ष, सलोनी महासचिव और सौम्या कोषाध्यक्ष बनी

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के 107 साल के इतिहास में पहली बार किसी महिला उम्मीदवार को अध्यक्ष पद पर जीत मिली है।

नई अध्यक्ष बनने वाली मैथिली मृणालिनी हैं। उन्होंने इस चुनाव में 3524 वोट प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंदी एनएसयूआई के मनोरंजन राजा को 596 मतों से हराया।

दिलचस्प बात ये है कि इस बार चुनावों में केवल अध्यक्ष पद पर ही नहीं बल्कि महासचिव और कोषाध्यक्ष पद पर भी लड़कियों की जीत रही।

महासचिव पद पर निर्दलीय सलोनी राज ने 4274 वोट प्राप्त किए, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई की सौम्या श्रीवास्तव ने 2707 वोट हासिल किए। इस तरह, चुनाव में पांच प्रमुख सीटों में से तीन पर लड़कियों ने जीत हासिल की।

प्रयागराज कुंभ के दौरान रेलवे की संपत्ति का हुआ नुकसान

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हाल में संपन्न हुए महाकुंभ में करोड़ो लोग शामिल हुए। मेले को लेकर सरकार और प्रशासन की व्यवस्थाओं के प्रशंसा और आलोचना दोनों ही की गई, लेकिन इस आयोजन में भारतीय रेलवे की संपत्ति को काफी नुकसान हुआ है। रेलवे मंत्रालय ने राज्यसभा को बताया कि,13 जनवरी से महाकुंभ के समापन के बीच रेलवे विभाग ने अनुमानित 120-150 मिलियन तीर्थयात्रियों के परिवहन के लिए 13,667 ट्रेनें संचालित की। महाकुंभ के दौरान विभिन्न स्टेशनों पर रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की 23 घटनाएं सामने आईं है। इसके चलते रेलवे को लगभग 3.13 लाख रुपए का वित्तीय नुकसान हुआ। इस संबंध में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। महाकुंभ के दौरान हुई भीड़ भाड़ के कारण 22 ट्रेनें क्षतिग्रस्त हो गई थी।

रेल मंत्री ने कहा कि नुकसान में ट्रेन के डिब्बों के टूटे हुए दरवाजे और टूटी हुई खिड़कियां शामिल हैं। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर संभावित उपद्रवियों पर नजर रखने के लिए 1200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, जिनमें से 116 फेशियल रेकेग्निशन टेक्नोलॉजी से लैस थे। रेलमंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में बताया कि, रेल अधिनियम, 1989 की धारा 124 और धारा 124-ए (धारा 123 के साथ पठित) के तहत परिभाषित रेल दुर्घटनाओं और अप्रत्याशित दुर्घटनाओं में रेल यात्रियों की मृत्यु या घायल होने पर रेलवे मुआवजा देता है, जिसका निर्णय रेल दावा अधिकरण (आरसीटी) द्वारा पीड़ितों या उनके आश्रितों द्वारा आरसीटी के समक्ष दायर किए गए दावे के आवेदन के आधार पर किया जाता है।

रेल प्रशासन तब मुआवजा देता है जब आरसीटी द्वारा दावेदार के पक्ष में निर्णय दिया जाता है और रेलवे उस आदेश को लागू करने का निर्णय लेता है। 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 33 पीड़ितों या उनके परिवार के सदस्यों को 2.01 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि का भुगतान किया गया है। रेलमंत्री ने कहा कि, कुंभ को देखते हुए रेलवे ने आरपीएफ और राजकीय रेलवे पुलिस के 15000 कर्मियों को तैनात किया गया था। साथ ही यात्रियों की आवाजाही और ट्रेन परिचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए अयोध्या, दीन दयाल उपाध्याय और पटना स्टेशनों जैसे प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए थे।

वहीं, 19 मार्च को लोकसभा में एक अलग जवाब में रेलमंत्री ने खुलासा किया कि 2023 से अब तक देश भर में वंदे भारत एक्सप्रेस समेत ट्रेनों पर पथराव की 7,900 से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई, जिससे 5.79 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इसके अलावा फरवरी में बिहार में एसी कोच में तोड़फोड़ के सिलसिले में 12 मामले दर्ज किए गए।

पीएम मोदी के उत्तराधिकार को लेकर देवेंद्र फड़णवीस ने कहा

जब पिता जिंदा हों, तो उत्तराधिकारी की बात नहीं करते

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर उठाई गई चर्चा पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि जब तक पिता जिंदा हों, उत्तराधिकार की बात नहीं की जाती। यही भारत की अपनी संस्कृति है। उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागपुर दौरे के बाद कहा था कि मोदी रिटायरमेंट की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में उत्तराधिकारी घोषित किए जाने का समय है। इस बयान पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी की तलाश करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि पीएम मोदी 2029 में भी इस पद पर बने रहेंगे।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी की तलाश करने की कोई जरूरत नहीं है। मोदी हमारे नेता हैं और आगे भी बने रहेंगे। उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होने की अटकलों को खारिज करते फडणवीस ने कहा, हमारी संस्कृति में, जब पिता जिंदा हो, तो उत्तराधिकारी के बारे में बात करना सही नहीं है। यह मुगल संस्कृति है। इस पर चर्चा करने का समय अभी नहीं आया है। इसके अलावा नागपुर में मौजूद आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि उन्हें पीएम को बदलने की किसी चर्चा की जानकारी नहीं है।

शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा था, सितंबर में रिटायरमेंट का एप्लिकेशन लिखने के लिए शायद मोदी आरएसएस मुख्यालय गए थे। मेरी जानकारी है कि 10-11 साल में पीएम मोदी आरएसएस मुख्यालय नहीं गए।

पीएम मोदी मोहन भागवत को बताने के लिए गए हैं कि टाटा बॉय-बॉय मैं जा रहा हूं। अब देखिए कि आरएसएस की दो बातें हैं। एक तो पूरा संघ परिवार देश के नेतृत्व में बदलाव चाहता है। अब मोदी का समय खत्म हो गया है। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी अपनी मर्जी से चुनना चाहता है।

इसके पहले भी पीएम मोदी के रिटायरमेंट की अटकलें उठी थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी के रिटायरमेंट को लेकर सवाल उठाया था। उस वक्त केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्थिति बिल्कुल साफ कर दी थी। अमित शाह ने कहा था, मैं अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी और इंडिया अलायंस को कि पीएम मोदी 75 साल के हो जाएं, इससे आपको आनंदित होने की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी ही आगे भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इसमें भाजपा में कोई भी कन्फ्यूजन नहीं है।

दिल्ली पुलिस-एनसीबी की कार्रवाई में 27.5 करोड़ की ड्रग्स जब्त, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजधानी के तिलक नगर सहित कई इलाकों में ड्रग तस्करी की साजिश का पर्दाफाश किया। इस कार्रवाई में 27.5 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स जब्त की गई। दिल्ली पुलिस और एनसीबी की कार्रवाई की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तारीफ की।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें एक विदेशी नागरिक भी शामिल था। टीम ने 5.103 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले क्रिस्टल मेथामफेटामाइन को बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 10.2 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ड्रग्स की तस्करी में शामिल पांच लोगों में चार अफ्रीकी नागरिक थे, जो नाइजीरिया के एक प्रभावशाली परिवार से संबंधित बताए जा रहे हैं।

जांच के दौरान पता चला कि प्रतिबंधित पदार्थ पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में एक अफ्रीकी रसोई से लाए गए थे। रसोई की तलाशी में 1.156 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन, 4.142 किलोग्राम अफगान हेरोइन और 5.776 किलोग्राम एमडीएमए (एक्स्टसी गोलियां) बरामद हुईं, जिनकी कीमत करीब 16.4 करोड़ रुपए है।

इसके अलावा, ग्रेटर नोएडा में एक किराए के अपार्टमेंट में की गई तलाशी में 389 ग्राम अफगान हेरोइन और 26 ग्राम कोकीन भी जब्त की गई।

जांच में यह भी सामने आया कि यह गिरोह अफ्रीकी युवाओं को ड्रग्स और नशीले पदार्थों की तस्करी में मदद करता था और वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के साथ-साथ पंजाब के प्रमुख निजी विश्वविद्यालयों में अध्ययन के लिए छात्र वीजा प्राप्त करने में भी सहायता करते थे। इसके बाद कुछ छात्र केवल भारत में रहकर ड्रग्स की तस्करी और क्रिप्टो मुद्रा के रूपांतरण में शामिल हो गए।

इस कार्रवाई के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनसीबी और दिल्ली पुलिस की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ड्रग व्यापार के खिलाफ हमारी अथक खोज जारी है। मोदी सरकार की ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत दिल्ली-एनसीआर में एक बड़े नार्को-नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया। एनसीबी और दिल्ली पुलिस ने गिरोह को पकड़ लिया और 27.4 करोड़ रुपए मूल्य के मेथामफेटामाइन, एमडीएमए और कोकीन बरामद किए और पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

पंजाब में किसानों का बड़ा प्रदर्शन, मंत्रियों और विधायकों के घरों का किया घेराव

अमृतसर, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेतृत्व में किसानों ने राज्य के 17 जिलों में 35 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब सरकार के मंत्रियों और विधायकों के घरों के बाहर यह घेराव दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चला।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने जानकारी दी कि यह प्रदर्शन चार घंटे तक जारी रहा। किसानों ने अमृतसर के जगदेव कलां गांव में कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल के घर के बाहर धरना दिया। इस मौके पर किसान नेताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगें दोहराईं।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हम विभिन्न जगहों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने खनौरी और शंभू बॉर्डर पर किसानों पर जुल्म किया। हमारे किसान नेताओं को पीटा गया और इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस वजह से हम विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा।

सीएम भगवंत मान पर निशाना साधते हुए पंधेर ने कहा कि पहले आप कहते थे कि मोदी सरकार ने रास्ते बंद कर रखे हैं, लेकिन अब वह कह रहे हैं कि रास्ते बंद होने से पंजाब में व्यवसाय को नुकसान हो रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से सवाल किया कि बॉर्डर खुल जाने से कितना फायदा हुआ? इसका जवाब दें।

किसान नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार से उनकी 12 मांगें हैं, जो एमएसपी गारंटी कानून, कर्ज माफी, और अन्य किसान हितैषी नीतियों से जुड़ी हुई हैं। किसान नेताओं ने पंजाब सरकार से शंभू और खनौरी सीमाओं पर लगाए गए बैरिकेड्स को हटाने और वहां पुलिस कार्रवाई के दौरान किसानों से छीने गए सामान की भरपाई करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 मार्च को शंभू मोर्चे पर किसान नेता बलवंत सिंह बेहरामके पर लाठीचार्ज करने वाले एसएचओ हरप्रीत सिंह को अब तक बर्खास्त नहीं किया गया है। किसान संगठनों ने इस अधिकारी को तत्काल नौकरी से हटाने की मांग की।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि अमृतसर के जंडियाला विधानसभा क्षेत्र में कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ के घर के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने साफ किया कि जब तक सरकार उनकी सभी मांगों को स्वीकार नहीं कर लेती, तब तक यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

हमारा नाम सूरमा भोपाली ऐसे ही नहीं है...
ऐसे मिला था अहमद जाफरी को ये नाम

हमारा नाम सूरमा भोपाली ऐसे ही नहीं है... बात कॉमेडी की हो तो भला सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी को कैसे अनदेखा किया जा सकता है। जी हां! हम बात कर रहे हैं लचकती चाल और आंखों को घुमा-घुमाकर दर्शकों को हंसी का चूरन देने वाले हास्य कलाकार 'शोले' के 'सूरमा भोपाली' के बारे में। अपनी सीधी-सपाट कॉमेडी से वह दर्शकों को पर्दे पर बांधे रखते थे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि वह जिस नाम से लोकप्रिय हुए थे, वह नाम उन्हें कैसे मिला?

'शोले' के 'सूरमा भोपाली' नाम मिलने के पीछे दिलचस्प किस्सा छिपा हुआ है। अभिनेता की जयंती पर आइए पलटते हैं उनकी जिंदगी के पन्ने का खूबसूरत किस्सा, जिसने हमें दिया 'सूरमा भोपाली'सूरमा भोपाली का जन्म 29 मार्च, 1939 को मध्य प्रदेश के दतिया में हुआ था। बतौर बाल कलाकार फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता का असली नाम सैय्यद इश्तियाक अहमद जाफरी है।जगदीप ने कई फिल्मों में शानदार काम किए। उनकी पहली फिल्म बीआर चोपड़ा के निर्देशन में बनी 'अफसाना' थी। इसके बाद वह 'लैला मजनूं' और बिमल रॉय की फिल्म 'दो बीघा जमीन' में भी नजर आए थे।

हालांकि, फिल्म 'शोले' में उनके किरदार सूरमा भोपाली को दर्शकों ने इतना पसंद किया कि वो किरदार आज भी सिनेप्रेमियों के बीच जिंदा है। अभिनेता सैयद अहमद जाफरी को असली पहचान मिली थी रमेश सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म 'शोले' से, जिसमें उन्होंने सूरमा भोपाली का किरदार निभाया था और दर्शकों की आंखों के तारा बन गए।

सैयद से जगदीप और जगदीप से सूरमा भोपाली बनने का उनका किस्सा भी बेहद दिलचस्प था। जिसका जिक्र उन्होंने एक साक्षात्कार में किया था।उन्होंने बताया था, भोपाल की बोली देशभर में लोकप्रिय है। सलीम और जावेद एक फिल्म 'सरहदी लुटेरा' में मैं कॉमेडियन था।

हालांकि, मेरे डायलॉग लंबे थे, तो इस मुश्किल से निपटने के लिए मैं सलीम के पास गया और उन्हें बताया कि ये बड़े हैं। इस पर उन्होंने कहा कि जावेद बैठा है, उससे कह दो, फिर जब मैं जावेद के पास गया तो उन्होंने भोपाली अंदाज में झट से समेट दिया। मुझे आश्चर्य हुआ और जब मैंने उनसे पूछा कि यह आपने कैसे किया, तो उन्होंने कहा कि भोपाल में लोग आमतौर पर ऐसे ही बात करते हैं।

मैंने भोपाली सीखी और इसके कई सालों बाद मुझे रमेश सिप्पी का फोन आया और उन्होंने कहा कि वह मुझे शोले में लेना चाहते हैं। उन्होंने मुझे बताया कि मेरे किरदार का नाम सूरमा भोपाली है। सूरमा भोपाली को दो बेटे जावेद जाफरी और नावेद जाफरी हैं। पिता की राह पर वे भी चले और दोनों ही फिल्म जगत के बड़े नाम हैं।

रिलीज को तैयार फिल्म ज्वेल थीफ

सैफ अली बोले- जयदीप और सिद्धार्थ के साथ काम करना रहा शानदार

सैफ अली खान की अपकमिंग थ्रिलर 'ज्वेल थीफ' नेटफ्लिक्स पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अभिनेता जयदीप अहलावत और निर्माता-निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ काम करने को लेकर उत्साहित नजर आए। सैफ ने बताया कि उनके साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। फिल्म में सैफ एक ठग की भूमिका में हैं। उन्होंने बताया कि निर्माता सिद्धार्थ आनंद के पास कहानी को पेश करने का खास तरीका है और इसी वजह से वह काफी उत्साहित हैं। सैफ ने बताया, सिद्धार्थ आनंद के साथ फिर से काम करना उत्साह और खुशियां देता है - वह एक्शन, स्टाइल और कहानी को एक ऐसे तरीके से ब्लेंड करना जानते हैं और ये खास होता है। 'ज्वेल थीफ' के साथ हमने एकदम अलग और शानदार काम किया है, जिसे करने में बहुत मजा भी आया।

सैफ ने कहा कि जयदीप ने प्रोजेक्ट में रोमांच को और बढ़ा दिया। अभिनेता जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने के उत्साह को जाहिर करते हुए सैफ ने कहा, जयदीप ने अनुभव को और भी रोमांचक बना दिया। मैं नेटफ्लिक्स पर इस फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साहित हूं। फिल्म में माफिया की भूमिका निभा रहे जयदीप ने कहा, यह एक ऐसी फिल्म है जो दिलचस्प, चुनौतीपूर्ण और रोमांचक है। यह एक नए यूनिवर्स में जाने का अनुभव है, जिसमें ऐसे लोग हैं जो सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उतने ही उत्साहित हैं, जितने आप। मैं माफिया की दुनिया से जुड़ी ऐसी ही फिल्म का हिस्सा बनना चाहता था। सैफ अली खान और सिद्धार्थ आनंद जैसे बेहतरीन सह-कलाकार और निर्माताओं के साथ मिलकर काम करने से बेहतर क्या हो सकता है? हमने सेट पर खूब मस्ती की, टीमवर्क ही यह निर्धारित करता है कि कोई फिल्म कैसे जीवंत होती है।

अभिनेता ने अपने किरदार को लेकर कहा, फिल्म में अपने किरदार के बारे में मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि यह मेरे लिए नया, गहरा और एक ऐसा किरदार है, जो मेरे लिए एकदम नया है। कलाकार के रूप में हम सभी अपने-अपने काम में इतने रमे थे और एक-दूसरे को बेहतर करने में मदद करते थे और इससे कहानी और भी बेहतर हो पाई। मैं चाहता हूं कि दर्शक 'ज्वेल थीफ' को देखें और शानदार अनुभव लें।नेटफ्लिक्स इंडिया की ओरिजिनल फिल्म्स की डायरेक्टर रुचिका कपूर शेख ने अपनी उत्सुकता को व्यक्त करते हुए कहा, 'ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स' सिद्धार्थ आनंद की एक एड्रेनालाईन-फ्यूल वाली फिल्म है। कूकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल निर्देशित इस फिल्म में सैफ अली खान के साथ जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 25 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

2025 की सबसे प्रतीक्षित बॉलीवुड फ़िल्में

बॉलीवुड के लिए 2025 अब तक एक बेहतरीन साल रहा है। छावा, स्काई फ़ोर्स, मिसेज, सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव, फ़तेह और द डिप्लोमैट जैसी फ़िल्में पहले ही बड़े पर्दे पर आ चुकी हैं और दर्शकों से उन्हें काफ़ी सराहना मिल रही है, फ़िल्म देखने वाले न सिर्फ़ रिलीज़ हुई फ़िल्मों से बल्कि आने वाली फ़िल्मों को लेकर भी बहुत उत्साहित हैं। यहाँ इस साल की कुछ सबसे प्रतीक्षित फ़िल्मों पर एक नज़र डालते हैं: तेरे इश्क में: आनंद एल राय 'तेरे इश्क में' के साथ बड़े पर्दे पर एक भावनात्मक प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं, एक ऐसी कहानी जो दर्शकों पर एक गहरी प्रभाव छोड़ने के लिए तैयार है। 28 नवंबर को रिलीज़ होने वाली इस फ़िल्म में राय अपनी रांझणा टीम-अभिनेता धनुष, संगीतकार ए.आर. रहमान और गीतकार इरशाद कामिल के साथ फिर से नज़र आएंगे। कलर येलो द्वारा रिलीज़ किए गए धनुष और कृति सनोन के कैरेक्टर टीज़र ने जबरदस्त प्रतिक्रिया हासिल की है, जिसने 'तेरे इश्क में' को 2025 की सबसे प्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक बना दिया है।

सिकंदरः- सलमान खान अपनी सिग्नेचर ईद रिलीज़ 'सिकंदर' के साथ वापस आ रहे हैं। यह फ़िल्म किक (2014) के एक दशक बाद साजिद नाडियाडवाला के साथ उनका दूसरा सहयोग है। रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर द्वारा अभिनीत 'सिकंदर' 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है, जिसके साथ सलमान की ब्लॉकबस्टर लाइनअप में एक और हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म जुड़ जाएगी।

जाटः- गदर 2 (2023) के बाद सनी देओल 'जाट' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। अपने एक्शन से भरपूर अभिनय के लिए मशहूर सनी देओल इस बार 'ढाई किलो का हाथ' के साथ कुछ नया करने वाले हैं-इस बार हैंडपंप की जगह उनके हाथ में एक सीलिंग फैन होगा, जैसा कि हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर में देखा गया है। 'जाट' 10 अप्रैल को रिलीज़ होने वाली है।

भूल चुक माफ़ः-राजकुमार राव और वामिका गब्बी द्वारा अभिनीत यह फैंटेसी रोमांटिक-कॉमेडी दर्शकों को एक अनोखी यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है। फिल्म में राजकुमार राव एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक रहस्यमयी टाइम लूप में फंसा हुआ है और हर सुबह अपनी शादी से पहले वाले दिन में वापस पहुंच जाता है।

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर को यूथ आइकॉन का खिताब मिला

जानिए क्यों हैं वो इसकी हकदार

मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के बाद से ही मानुषी छिल्लर महज़ एक सुंदरता की मिसाल भर नहीं रहीं, बल्कि वे अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। एक ग्लोबल आइकन के रूप में, उन्होंने न केवल समाजसेवा में अपने जुनून को आगे बढ़ाया है, बल्कि लक्ज़री, फ़ैशन और ब्यूटी इंडस्ट्री में भी अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही, उन्होंने अभिनय और उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में, मानुषी को एक प्रतिष्ठित समिट में 'यूथ आइकन' के रूप में सम्मानित किया गया, जहाँ उनकी कड़ी मेहनत और सफलता की प्रेरणादायक यात्रा को सराहा गया। मानुषी को एक युवा पैनल में बात करने के लिए आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्हें यूथ आइकॉन के सम्मान से सम्मानित किया गया। सफेद रंग के एलिगेंट थ्री-पीस ब्लेज़र में वह बेहद आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और उन्होंने समिट के दौरान पूछे गए सभी सवालों के बेहतरीन जवाब दिए। मानुषी ने कई मौकों पर साबित किया है कि वह सिर्फ ब्यूटी क्वीन ही नहीं हैं, बल्कि एक बहुमुखी और बहु-प्रतिभाशाली व्यक्तित्व भी हैं, जिन्होंने अपनी प्रसिद्धि और पहचान का उपयोग दुनिया में महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करने में किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, हाल ही में वेला प्रोफेशनल्स की ब्रांड एंबेसडर बनीं मानुषी जल्द ही जॉन अब्राहम के साथ फ़िल्म तेहरान में नज़र आएंगी, जो इस समय पोस्ट-प्रोडक्शन में है और 2025 की दूसरी छमाही में रिलीज़ होने की संभावना है। इसके अलावा, वह राजकुमार राव की गैंगस्टर ड्रामा फ़िल्म मालिक में भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जो 20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

गुरमीत चौधरी का संघर्ष से सफलता तक का प्रेरक सफर

सफलता की कहानियाँ अक्सर मेहनत, त्याग और अटूट दृढ़ता पर आधारित होती हैं, और गुरमीत चौधरी की यात्रा इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। मुंबई में संघर्षपूर्ण जीवन से लेकर अब शहर में 16 करोड़ के आलीशान घर के मालिक बनने तक, उनकी कहानी सच में प्रेरणादायक है। जब गुरमीत पहली बार मुंबई आए थे, तब उनके सपनों का रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें पैसे बचाने के लिए कई बार भूखा रहना पड़ा, और ऐसे दिन भी थे जब उनके पास बाइक में पेट्रोल भरवाने तक के पैसे नहीं होते थे। रहने की स्थिति भी बहुत कठिन थी - वे 10-12 लोगों के साथ एक छोटे से कमरे में रहते थे और अक्सर फर्श पर सोना पड़ता था। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से नज़रें नहीं हटाईं। इस पूरे सफर में उनकी पत्नी, देबिना बनर्जी, हमेशा उनके साथ रहीं और उनका सबसे बड़ा सहारा बनीं। दोनों ने मिलकर चुनौतियों का सामना किया, छोटी-छोटी सफलताओं का जश्न मनाया और अपने सपनों को थामे रखा। उनकी कहानी यह साबित करती है कि सही साथी के साथ सफलता और भी मीठी होती है।

अपने सफर को याद करते हुए गुरमीत कहते हैं, मैं मुंबई एक सूटकेस, ढेर सारे सपनों और कड़ी मेहनत में अटूट विश्वास के साथ आया था। संघर्ष बहुत थे, लेकिन मैंने कभी अपने हौसले को टूटने नहीं दिया। आज जब मैं अपने नए घर में कदम रखता हूँ, तो अपने अतीत से सीखे हुए सबक और उन सभी के प्रति आभार लेकर चलता हूँ जिन्होंने मेरा साथ दिया - खासकर देबिना, जो इस पूरे सफर में मेरी ताकत रही हैं। एक बड़े सपने देखने वाले युवा से लेकर एक मशहूर अभिनेता और अब 16 करोड़ के घर के गर्वित मालिक बनने तक, गुरमीत चौधरी की यात्रा यह याद दिलाती है कि मेहनत और समर्पण से सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है।

नवरात्रि में सिमटा है जीवन का हर पहलू

भारत में नवरात्रि को पर्व के रूप में मनाया जाता है। सबसे ज्यादा लोकप्रिय शारदीय नवरात्रि है, जोकि वर्तमान समय में पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। शायद ही किसी को पता हो कि एक वर्ष में 4 नवरात्रि होते हैं। प्रत्येक नवरात्रि के अलग-अलग महत्व होते हैं। देवी पुराण में ऐसा कहा गया है कि साल भर में मुख्य रुप से नवरात्र का त्योहार 2 बार आता है।

नवरात्र शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- नव और रात्र। नव का अर्थ है नौ और रात्र शब्द में पुनः दो शब्द निहित हैं: रा+त्रि। रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू- शरीर, मन और आत्मा। इंसान को तीन तरह की समस्याएं घेर सकती हैं- भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक। इन समस्याओं से जो छुटकारा दिलाती है वह रात्रि है। रात्रि या रात आपको दुख से मुक्ति दिलाकर आपके जीवन में सुख लाती है। इंसान कैसी भी परिस्थिति में हो, रात में सबको आराम मिलता है। रात की गोद में सब अपने सुख-दुख किनारे रखकर सो जाते हैं।

साल में दो बार नवरात्र रखने का विधान है। चैत्र मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नौ दिन अर्थात नवमी तक, ओर इसी प्रकार ठीक छह महीने बाद आश्विन मास, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक माता की साधना और सिद्धि प्रारम्भ होती है। दोनों नवरात्रों में शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। नवरात्र के नौ दिनों में यज्ञ और हवन का सिलसिला चलता रहता है। ये यज्ञ संसार में दुख और दर्द के हर तरह के प्रभाव को दूर कर देते हैं। नवरात्रि के हर दिन का अपना महत्व और प्रभाव है और उस दिन के अनुरूप ही यज्ञ और हवन किए जाते हैं। जीवन में हमें बुरे और अच्छे दोनों तरह के गुण प्रभावित करते हैं।

नवरात्र हमें यह सिखाते हैं कि किस तरह इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्त कर सकता है और स्वयम् के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कर सकता है। जिस तरह मां के गर्भ में नौ महीने पलने के बाद ही एक जीव का निर्माण होता है ठीक वैसे ही ये नौ दिन हमें अपने मूल रूप, अपनी जड़ों तक वापस ले जाने में अहम भूमिका अदा करते हैं। इन नौ दिनों का ध्यान, सत्संग, शांति और ज्ञान प्राप्ति के लिए उपयोग करना चाहिए। हिन्दू पंचाग के अनुसार चैत्र यानि मार्च-अप्रैल में मां दुर्गा के पहले नवरात्र पर 9 दिन आराधना जाती है, जिन्हें वासंतीय नवरात्र कहा जाता है। अश्विन मास यानि सितम्बर-अक्टूबर में आने वाले नवरात्र को मुख्य नवरात्र कहा जाता है, जिसे जनमानस शारदीय नवरात्र के नाम से जानता है। शारदीय नवरात्र के बाद से ही देश भर में त्योहारों की धूम मच जाती है। शारदीय नवरात्र के समापन पर ही दशहरे का त्योहार मनाया जाता है जो कि अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसके अलावा एक वर्ष के भीतर 2 गुप्त नवरात्रि भी मनाई जाती है जो गृहस्थों के लिए नहीं होती है। यह दोनों नवरात्रि आषाढ़ यानि जून-जुलाई और दूसरा माघ यानि जनवरी-फरवरी में आते हैं।

इस प्रकार से साल में चार नवरात्रि आती हैं। जिसमें जनसामान्य के लिए बासंतिक और शारदीय नवरात्रि ही प्रमुख है। दो गुप्त नवरात्रों में ऋषि मनीषि साधना और आराधना करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा तिथि से ही नया हिंदू वर्ष प्रारंभ हो जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 मार्च को शाम 4:27 पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 30 मार्च को दोपहर 12:49 मिनट पर होगा।. उदया तिथि के अनुसार इस साल चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से शुरू होगी और इसका समापन 06 अप्रैल को होगा। तिथि मतांतर से इस बार चैत्र नवरात्रि आठ दिनों के रहेंगे। खास बात यह है कि महापर्व के दौरान चार दिन रवियोग तथा तीन दिन सर्वार्थसिद्धि योग का संयोग रहेगा।

शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था।

नौ दिन तक चलने वाले पर्व नवरात्रि के तीन-तीन दिन तीन देवियों को समर्पित होते हैं। ये तीन देविया हैं- मां दुर्गा (शौर्य की देवी), मां लक्ष्मी (धन की देवी) और मां सरस्वती (ज्ञान की देवी)। इन नौ दिनों में बाकी सारे क्रियाकलापों से ऊपर समारोह और व्रत को प्राथमिकता दी जाती है। हर शाम को डांडिया और गरबा जैसे धार्मिक नृत्य के जरिए मां दुर्गा की पूजा की जाती है।

नौ रातों का यह उत्सव आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि को आरंभ होता है। इस दौरान नौ ग्रहों की प्रतिष्ठा की जाती है। 8वें और 9वें दिन मां दुर्गा की पूजा के साथ विजयाष्टमी और महानवमी मनाई जाती है। इस दौरान 700 श्लोकों वाली दुर्गा शप्तशती जिसे देवी महात्म्य के नाम से भी जाना जाता है, का पाठ किया जाता है साथ ही दुर्गा चालीसा और देवी को समर्पित विभिन्न मंत्रों एवं श्लोकों के जरिए उन देवियों की आराधना की जाती है जिन्होंने दुष्टों का संहार किया।

पहले तीन दिन: इस दौरान नवरात्रि के पहले दिन पूजाघर में मिट्टी का एक तख्त बनाया जाता है जिसमें जौं बोए जाते हैं। ये तीन दिन शक्ति और ऊर्जा की देवी मां दुर्गा को समर्पित होते हैं।

दूसरे तीन दिन: इन तीन दिनों में शांति और धन-सौभाग्य की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

तीसरे दो दिन: नवरात्र के 7वें और 8वें दिनों में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है जो ज्ञान और आध्यात्म की प्रतीक हैं। ज्ञान एवम् आध्यात्म सांसारिक मोह-माया से हमारी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आठवें दिन यज्ञ किया जाता है।

महानवमी: इस रंगबिरंगे, ऊर्जा से भरपूर पर्व का समापन महानवमी को होता है। इस दिन कन्या पूजा की जाती है। नौ कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया जाता है। इन नौ कन्याओं की पूजा मां के नौ रूप मानकर की जाती है।

आश्विन मास में शुक्लपक्ष कि प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नौ दिन तक चलने वाले नवरात्र शारदीय नवरात्र कहलाते हैं। नव का शाब्दिक अर्थ नौ है और इसे नव अर्थात नया भी कहा जाता है। शारदीय नवरात्रों में दिन छोटे होने लगते है। मौसम में परिवर्तन शुरू हो जाता है। प्रकृति सर्दी की चादर में लिपटने लगती है। ऋतु के परिवर्तन का प्रभाव लोगों को प्रभावित न करे, इसलिए प्राचीन काल सेही इन दिनों में नौ दिनों के उपवास का विधान है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दरअसल, इस दौरान उपवासक संतुलित और सात्विक भोजन कर अपना ध्यान चिंतन और मनन में लगकर स्वयं को भीतर से शक्तिशाली बनाता है। इससे न वह उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करता है बल्कि वह मौसम के बदलाव को सहने के लिए आंतरिक रूप से खुद को मजूबत भी करता है।नवरात्रों में माता के नौ रुपों की आराधना की जाती है। माता के इन नौ रुपों को हम देवी के विभिन्न रूपों की उपासना, उनके तीर्थो के माध्यम से समझ सकते है।

नवरात्र का वैज्ञानिक आधार

नवरात्रि हिंदुओं के पवित्र त्योहारों में से एक है। इन 9 दिनों में नौ-दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। साल में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के रूप में मां दुर्गा के नौ रूपों की अराधना की जाती है। इस दौरान घर-घर में भजन-कीर्तन आदि का आयोजन होता है। शारदीय नवरात्रि को पूर्वी भारत में दुर्गापूजा और पश्चिमी भारत में डांडिया के रूप में मनाया जाता है।

नवरात्र शब्द से 'नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियां) का बोध' होता है। इस समय शक्ति के नव रूपों की उपासना की जाती है क्योंकि 'रात्रि' शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। यही कारण है कि दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्र आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है। यदि, रात्रि का कोई विशेष रहस्य न होता तो ऐसे उत्सवों को रात्रि न कह कर दिन ही कहा जाता। जैसे- नवदिन या शिवदिन। लेकिन हम ऐसा नहीं कहते।

नवरात्र के वैज्ञानिक महत्व को समझने से पहले हम नवरात्र को समझ लेते हैं। मनीषियों ने वर्ष में दो बार नवरात्रों का विधान बनाया है- विक्रम संवत के पहले दिन अर्थात चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा (पहली तिथि) से नौ दिन अर्थात नवमी तक। इसी प्रकार इसके ठीक छह मास पश्चात् आश्विन मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी अर्थात विजयादशमी के एक दिन पूर्व तक नवरात्र मनाया जाता है। लेकिन, फिर भी सिद्धि और साधना की दृष्टि से शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है। इन नवरात्रों में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति संचय करने के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं। यहां तक कि कुछ साधक इन रात्रियों में पूरी रात पद्मासन या सिद्धासन में बैठकर आंतरिक त्राटक या बीज मंत्रों के जाप द्वारा विशेष सिद्धियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। नवरात्रों में शक्ति के 51 पीठों पर भक्तों का समुदाय बड़े उत्साह से शक्ति की उपासना के लिए एकत्रित होता है और जो उपासक इन शक्ति पीठों पर नहीं पहुंच पाते वे अपने निवास स्थल पर ही शक्ति का आह्वान करते हैं।

हालांकि आजकल अधिकांश उपासक शक्ति पूजा रात्रि में नहीं बल्कि पुरोहित को दिन में ही बुलाकर संपन्न करा देते हैं। यहां तक कि सामान्य भक्त ही नहीं अपितु, पंडित और साधु-महात्मा भी अब नवरात्रों में पूरी रात जागना नहीं चाहते और ना ही कोई आलस्य को त्यागना चाहता है। आज कल बहुत कम उपासक ही आलस्य को त्याग कर आत्मशक्ति, मानसिक शक्ति और यौगिक शक्ति की प्राप्ति के लिए रात्रि के समय का उपयोग करते देखे जाते हैं। जबकि मनीषियों ने रात्रि के महत्व को अत्यंत सूक्ष्मता के साथ वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में समझने और समझाने का प्रयत्न किया। अब तो यह एक सर्वमान्य वैज्ञानिक तथ्य भी है कि रात्रि में प्रकृति के बहुत सारे अवरोध खत्म हो जाते हैं। हमारे ऋषि-मुनि आज से कितने ही हजारों-लाखों वर्ष पूर्व ही प्रकृति के इन वैज्ञानिक रहस्यों को जान चुके थे। आप अगर ध्यान दें तो पाएंगे कि अगर दिन में आवाज दी जाए, तो वह दूर तक नहीं जाती है, किंतु यदि रात्रि में आवाज दी जाए तो वह बहुत दूर तक जाती है। इसके पीछे दिन के कोलाहल के अलावा एक वैज्ञानिक तथ्य यह भी है कि दिन में सूर्य की किरणें आवाज की तरंगों और रेडियो तरंगों को आगे बढ़ने से रोक देती हैं।

रेडियो इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। आपने खुद भी महसूस किया होगा कि कम शक्ति के रेडियो स्टेशनों को दिन में पकड़ना अर्थात सुनना मुश्किल होता है जबकि सूर्यास्त के बाद छोटे से छोटा रेडियो स्टेशन भी आसानी से सुना जा सकता है। इसका वैज्ञानिक सिद्धांत यह है कि सूर्य की किरणें दिन के समय रेडियो तरंगों को जिस प्रकार रोकती हैं ठीक उसी प्रकार मंत्र जाप की विचार तरंगों में भी दिन के समय रुकावट पड़ती है। इसीलिए ऋषि-मुनियों ने रात्रि का महत्व दिन की अपेक्षा बहुत अधिक बताया है। मंदिरों में घंटे और शंख की आवाज के कंपन से दूर-दूर तक वातावरण कीटाणुओं से रहित हो जाता है। यही रात्रि का तर्कसंगत रहस्य है। जो इस वैज्ञानिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए रात्रियों में संकल्प और उच्च अवधारणा के साथ अपनी शक्तिशाली विचार तरंगों को वायुमंडल में भेजते हैं, उनकी कार्यसिद्धि अर्थात मनोकामना सिद्धि, उनके शुभ संकल्प के अनुसार उचित समय और ठीक विधि के अनुसार करने पर अवश्य होती है।

नवरात्र के पीछे का वैज्ञानिक आधार यह है कि पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा काल में एक साल की चार संधियां हैं जिनमें से मार्च व सितंबर माह में पड़ने वाली गोल संधियों में साल के दो मुख्य नवरात्र पड़ते हैं। इस समय रोगाणु आक्रमण की सर्वाधिक संभावना होती है। ऋतु संधियों में अक्सर शारीरिक बीमारियां बढ़ती हैं। अत: उस समय स्वस्थ रहने के लिए तथा शरीर को शुद्ध रखने के लिए और तन-मन को निर्मल और पूर्णत: स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया का नाम 'नवरात्र' है।

नवरात्र में नौ दिन या नौ रात को गिना जाना चाहिए?

अमावस्या की रात से अष्टमी तक या पड़वा से नवमी की दोपहर तक व्रत नियम चलने से नौ रात यानी 'नवरात्र' नाम सार्थक है। चूंकि यहां रात गिनते हैं इसलिए इसे नवरात्र यानि नौ रातों का समूह कहा जाता है। रूपक के द्वारा हमारे शरीर को नौ मुख्य द्वारों वाला कहा गया है और, इसके भीतर निवास करने वाली जीवनी शक्ति का नाम ही दुर्गा देवी है। इन मुख्य इन्द्रियों में अनुशासन, स्वच्छ्ता, तारतम्य स्थापित करने के प्रतीक रूप में, शरीर तंत्र को पूरे साल के लिए सुचारू रूप से क्रियाशील रखने के लिए नौ द्वारों की शुद्धि का पर्व नौ दिन मनाया जाता है। इनको व्यक्तिगत रूप से महत्व देने के लिए नौ दिन, नौ दुर्गाओं के लिए कहे जाते हैं।

हालांकि शरीर को सुचारू रखने के लिए विरेचन, सफाई या शुद्धि प्रतिदिन तो हम करते ही हैं किन्तु अंग-प्रत्यंगों की पूरी तरह से भीतरी सफाई करने के लिए हर 6 माह के अंतर से सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमें सात्विक आहार के व्रत का पालन करने से शरीर की शुद्धि, साफ-सुथरे शरीर में शुद्ध बुद्धि, उत्तम विचारों से ही उत्तम कर्म, कर्मों से सच्चरित्रता और क्रमश: मन शुद्ध होता है, क्योंकि स्वच्छ मन मंदिर में ही तो ईश्वर की शक्ति का स्थायी निवास होता है।

शरीर के लिए वरदान है व्रत

वजन कम करने से लेकर मानसिक शांति तक मिलते हैं 6 बड़े फायदे

इन दिनों चैत्र नवरात्र का पावन पर्व चल रहा है। इस दौरान भक्त मां दुर्गा की आराधना करते हैं। कई भक्त पूरे नौ दिनों तक व्रत भी रखते हैं। इससे उन्हें न सिर्फ मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है बल्कि कई तरह के शारीरिक लाभ भी मिलते हैं। कुछ लोग हल्का-फुल्का खा कर व्रत रखते हैं। वहीं कुछ लोग घंटों बिना कुछ खाए व्रत रह लेते हैं। कई लोगों को ऐसा लगता है कि व्रत करने से शरीर कमजोर हो जाता है और बीमारियां भी हो सकती हैं। हालांकि व्रत रखने से शरीर में कई तरह के सकारात्मक बदलाव भी आते हैं। अगर आप भी चैत्र नवरात्र में पूरे नौ दिनों का व्रत रख रहे हैं तो ये आपको शारीरिक रूप से फायदा भी पहुंचाएगा।

डाइजेस्टिव सिस्टम को मिलता है आराम

हमारा पाचन तंत्र लगातार भोजन को पचाने में लगा रहता है। व्रत के दौरान भोजन का सेवन कम होने से उसे आराम मिलता है, जिससे पेट की समस्याएं जैसे गैस, अपच और एसिडिटी कम होती हैं। व्रत के दौरान शरीर से सारे विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करने लगता है।

शरीर को करे डिटॉक्स

व्रत के दौरान हम हल्का और सात्विक भोजन करते हैं। ऐसे में हमारा शरीर प्राकृतिक रूप से खुद को साफ करने की प्रक्रिया में लग जाता है। शरीर में जमा विषाक्त पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं।

वजन घटाने में मददगार

अगर व्रत को सही तरीके से रखा जाए तो यह वजन घटाने में भी सहायक हो सकता है। उपवास के दौरान कम कैलोरी का सेवन और हल्का आहार लेने से शरीर की चर्बी कम होने लगती है। इसके साथ ही ओवर ईटिंग से भी बचाव होता है।

ब्लड शुगर करे कंट्रोल

अनहेल्दी चीजों को खाने से हमारा ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। व्रत रखने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है, जिससे शुगर लेवल कंट्रोल रहता है और डायबिटीज का खतरा भी कम होता है।

मजबूत होता है इम्यून सिस्टम

व्रत के दौरान शरीर खुद को रिपेयर करता है और नई कोशिकाओं का निर्माण करता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

व्रत रखने से मिलती है मानसिक शांति

व्रत केवल शरीर के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। दरअसल इस दौरान लोग ध्यान और प्रार्थना करते हैं। इससे मन को सुकून मिलता है। साथ ही नकारात्मक विचार भी नहीं आते हैं।

मंगल का कर्क राशि में गोचर, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

मंगल दिनांक 3 अप्रैल, 2025 रात्रि के 01 बजकर 35 मिनट पर चंद्र की राशि कर्क में प्रवेश करने जा रहे हैं। यहां सेनापति ग्रह मंगल 7 जून 2025 तक विराजमान रहेंगे। नीच अवस्था में होने के कारण मंगल गृह नकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। इस गोचर का प्रभाव कर्क राशि के जातकों पर नकारात्मक पड़ने वाला है। जातक अपने बल में कमी महसूस करेंगे शारीरिक दुर्बलता और मानसिक अवसाद का सामना करना पड़ सकता है। जातक हीन भावना महसूस कर सकते हैं।इस अवधि में आर्थिक हानि का सामना कर सकते हैं। मन में भय उत्पन्न होने से नकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। सलाह दी जाती है कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न लें। हनुमान मंगल कवच का पाठ करें। रोज हनुमान जी के दर्शन करें। साथ ही गुड़ और चने का दान हनुमान जी के मंदिर पर करें।

ग्रहों के राजकुमार बुध मीन राशि में होंगे मार्गी

यह गोचर 7 अप्रैल शाम के समय 04 बजकर 10 मिनट पर होगा। यह गोचर मीन राशि की जातकों के लिए नकारात्मक फल देने वाला रहेगा जातक डिप्रेशन आदि का शिकार हो सकते हैं। विश्वास पात्र लोग इस अवधि में धोखा दे सकते हैं। अकेला महसूस कर सकते हैं। मन में नकारात्मक विचारों के आने से कमजोर महसूस कर सकते हैं। इस गोचर के दौरान आर्थिक तंगी का सामना भी करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रह सकते हैं। इसके अलावा अनावश्यक वाद विवाद में पड़ सकते हैं। सलाह दी जाती है कि इस अवधि को धैर्य पूर्वक निकालें। कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न लें। गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें। रोज गणेश जी की आरती करें और दुर्गा माता के मंत्रों का जाप करें।

शुक्र ग्रह होने जा रहे हैं मीन राशि में मार्गी

यह गोचर 13 अप्रैल, 2025 सुबह 05 बजकर 42 मिनट पर शुरू होगा। यह समय मीन राशि के जातकों के लिए अहम रहने वाला है जातक अपने रहन-सहन पर अत्यधिक खर्च कर सकते हैं, जिसके कारण आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। जातक इस अवधि में अपने बाहरी सौंदर्य के प्रति सचेत रहेंगे। गुप्त कार्य में भी धन खर्च कर सकते हैं। मन मस्तिष्क नकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण कर सकता है। इस अवधि में जातक अपोजिट लिंग की तरफ आकर्षित रहेंगे।

उपाय – रोज लक्ष्मी माता की आरती करें। सफेद रंग की मिठाई का भोग लगाकर छोटी कन्याओं में दान करें। कमलगट्टे की माला धारण करें।

ग्रहों के राजा सूर्य का मंगल की राशि मेष राशि में गोचर

यह गोचर 14 अप्रैल, 2025 को होगा। मेष राशि की जातकों के लिए सकारात्मक रहने वाला है जो जातक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उन्हें इस अवधि में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस अवधि के दौरान रुके हुए सरकारी काम पूरे होंगे। सरकार से आर्थिक मदद भी मिल सकती है। जो जातक फिल्म इंडस्ट्री में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त हो सकती है। इसके साथ ही राजनीति में सफलता प्राप्त हो सकती है।

इस अवधि में जातक का मान-सम्मान बढ़ेगा। जातक प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में आने से लाभ प्राप्त करेंगे। खुद को सकारात्मक ऊर्जा से भरा पाएंगे। इस अवधि में जातक का अहंकार बढ़ सकता है। इसलिए सावधान रहें।

उपाय – इस अवधि में जातक को आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करना चाहिए साथ ही सूर्य भगवान को घी से अर्ग देकर लाल पुष्प अर्पित करने चाहिए।

संपादकीय

बहस के टूटे ठीकरे में मीडिया

बहुत सारी बातें पता चलती हैं, जब प्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते आगे निकलते हैं। राजनीति अगर प्रोफेशन है, तो पगार भी अधिकार है। गुजारे लायक जमीन सियासत को मिली है, तो हर जीत के विशेषाधिकार भी नत्थी हैं। हिमाचल विधानसभा जब खुशनुमा सहमति से विधायकों की तनख्वाह में बढ़ोतरी कर रही थी, तो बिरादरी क्या होती है इसकी खबर मीडिया को लग रही थी। इसलिए सदन में जिक्र बार-बार प्रेस गैलरी के नौजवानों पर हुआ और हर बहस के टूटे ठीकरों में बैठे मीडिया को कोसा भी गया, क्योंकि लोकतंत्र में पत्रकारिता का न अधिकार-न विशेषाधिकार है। महंगाई के दौर में लोकतांत्रिक रक्षा महंगी हो गई है यानी इसके हर स्तंभ को चाहिए खर्चा, शायद इसलिए 'इलेक्टोरल बांड' ईजाद हुआ और अपनी करामात से बंद भी हो गया। जनता पसोपेश में हर चुनाव की कीमत देखती है। बहुत मुश्किल है जीत कर विधायक या सांसद बनना। अब तो पंचायत पार्षद का चुनाव भी एक वित्तीय व्यवस्था है। इसलिए वेतन के भुगतान में अगले चुनाव की धडक़न सुनें, तो यह नाकाफी है। क्या कोई अपने वेतन-भत्तों की किफायत में चुनाव का खर्च उठा सकता है। यकीनन बड़ा मुश्किल है चुनाव से गुजर जाना। वेतन सांसदों के बढ़े, तो लाजिमी तौर पर प्रदेश के विधायकों के बढ़ाए जाने की जरूरत बढ़ गई। कम से कम वेतन बढ़ाने की कसौटी में डबल इंजन उपयोगी साबित होता ही है। सदन की बहस में भाजपा के जो विधायक बोले क्या खूब बोले। वे सरकार के पक्ष और प्रदेश के यथार्थ में बोले, मगर हम सिर्फ यह बोलेंगे कि इसी जज्बे से ये जवाबदेह प्रतिनिधि हिमाचल के पक्ष में केंद्र के कानों में भी बोलें। हमने कब एक बार चुने हुए प्रतिनिधि महोदय की क्षमता का विवरण उसकी शिक्षा में देखा। वह पांच साल लगाकर सैलरी और पेंशन का हकदार हो सकता है, क्योंकि यह उसका संवैधानिक अधिकार है। यहां यही लोकतंत्र है। हम कह सकते हैं कि भारत का लोकतंत्र अच्छे मूड में है और सदा रह सकता है, बशर्ते माननीयों को यह चिंता न हो कि देश में महंगाई दर क्या है, उनकी जरूरतें कितनी हैं, उनकी सुविधाएं कितनी हैं, उनका रौब कितना है, देश पंगु कितना है या प्रदेश पर कर्ज कितना है। वैसे हाजिरी का रजिस्टर तय करता है कि पगार पाने का भी अनुशासन होता है, इसलिए दिन भर खबर का इंतजार करता पत्रकार तनख्वाह की गैरहाजिरी लगाता है। यह दीगर है कि अब मीडिया की हाजिरी पर राजनीति के दस्तखत होने लगे हैं, हर दरबार में पत्रकार उपस्थित होने लगे हैं। मीडिया अब सिर्फ अखबार नहीं, इसलिए विधायक भी अपनी खबरों की वीडियो चढ़ाने लगे हैं या इधर-उधर डिजिटल चैनलों में सरकाने लगे हैं। जितना सदन अंदर था, उससे ज्यादा बाहर भी, क्योंकि विधायकों के वीडियो अब पत्रकारों की संपत्ति और व्यूज की हस्ती होने लगे हैं, फिर भी गिला है कि पत्रकार वफादार नहीं होते। जो माननीय सदन से अपने वीडियो, जनता से अपने संपर्क, पक्ष-प्रतिपक्ष के वाद-विवाद, राजनीतिक चुगलियां और अपनी छवि के मसलों पर मीडिया के मैत्री पक्ष पर सजदा करते हैं, वही अगर अपने वेतन के औचित्य पर पत्रकारिता को कोसें, तो मानना पड़ेगा कि उनकी शक्तियों का प्रदर्शन लोकतंत्र की किस बुनियाद पर हो रहा है। जिन तर्कों पर विधायकों के वेतन-भत्ते बढने चाहिए, उन्हीं की मर्यादा में राज्य की वित्तीय व्यवस्था, बेरोजगारों की महत्त्वाकांक्षा और पत्रकारों की आत्मनिर्भरता व स्वतंत्रता के पक्ष में वित्तीय अनुशंसा की आलोचना गैर जरूरी है। हिमाचल से करीब आधा दर्जन अखबार प्रकाशित हो रहे हैं और इतने ही बाहर से आ रहे हैं, तो यह रोजगार का निवेश भी तो है।

राजनीति अगर प्रोफेशन है, तो पगार भी अधिकार है। गुजारे लायक जमीन सियासत को मिली है, तो हर जीत के विशेषाधिकार भी नत्थी हैं। हिमाचल विधानसभा जब खुशनुमा सहमति से विधायकों की तनख्वाह में बढ़ोतरी कर रही थी, तो बिरादरी क्या होती है इसकी खबर मीडिया को लग रही थी। इसलिए सदन में जिक्र बार-बार प्रेस गैलरी के नौजवानों पर हुआ और हर बहस के टूटे ठीकरों में बैठे मीडिया को कोसा भी गया, क्योंकि लोकतंत्र में पत्रकारिता का न अधिकार-न विशेषाधिकार है। महंगाई के दौर में लोकतांत्रिक रक्षा महंगी हो गई है यानी इसके हर स्तंभ को चाहिए खर्चा, शायद इसलिए 'इलेक्टोरल बांड' ईजाद हुआ और अपनी करामात से बंद भी हो गया। जनता पसोपेश में हर चुनाव की कीमत देखती है। बहुत मुश्किल है जीत कर विधायक या सांसद बनना। अब तो पंचायत पार्षद का चुनाव भी एक वित्तीय व्यवस्था है। इसलिए वेतन के भुगतान में अगले चुनाव की धडक़न सुनें, तो यह नाकाफी है। क्या कोई अपने वेतन-भत्तों की किफायत में चुनाव का खर्च उठा सकता है। यकीनन बड़ा मुश्किल है चुनाव से गुजर जाना। वेतन सांसदों के बढ़े, तो लाजिमी तौर पर प्रदेश के विधायकों के बढ़ाए जाने की जरूरत बढ़ गई। कम से कम वेतन बढ़ाने की कसौटी में डबल इंजन उपयोगी साबित होता ही है।

नई व्यापार रणनीति के तहत तीन महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं

टैरिफ जंग से मुकाबले की रणनीति

डा. जयंती लाल भंडारी

यकीनन जहां दुनिया में एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के कारण बहुराष्ट्रीय व्यापार समझौतों का सितारा अस्त हो रहा है, वहीं नए द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का जो नया दौर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसमें भारत नई व्यापार रणनीति के साथ सबसे आगे है। भारत की इस नई व्यापार रणनीति के तहत तीन महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं। एक, अब लंबे समय तक व्यापार वार्ता चलाने के बजाय व्यापार वार्ता शीघ्रतापूर्वक पूरी की जाए। दो, व्यापार वार्ता के तहत मुख्य कारोबारी मुद्दों जैसे शुल्क, गैर शुल्क बाधाओं पर शुरुआत में ही प्राथमिकता के साथ विचार मंथन किया जाए। तीन, व्यापार वार्ता में भारत के लिए सिरमौर बने हुए सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स और ऑटोमोटिव सेक्टर को विशेष रूप से शामिल कराने पर ध्यान दिया जाए। इससे वैश्विक वैल्यू चेन (जीवीसी) में भारत की जो हिस्सेदारी अभी सिर्फ 3.3 फीसदी है, वह हिस्सेदारी तेजी से बढ़ते हुए भी दिखाई देगी। हाल ही में 16 मार्च से 20 मार्च तक न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान लक्सन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने, विशेष रूप से व्यापार, कृषि, शिक्षा, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई अहम सझमौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। खास बात यह कि पिछले 10 वर्षों से प्रस्तावित और धीरे-धीरे आगे बढ़ रही भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौता वार्ता को अब शीघ्रतापूर्वक महज 60 दिन में पूर्ण करना भी सुनिश्चित किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत 28 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग (ईयू) की प्रेसिडेंट उर्सला वोन लेयेन ने दोनों पक्षों के बीच कारोबार एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार समझौते को लेकर जारी किंतु-परंतु को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। दोनों नेताओं ने इस बारे में प्रतिबद्धता जताते हुए अपने संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के हितों के मुताबिक भारत-ईयू व्यापार समझौते पर इस वर्ष 2025 के अंत तक मुहर लगाई जाए। इसी तरह विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता के

दौरान द्विपक्षीय कारोबार को वर्ष 2030 तक 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले माह फरवरी में भारत के दौरे पर आए ब्रिटेन के व्यवसाय व कारोबार मंत्री जोनाथन रेनाल्ड्स ने कहा कि भारत के साथ व्यापारिक समझौते का उद्देश्य पांच से छह वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार को तीन गुना करना है। ऐसे में भारत ने ईयू की तरह अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भी मुक्त व्यापार व निवेश समझौते को इसी साल 2025 में पूर्ण किए जाने के मद्देनजर रणनीति तय की है। यह उल्लेखनीय है कि इस समय जब दुनिया में द्विपक्षीय व्यापार समझौते नए सिरे से दोबारा अहम हो गए हैं, तब भारत प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के तहत जून 2024 से आगे बढ़ी व्यापार वार्ताओं को तेजी से पूर्ण करने और व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन के लिए तत्परता से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि हम पलटकर देखें तो पाते हैं कि गत वर्ष 13 से 15 जून को इटली में विकसित देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष आमंत्रित देश के रूप में भारत शामिल हुआ और इस मौके पर सम्मेलन में शामिल प्रमुख देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ भारत की द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं भी हुई। विगत 9 जुलाई को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में मास्को में भारत और रूस के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण श्रृंखला की समीक्षा के बाद भारत और रूस ने द्विपक्षीय कारोबार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। 22 सितंबर को न्यूयार्क में भारत और अमेरिका के बीच हुई बातचीत में कई व्यापार समझौतों के साथ कोलकाता में एक सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने का करार हुआ है। विगत 22 से 24 अक्टूबर तक कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भारत ने द्विपक्षीय वार्ताओं के लिए रणनीतिक लाभ लिया। साथ ही भारत और चीन के बीच पांच साल बाद अहम द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस वार्ता के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों का नया अध्याय दिखाई दे रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा कई और व्यापार वार्ताओं को तत्परता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री मोदी ने 16 से 21 नवंबर तक ब्राजील, नाइजीरिया और गुयाना के पांच दिवसीय दौरे के दौरान जहां जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर फ्रांस, इटली, ब्राजील, सिंगापुर, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे और स्पेन समेत कई देशों के नेताओं के साथ 31 द्विपक्षीय और अनौपचारिक वार्ताएं की, वहीं नाइजीरिया और गुयाना पहुंचकर इन देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की सार्थक वार्ताएं की। इसी तरह विगत 16 दिसंबर को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके अपने सबसे पहले राजकीय विदेशी दौरे पर भारत आए और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ नई दिल्ली में लाभदायक द्विपक्षीय वार्ता की। अब दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूती देने तथा पिछले वर्ष दिसंबर में की गई व्यापार वार्ताओं को अंतिम रूप देने के लिए पीएम मोदी आगामी माह अप्रैल में श्रीलंका जाएंगे। यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि विगत 21 और 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा कुवैत यात्रा के दौरान कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के साथ द्विपक्षीय वार्ता में आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, फिनटेक, बुनियादी ढांचे आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जो प्रभावी व्यापार वार्ता शीघ्र ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते के रूप में दिखाई दे सकती है। इन सबके साथ-साथ जहां नॉर्वे, हंगरी, ग्वाटेमाला, पेरू, चिली के साथ भी शीघ्र ही व्यापार समझौते की बातचीत शुरू हो सकती है, वहीं अब भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। इसमें कोई दोमत नहीं कि अमेरिका के टैरिफ लगाए जाने की योजना का भारत पर कोई ज्यादा असर नहीं होगा। विभिन्न नई शोध अध्ययन रिपोर्टों में यह बताया गया है कि ट्रंप की टैरिफ योजना से भारत के कुल निर्यात में महज 3 से 3.5 फीसदी गिरावट आ सकती है।

तीन, व्यापार वार्ता में भारत के लिए सिरमौर बने हुए सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स और ऑटोमोटिव सेक्टर को विशेष रूप से शामिल कराने पर ध्यान दिया जाए। इससे वैश्विक वैल्यू चेन (जीवीसी) में भारत की जो हिस्सेदारी अभी सिर्फ 3.3 फीसदी है, वह हिस्सेदारी तेजी से बढ़ते हुए भी दिखाई देगी। हाल ही में 16 मार्च से 20 मार्च तक न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान लक्सन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने, विशेष रूप से व्यापार, कृषि, शिक्षा, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई अहम सझमौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

दृष्टि कोण

बदल रहा सरकारी स्कूल का प्रांगण

हिमाचल के पुनर्गठन के बाद साक्षरता एवं शिक्षा में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। 1996, 2006 की प्रोब रिपोर्ट में आम जनमानस की शिक्षा के प्रति प्रगति, बच्चों को विद्यालय में पढ़ाने की सजगता तथा अच्छी शिक्षा के लिए तत्परता दिखाई देती है। क्वॉलिटी एजुकेशन के मानक होना जरूरी है, जिनमें मूलभूत इंफ्रास्ट्रक्चर, अन्य विद्यालय स्तरीय सुविधाएं, विद्यालय एवं कक्षा का वातावरण, अच्छी एवं सकारात्मक सोच, विद्वान अध्यापक व उनका पढने-पढ़ाने हेतु उपयुक्त एवं पर्याप्त समय, कक्षा में सीखने संबंधी विभिन्न गतिविधियां, डिजिटल स्मार्टबोर्ड प्रौद्योगिकी, नियोजित विद्यालय प्रबंधन, सुंदर ड्रेस कोड, मजबूत मूल्यांकन प्रणाली, डिजिटल लाइब्रेरी, समुदाय की सहायता, निरीक्षण एवं अनुश्रवण प्रमुख होते जा रहे हैं। इन सभी मानकों को हम विद्यालय के परिवेश में जितनी गहनता से उतारेंगे, उतनी ही अच्छी शिक्षा विद्यार्थियों में संप्रेषित होगी और उसे बच्चों के व्यवहार एवं अधिगम स्तरों में देखा जा सकता है। आधुनिक युग में माता-पिता के साथ-साथ विद्यार्थी भी अच्छी शिक्षा के लिए सजग हैं। जिस विद्यालय में यह सब स्टैंडर्ड हैं, वे भी वहीं पढना पसंद करते हैं। इसलिए प्रत्येक विद्यालय को इन सभी मानकों को शुरू करने तथा इनमें निरंतरता बनाए रखने की आवश्यकता है और इन्हीं मानकों से बच्चे विद्यालय में प्रवेश लेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने हेतु केंद्र प्रायोजित योजना पीएम श्री प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया को 7 सितंबर, 2022 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया। इस योजना के तहत मौजूदा सरकारी स्कूलों को सुदृढ़ करके पीएम श्री स्कूल (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) स्थापित करने का प्रावधान किया है। यह स्कूल एक आदर्श स्कूल के रूप में उभरेंगे और पड़ोस के अन्य स्कूलों को नेतृत्व भी प्रदान करेंगे। पीएम श्री स्कूल अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूल में न्यायसंगत, समावेशी और आनंदमय वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में नेतृत्व प्रदान करने के लिए वचनवद्ध हैं। इस योजना को प्राथमिक और प्रारंभिक विद्यालयों में बाला फीचर और जादुई पिटारा, प्री स्कूल शिक्षा में सहायता, बच्चों के अनुकूल फर्नीचर, आउटडोर खेल सामग्री आदि जैसे सभी घटकों को शामिल करके और माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए फर्नीचर, पूरी तरह से सुसज्जित एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला/भौतिकी प्रयोगशाला, रसायन विज्ञान प्रयोगशाला/जीवविज्ञान प्रयोगशाला, स्मार्ट कक्षाएं, कंप्यूटर लैब/आईसीटी लैब, अटल टिंकरिंग लैब, कौशल प्रयोगशाला, स्कूल नवोन्मेष परिषद, अच्छी तरह से सुसज्जित खेल सुविधाओं के साथ खेल का मैदान उपलब्ध कराकर कार्यान्वित किया जा रहा है। इसी तरह से राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल पूरी सुविधाओं से लैस होकर बनने वाले हैं। इससे पूर्व डीपीईपी, सर्व शिक्षा अभियान तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान ने भी विद्यालयों की दशा व दिशा सुधारी है और अब समग्र शिक्षा विद्यालय संचालन के लिए आवश्यक धन सामग्री जुटाने के साथ-साथ अध्यापक प्रशिक्षण, नवाचार, डिजीटल स्मार्ट अधिगम प्रौद्योगिकी तथा विद्यार्थियों के उन्मुखीकरण के कार्य कर रहा है। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब पढ़ाई का तौर-तरीका बदल रहा है। यह बदलाव प्रदेश सरकार द्वारा गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए उठाए गए सार्थक कदमों के कारण हो रहे हैं। सरकारी स्कूलों में मुफ्त पाठ्य पुस्तकें, मुफ्त वर्दी योजना, पोषणयुक्त मध्याह्न भोजन, कौशल भत्ता, सीसीटीवी सुरक्षा और विभिन्न छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं। सरकारी स्कूलों में दाखिला बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग ने जागरूकता अभियान तेज किया है। परीक्षाओं के बीच शिक्षक अभिभावकों से संपर्क कर सरकारी स्कूलों की सुविधाओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इस दौरान उन्हें सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा और बेहतर सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली बेहतर शिक्षा, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), सामाजिक जागरूकता शिविर, पर्यावरण संरक्षण, बच्चों का हेल्थ चेकअप, कैरियर काउंसिलिंग, नशा निवारण कार्यक्रम और मोबाइल के दुरुपयोग पर जागरूकता अभियान जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। सभी विद्यालय अपने-अपने विद्यालय के विज्ञापन सोशल मीडिया पर देकर विद्यालय का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। इसके साथ अंग्रेजी मीडियम में पढने की व्यवस्था करना तथा हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत के कम्युनिकेशन स्किल को सुदृढ़ता से विद्यालय में लागू करने की अभी और आवश्यकता है, जिसके लिए विद्यालय स्तर पर अध्यापकों को आम सहमति से आगे बढने की संभावनाएं तलाशनी होंगी। समय के साथ शिक्षा प्रणाली में आधुनिक तकनीक का समावेश न केवल आवश्यक है, बल्कि यह बच्चों के सीखने के अनुभव को भी बेहतर बनाता है।

कुछ अलग

एआई भारत में फेल...

वह दिल्ली में कूड़े के ढेर को देखकर उत्साहित होता है। घर से निकलते ही उसे देश की राजधानी का कूड़ा निमंत्रण देने लगता है। घर-घर का कूड़ा, कार्यक्रमों-योजनाओं और परियोजनाओं का कूड़ा। दिल्ली का कूड़ा उसके जीवन-प्राण का सहारा है। वह आदतन उस दिन भी कूड़े के ढेर के पास पहुंच कर मुस्कराया और काम पर जुट गया, सोचने लगा, कितना खजाना है उसकी किस्मत में, जो हर घर, हर गली, हर मोहल्ले और पूरे देश से निकल कर केवल उसके सामने हाथ-पांव जोड़ता है, 'उठा लो, अब भी मुझे उठा लो। और मैं उठा लेता कभी रेस्तरां से फेंका हुआ खाना, कभी फटी हुई जीन्स, कभी कोई पेंच और कभी कोई टूटे हुए चश्मे का फ्रेम।' उसके हाथों में टूटे हुए पंखे, वाशिंग मशीनों के पुर्जे, गैस के चूल्हे और कभी-कभी टूटे हुए बेलन भी आ जाते हैं। उस दिन कमाल हो गया। वहां रावण और राम के मुखौटे एक साथ मिल गए। उसने रावण का पहना और अट्टहास लगाया। पहली बार वह खुद पर खूब हंसा था, कितना बड़ा हो जाता है वह रावण के मुखौटे में। उसने राम का पहना तो खामोश हो गया। यह कैसा राम राज्य। घर-घर के कूड़े में, देश के कूड़े में। उसकी फटी अंगुलियों में, फटे पांव की बेडियों में। उसने सोचा, 'राम कहने में चाहे सरल हो, बनना तो बहुत मुश्किल है। मुखौटा पहने वह पूरे देश को देखने लगा, लेकिन सामने रावण के मुखौटे को देखना अति पीड़ाजनक था।' राम के मुखौटे में रावण होने का एहसास उसे होने लगा। वह इसी उधेड़बुन में था कि उसने कूड़े के ढेर पर हलचल देखी। वहां एलन मस्क का सबसे स्मार्ट एआई ग्रोक बीच में से निकल कर पूरी तरह विकसित होकर खड़ा था। वह हैरान हुआ कि असली कूड़े के ढेर में यह 'कृत्रिम होशियारी' क्या कर पाएगी। मन ही मन में वह खुश भी हुआ कि भारतीय कूड़े की गहराई और ऊंचाई एआई तक के दिमाग को चक्कर खाने पर मजबूर कर रही है। भारतीय संदर्भों की असलियत में एलन मस्क का एआई सिस्टम फेल हो रहा था। एआई ने इससे पहले भारत की हर गाली का जवाब गाली से दिया। नेताओं से लेकर प्रधानमंत्री तक को बुरा-भला कहा, लेकिन लाख कोशिश करके भी 'ग्रोक' कूड़े के भीतर भारतीय जिंदगी का राज नहीं खोल पाया। भारतीयता के इस अंबार में एआई फेल होने के करीब था। कूड़े ने उससे पूछा, 'क्या यह बता सकते हो मेरे भीतर कितने युगों का भंडार है।' ग्रोक ने सारे विश्व के कूड़े का रिकार्ड खंगाला, लेकिन बता नहीं पाया कि उस पहाड़ के नीचे कितने युगों का भारत है। कूड़ा हंसा और एआई को एक पुराने कूड़े का टुकड़ा पकड़ाया। एआई को छोटे से टुकड़े में सारा विश्व नजर आने लगा। कूड़े के सम्मोहन में आ चुका 'ग्रोक' भारत का मुरीद हो गया। वह कूड़े के ढेर में भारत की हकीकत देखने लगा। जो सामने था, उसे समझने लगा। वहां वह हजारों भारतीयों को कूड़े में से अपनी जरूरतें पूरी करते देख रहा था। कोई चीखा, 'देखो! यह रहा शराब ठेके को लूटने का दराट। यह चिट्टे की सप्लाई करने का बाक्स। वो सामने रहे विधानसभाओं से उखाड़े गए माइक और वे रहीं भ्रष्टाचार उन्मूलन की फाइलें।' वहां देश का कचरा रोजगार दे रहा था, लेकिन भारतीय करंसी के नोट जले हुए मिल रहे थे। एआई की समझ में यह नहीं आ रहा था कि भारतीय अपनी करंसी को जलाकर भी जॉब वर्क कैसे पूरा कर लेते हैं। एआई ने अपनी कृत्रिम शक्ति से सोचा ये करंसी के नोट आखिर जलने से बचे क्यों नहीं। कूड़ा एकत्रित कर रहे बच्चे ने कहा, 'यह भारत है, यहां हम आग बुझाने के लिए नोट जलाते हैं। सुना है इस बार किसी जज के घर की आग बुझाने के लिए ढेरों करंसी इस्तेमाल हुई।'

देश दुनिया से

शत्ति-पर्व पर कल्याण कलश की स्थापना का अवसर

ब्राण्डीय ऊर्जा से पिण्डीय सामर्थ को विकसित करने हेतु ज्योतिष शास्त्र और नक्षत्रीय विज्ञान में नवरात्रि महापर्व पर की जाने वाली साधनाओं का उल्लेख किया गया है। सनातन धर्म में चैत्र माह के नवरात्रिकाल को शत्ति पर्व के रूप में मनाने की परम्परा रही है। इस हेतु काया में स्थापित पिण्ड को ब्rाण्ड की अनन्त शत्तियों से जोड़ने का विधान है जिसमें स्वः की आन्तरिक व्रियायें तीव्र करना पड़ती हैं। संगदोष से रहित होकर विचार शून्यता की स्थिति में पहुंचा जाता है, तभी एकाग्रता के केन्द्रीयकरण से चिन्तन की सामर्थ द्वारा परा- शत्तियों के साथ जुड़ाव होता है। इसी जुड़ाव को योग भी कहा जाता है। अतीत की अनुभूतियों और भविष्य की कल्पनाओं के चिन्तन में हमेशा लगे रहने वाले मन के शान्त होते ही अन्तःकरण में एक रित्तिता का भान होने लगता है। इस खालीपन को भरने के लिए अनन्त की शत्तियों का प्रवाह तरंगों के माध्यम से प्रारम्भ हो जाता है। अध्यात्म के गूढ़ रहस्यों, परा-विज्ञान के जटिल सूत्रों और शाश्वत के ज्ञान की दिशा में बढ़ने के लिए सद्गुरु की महती आवश्यता होती है। सद्गुरु न केवल अध्यात्म, परा-विज्ञान और शाश्वत की त्रिवेणी में स्नान कर चुका होता है बल्कि दूसरों को स्नान करने के सामर्थ पर भी अधिकार रखता है। ऐसे सामर्थवान लोग बा दिखावे, तुच्छ चमत्कार और बाजीगरी से कोसों दूर रहते हैं। उनकी साधनात्मक सुगन्ध स्वमेव ही वातावरण में पैलती है। उनके चुम्बकीय ऊर्जा चा से आगन्तुक अपने आप रोमांचित हो उठता है, वैचारिक झंझावतों का शमन होने लगता है और होने लगाता है एक अनजानी सी शान्ति का बोध। वर्तमान में कथित चमत्कारों से आर्कषित करने वाले बाबाओं की भीड़ निरंतर बढ़ती जा रही है। सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक, शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त लोगों की भीड़ जादुई करिश्में की आशा में ढौंगी बाबाओं के दरबारों में माथा टेकने लगते हैं। टोने-टोटकों की दम पर अतीत की घटनाओं को बताने वाले धनलोलुप लोग अपनी वुटिल चालों, सोशल मीडिया और चन्द सिपाहसालारों की दम पर अन्धविश्वास परोसने में लगे हैं। यह अध्यात्म नहीं है, यह धर्म भी नहीं है और न ही होता है इसका कोई स्थाई परिणाम। जैसे दर्द नाशक दवा खाने से रसायन के असर रहने तक मस्तिष्क में पीड़ा के संदेश रुक जाते हैं परन्तु असर समाप्त होते ही कष्ट का विकराल स्वरूप सामने आने लगता है। ठीक ऐसा ही टोटकेबाजों के तिलिस्म का प्रभाव होता है। यहां पर बा रसायन नहीं दिया जाता बल्कि मानसिक खुराक की आपरूति होती है। टोटकेबाजों के पास पहुंचते ही वहां के वातावरण में व्याप्त कही-सुनी घटनाओं की चर्चाओं का बाहुल्य, एक अनोखी सुगन्ध का अहसास, जयकारों की गूंज, दिखावटी व्रियाओं का प्रत्यक्षीकरण, सिहासन की गरिमा, दरबार में बैठी अनुयायियों की भीड़ जैसे मानसिक प्रभाव डालने वाले कारक पहले से ही मौजूद रहते हैं। इन सब का प्रभाव आगन्तुक की मनःस्थिति पर पड़ने लगता है और वह वहां के सम्मोहित करने वाले तत्वों का शिकार हो जाता है। बस यहीं से शुरू हो जाती है आगन्तुक के शोषण की प्रव्रिया। सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक सामर्थ के अनुरूप टोटकेबाजी का दिग्दर्शन कराया जाता है, सम्मान दिया जाता है और फिर सेवा के नाम पर होने लगती है वसूली। बार-बार आने, विश्वास करने और प्रदान किये गये कर्मकाण्ड की नित्यावृति के निर्देशों के तले याचक दबता चला जाता है। समस्या की विकरालता, अनिष्ट का भय और वृपा से निदान की गारन्टी दी जाती है। ऐसे जाल में पंसने वाले लम्बे समय तक टोटकेबाजों के शोषण का शिकार होते रहते हैं। तिलिस्म टूटने की स्थिति तक पहुंचने-पहुंचते वे बरबाद हो चुके होते हैं। वहीं दूसरी ओर सत्य के मार्ग पर चलने वालों पर सहजता, सरलता और सौम्यता का आवरण पड़ा रहता है। प्रवृति के साथ सामंजस्य करने वाली अनुशासनात्मक जीवन शैली का अनुशरण करने वाले साधकों को पहचानना बेहद कठिन होता है। सांसारिक वैभव से दूर रहने वाले ऐसे साधकों के लिए परमानन्द से बड़ा कोई सुख नहीं है। इष्ट के निरंतर चिन्तन से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। बिना दिखावे के परमार्थ करने के कारण अहंकार भी नहीं है। ऐसे लोगों के सानिध्य में आते ही परिवर्तन की बयार चलने लगती है। सुखानुभूति होने लगती है। नश्वर भौतिक जगत की वास्तविकता का बोध होने लगता है। देश-दुनिया में न्यूनतम आवश्यकताओं पर सांसों की कदमताल करने वाली साधनात्मक कायाओं का अकाल नहीं है परन्तु उन्हें पहचानने हेतु अन्तर्दृष्टि की आवश्यकता होती है। समाज के प्रति, जीवों के प्रति और स्वः के प्रति संवेदनशील लोगों के लिए सद्गुरु के दर्शन, उनकी वृपा और मार्गदर्शन का सुयोग स्वतः ही बनने लगता है। दया के भाव से उदित होने वाले कल्याणकारी कार्य अपने आप संपादित होने लगते हैं। शत्ति-पर्व पर कल्याण कलश की स्थापना का अवसर सामने है। इस काल में अनन्त की ऊर्जा का प्रवाह तीव्रतम होता है जिसे साधनात्मक प्रव्रिया से ग्रहण किया जा सकता है। यही ऊर्जा आने वाले समय में जीवधारियों से लेकर प्रवृति तक के मध्य प्रेम, अपनत्व और सहकारिता की भावना विकसित करती है। धर्म के वास्तविक स्वरूप में जीवन जीने की विशेष पद्धति, समाज विशेष की विभेदकारी व्यवस्था या थोपी गईं ाियात्मक दक्षता का नितांत अभाव होता है। धर्म तो शाश्वत सत्य को विश्वास, श्रद्धा और प्रेम के सिद्धान्तानुसार ही समझा जा सकता है। देश, काल और परिस्थितियों से उपजी भाषा, क्षेत्र, मान्यता आदि की विभाजनकारी संस्वृतियों का इससे कोई संबंध नहीं होता। ईंद और शत्ति-पर्व का समुच्चय धनात्मक दिशा में सुगन्ध का वातावरण र्निमित करने हेतु अवतरित हुआ है। इसमें वैमनुष्यता, कटुता और हिसा का कोई स्थान नहीं है परन्तु फिर भी धर्म के कथित ठेकेदार अपनी भौतिक स्वार्थ-सिद्धि हेतु षड्यंत्रों को अमली जामा पहनाने की फिराक में हैं।साधनात्मक काल को विवृत होने से बचाने का दायित्व केवल सरकारों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी है।

आप का नजरिया

भूकंप नहीं, 'प्रलय'

म्यांमार और बैंकॉक में धरती का कंपन महज भूकंपीय आक्रमण नहीं था, बल्कि एक नए किस्म का 'प्रलय' था। हमने प्राचीन ग्रंथों में प्रलय का उल्लेख पढ़ा है, लेकिन यह प्रलय लोगों ने अपनी आंखों से देखा। खुद के अस्तित्व पर महसूस किया। तकनीक, विकास और इंजीनियरिंग की ताकत पर इतराती, गगनचुंबी इमारतों को ढहते और मलबा होते भी देखा। कैसा अप्रत्याशित, अभूतपूर्व अनुभव रहा होगा? जिंदगियों की अंतिम चीखें भी सुनीं और उन्हें लाश होते हुए भी देखा। यदि 30 मंजिला इमारत भी ताश के पत्तों की तरह, भरभरा कर, ढह जाए, बिखर जाए, तो बैंकॉक का अपनी अत्याधुनिक तकनीक, अपने विकास पर इतराना बेमानी लगता है। इनसान और देश कुदरत की नियति से बड़े नहीं हो सकते। हम सब धरती पर कुदरत के किराएदार हैं, यह एहसास हर समय रहना चाहिए। बैंकॉक में 70-80 मंजिल से 130 मंजिल तक की गगनचुंबी इमारतें हैं। यह इनसान, इंजीनियरिंग और उसकी विलासिता का अहंकार ही है। म्यांमार तो विश्व में सबसे अधिक भूकंप संवेदी देशों में एक है। वहां हर माह औसतन 7-8 भूकंप आते रहते हैं। इस बार भी 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद भी 15 और झटके महसूस किए जा चुके हैं। यह भूकंप जापान के हिरोशिमा, नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों से कई गुणा अधिक ऊर्जा वाला था, नतीजतन मौत का आंकड़ा 1700 को पार कर चुका है। घायल 3400 से ज्यादा हैं और 139 लोग लापता हैं। करीब 2900 इमारतें, 30 सडक़ें, 7 पुल, एक बांध आदि क्षतिग्रस्त हुए हैं अथवा मलबे के ढेर में तबदील हो गए हैं। एक अमरीकी एजेंसी का आकलन है कि म्यांमार में ही मौत का आंकड़ा 10,000 को पार कर सकता है। ऐसा खौफनाक, डरावना मंजर 'प्रलय' नहीं होगा, तो और क्या होगा? म्यांमार ऐसा पिछड़ा देश है, जहां भूकंप के जोखिम और आक्रमण सामान्य हैं, लेकिन वह भूकंप के संदर्भ में अक्षम और पाषाणकालीन है। मलबा हटाने तक की मशीनें भी उसके पास नहीं हैं। हाथ से मलबा हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं, इतने में तो दम घुटने से जिंदगी का बचना असंभव लगता है। 'कुदरत का करिश्मा' तो अपवाद ही होते हैं। भारत ने 50 टन से अधिक राहत-खाद्य सामग्री भेजकर अपने पड़ोसी देश की मदद की है। एनडीआरएफ के जवान और उपकरणों के साथ चिकित्सीय टीमें भी भेजी हैं। म्यांमार-बैंकॉक के ताकतवर भूकंप का असर हमारे पूर्वोत्तर राज्यों-मणिपुर, मेघालय, मिजोरम आदि-समेत बंगाल पर भी पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल से फोन पर बातचीत की और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। दुनिया में 7 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप असामान्य नहीं हैं। पिछले दो सालों में तीन बड़े भूकंप आ चुके हैं। भारत में कई इलाके भूकंप की तीव्रता के दायरे में हैं। उनका वर्गीकरण किया हुआ है। विडंबना तो यह है कि भारत में करीब 45 फीसदी इमारतें बिना नक्शे के ही बनाई गई हैं। हमें इस भूकंप से सबक लेना होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन का काम जल्दी ही निपट जाएगा. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिव जी का पंचाक्षर मंत्र जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी थकावट भी रहेगी.परन्तु सफलता भी हैं कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. विवाह सम्बन्ध मे बाधा रहेगी , दुर्गा जी का मंत्र जप करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कार्य सिद्ध होंगे आप मे उत्साह भरपूर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का दीप प्रज्वलित करें काम पूरे होंगे खर्च पर नियंत्रण रखें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. शाम तक पूरे काम निपट जांएगे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी माता पिता का जरुरी कार्य पहले पूरा करेंगे. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान-पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. छोटी कन्या को दूध की मिठाई जरुर दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज व्यापार मे निवेश करना बढ़ीया रहेगा । अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता हैं काम से फूर्सत मिलते ही आराम करें नये काम का बोझ मत डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज व्यापार का लिए समय अनुकूल है साझेदारी भी कर सकते हैं भविष्य मे लाभदायक रहेगा अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले दही का सेवन जरुर करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज छात्रों का दिन अच्छा और सफलता वाला रहेगा नये कोर्स मे सफलता भी मिलेगी सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख़्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.मछलियों को आटा डाले मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज धन का लाभ बनेगा आय के स्त्रोत बढेंगे । शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने जरुर जाए . इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. लक्ष्मी जी को पद्मपुष्प चढाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

व्यापार के लिए समय आज अनूकूल नही हैं विचार प्रूवक निवेश करें कर्ज लेने से बचें पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद-विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा.डिनर हल्का लेवें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज मौसमी बीमारियों से परिवार के बच्चे परेशान रहेंगे घर मे गाय के धूप को जलाए . किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. किसी मित्र के यहां शाम का वक्त बितेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा जिससे उन्नति होगी स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा परेशानियों से स्थायी निजात मिलेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन-देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा का योग नही हैं फिलहाल यात्रा टालदें । छात्रों को सफलता बन रही हैं अध्यापक शिक्षक पूरा सहयोग करेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 अप्रैल 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र, शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 02:35 तक
नक्षत्र : भरणी प्रातः 11:07 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 09:47 तक
करण : वणिज सायं 04:07 तक
चन्द्रराशि : मेष सायं 04:31 तक
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कृष्माण्डा पूजनम् , विनायक चतुर्थी व्रत , भद्रा सायं 04:05 से रात्रि 03:33 तक, खरमास चालू है ।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निवेश उत्सव : भजनलाल ने किया तीन लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों का कार्य प्रारंभ

जयपुर,31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता, सुशासन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित हुए निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रूपये के एमओयू की आज ग्राउण्ड ब्रेकिंग की गई है। उन्होंने आह्वान किया कि उद्योगपति अपने निवेश, युवा अपनी प्रतिभा तथा किसान अपनी मेहनत से ऐसे राजस्थान का निर्माण करें, जो न केवल भारत का गौरव बने, बल्कि विश्व में अपनी पहचान स्थापित करे।

शर्मा सोमवार को जयपुर के निजी होटल में आयोजित निवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हर साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस बार राजस्थान दिवस पर सात दिवसीय महोत्सव का आयोजन कर महिला, किसान, युवाओं के उत्थान और गरीब कल्याण की कई सौगातें दी हैं। इसी कड़ी में आज हम यहां निवेश उत्सव मना रहे हैं, जोकि राज्य के आर्थिक विकास की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित होगा।शर्मा ने कहा कि आज का निवेश उत्सव एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन इम्पैक्ट 1.0 (इम्पैक्ट वन प्वाइंट ओ) पर केंद्रित है, जो राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के हमारे प्रयासों को दर्शाता है। राज्य सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए त्रिस्तरीय रिव्यू मेकैनिज्म बनाया है। हर विभाग और जिले में डेडिकेटेड टीम बनाई, जो इन एमओयू की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है, ताकि निवेश का हर प्रस्ताव समय पर कार्यान्वित हो सके। इस सतत पर्यवेक्षण का ही परिणाम है कि राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो रही है। कार्यक्रम में इस संबंध में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रीको औद्योगिक क्षेत्रों के लिए डायरेक्ट लैंड एलॉटमेंट पॉलिसी लॉन्च की जिसमें उन सभी एमओयू धारकों को शामिल किया गया जिन्होंने राइजिंग राजस्थान के तहत सरकार के साथ 15 मार्च तक एमओयू निष्पादित किए। निवेशकों के उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष आवंटन नीति 16 मार्च से 30 अप्रैल तक निष्पादित होने वाले सभी नये एमओयू पर भी लागू किए जाने की घोषणा की। ये एमओयू धारक अगले आवेदन प्रक्रिया के दौर में इस नीति का लाभ उठा सकेंगे, जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा और 15 मई से सभी के लिए पुनः खोला जाएगा।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत 2047 का जो विजन रखा है, वह केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी आत्मनिर्भरता, समृद्धि और वैश्विक नेतृत्व के प्रति दृढ़ संकल्प है। इसी विजन को आधार बनाकर हम राजस्थान में 'विकसित राजस्थान 2047' का सपना देख रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम वर्ष 2030 तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, किसानों के लिए समृद्धि और हमारे उद्यमियों के लिए अवसरों का एक नया युग साबित होगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास पूजा के समय आग लगने से झुलसीं

उदयपुर,31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ गिरिजा व्यास सोमवार सुबह पूजा के दौरान साडी में आग लगने से गंभीर झुलस गई। उन्हें इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया गया है।

डॉ गिरिजा व्यास के भाई पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा गोपजी ने बताया कि गिरिजा जी सुबह करीब साढे दस बजे नवरात्रि की पूजा कर रही थी तब अचानक दीपक की लौ से उनकी साडी में आग में आग लग गई। सिल्क की साडी होने से अचानक आग भभक कर उपरी हिस्से तक पहुंच गई जिससे वे गंभीर झुलस गई। उन्हें तत्काल जीबीएच अमेरिकन अस्पताल पहुंचाया तथा प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें दोपहर करीब ढाई बजे परिजन अहमदाबाद ले गए हैं। गोपजी के अनुसार गिरिजा जी की हालत ठीक है और वे सभी से बात भी कर रही है।

भजनलाल ने विभिन्न धार्मिक संस्थानों के कार्यक्रमों का किया पोस्टर विमोचन

जयपुर,31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न धार्मिक संस्थानों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

शर्मा से महामण्डलेश्वर मनोहरदास जी महाराज ने मुलाकात की। इस दौरान 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सप्तदिवसीय हनुमत् जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री ने 10 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित होने वाली 'एक जुलूस एक हम, आओ करे महावीर वन्दन' शोभायात्रा तथा श्री बड़ के बालाजी के 88वें वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन भी किया।

पारंपरिक रुप में निकली गणगौर माता की सवारी, श्रद्धालुओं ने की पुष्प वर्षा

जयपुर,31 मार्च (एजेंसियां)। छोटी काशी में गणगौर का पर्व सोमवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्यटन विभाग की ओर से शाही लवाजमे के साथ गणगौर माता की सवारी निकाली गई। गणगौर माता की पारंपरिक शाही सवारी चार हाथी, 12 घोड़े, 6 सजे धजे ऊंट, दो विक्टोरिया बग्गी के लवाजमे के साथ जैसे ही त्रिपोलिया गेट से निकली तो सामने खड़े हजारों श्रद्धालुओं ने जयकारों से त्रिपोलिया बाजार को गूंजायमान कर दिया। जयकारों और पुष्प वर्षा से श्रद्धालुओं ने गणगौर माता का अभिवादन किया। त्रिपोलिया गेट से शुरू हुई गणगौर की सवारी के पूरे रास्ते में महिला, पुरुष और बच्चों में दर्शनों की होड़ मची रही। आगे-आगे राजस्थानी संस्कृति की कला बिखेरते कलाकार, झांझ-मजीरों की धुन और पीछे गणगौर माता की सवारी की अगवानी करता पचरंगा लिए हाथी सवार चला। शहर की चारदीवारी में जहां-जहां से गणगौर की सवारी गुजरी वहां श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। दो मंचों पर ढाई सौ लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। गणगौर के दर्शन करने और इस नजारे को कैमरे में कैद करने के लिए देशी-विदेशी पर्यटकों का हुजूम उमड़ पड़ा। इससे पहले सिटी पैलेस के जनाना ड्योढ़ी में जयपुर के पूर्व राज परिवार की ओर से विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान गणगौर की शाही सवारी को देखने के लिए भारी संख्या में जनसैलाब उमड़ पड़ा। गणगौर माता की सवारी के स्वागत के लिए बनाए गए तीन स्वागत मंचों पर पुष्प वर्षा और आरती कर स्वागत किया गया।

नायब सैनी ने पंचकूला स्थित मनसा देवी के दरबार में लगाई हाजिरी

पंचकूला,31 मार्च (एजेंसियां)। चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन हरियाणा के पंचकूला स्थित शक्तिपीठ माता मनसा देवी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी पहुंचे। अपनी धर्म पत्नी संग उन्होंने मनसा देवी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, नवरात्रि के पावन अवसर पर सेक्टर 28, पंचकूला में स्थापित नवरात्रि पंडाल में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। शक्ति, भक्ति और समर्पण का यह पर्व प्रदेश के सभी परिवारजनों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

दूसरे पोस्ट में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लिखा, आज संत कबीर कुटीर पहुंचने परिवारजनों ने माता की चुनरी भेंट की। इसके लिए परिवारजनों का आभार प्रकट कर, उन्हें नवरात्र के पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। उनके द्वारा बताए गए विभिन्न विषयों को सुना और

निवारण हेतु मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तीसरे पोस्ट में सीएम ने लिखा,हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2082 के पावन अवसर पर 'लैंड ऑफ गीता' धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र स्थित ब्रह्मसरोवर पर आयोजित महाआरती में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपस्थित परिवारजनों को नववर्ष और नवरात्र की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। मैं माता रानी से प्रदेश के अपने परिवारजनों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करता हूं।

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन माता के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा। यहां पर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की एंट्री के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे।

वहीं, दिल्ली के प्राचीन मंदिरों में से एक कालकाजी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। यहां पर सोमवार को भारी संख्या में श्रद्धालु कालकाजी में दर्शन करने के लिए पहुंचे। यहां पहुंचे कुछ श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ काफी ज्यादा है। नवरात्रि को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने व्यवस्था की है।

एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि नवरात्रि के दूसरे दिन मां कालका के दर्शन कर बहुत अच्छा लग रहा है। कालकाजी मंदिर के पीठाधीश्वर सुरेंद्रनाथ अवधूत ने बताया कि नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है, जिसको लेकर कालकाजी मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई है।

ईद की नमाज के बाद नूंह में हिंसा, दो गुटों में जमकर चले लाठी-डंडे, पुलिस फोर्स तैनात

गुरुग्राम,31 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह के एक गांव में सोमवार को ईद की नमाज के बाद एक ही समुदाय के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। इसमें पांच से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, सुबह नौ बजे हुई यह घटना तिरवाड़ा गांव में राशिद और साजिद नामक व्यक्तियों के गुटों के बीच पुरानी रंजिश का नतीजा थी। सूचना मिलने के बाद कई थानों की टीम गांव पहुंची और शांति बहाल की। अधिकारियों ने बताया कि शांति सुनिश्चित करने के लिए गांव में पुलिस की एक टीम तैनात की गई है।

हिंसा तब शुरू हुई जब ईदगाह से नमाज अदा करने के बाद घर लौट रहे एक समूह के सदस्यों का दूसरे पक्ष के कुछ लोगों से विवाद हो गया। इसके बाद दोनों समूहों के सदस्यों ने एक-दूसरे पर लाठियों से हमला किया। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद हिंसा रुकी और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि राशिद और साजिद समूहों के बीच पुराना विवाद है। इसमें दोनों पक्षों के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज किए जा चुके हैं। नूंह पुलिस के प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि पुरानी रंजिश में तिरवाड़ा गांव में राशिद और साजिद के गुटों के बीच झड़प हो गई। इसमें राशिद पक्ष से मीरू और हाफिज और साजिद पक्ष से खुर्शीद, आशमीन और नूर मोहम्मद घायल हो गए। इनका अस्पताल में इलाज हो रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि दोनों गुटों के कुछ अन्य लोगों को भी मामूली चोट आई है। हमारी पुलिस टीम मौके पर हैं और स्थिति नियंत्रण में है। मामले की जांच जारी है और जल्द प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

आज से टोल बढ़ोतरी: विश्वासघात आंकड़ों से सुरजेवाला ने केंद्र को घेरा, बोले

हरियाणा पर पड़ रहा बोझ

चंडीगढ़/नई दिल्ली,31 मार्च (एजेंसियां)। संसद के सत्र के बीच कांग्रेस ने रणदीप सुरजेवाला ने 1 अप्रैल से टोल टैक्स में होने जा रही बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। सुरजेवाला ने टोल बढ़ोतरी को इसे बीजेपी का विश्वासघात बताया है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया है कि देश में 85,000 करोड़ रुपये सालाना की टैक्स वसूली हो रही है। भाजपा की जबरन टोल वसूली का सबसे बड़ा सबूत ये है कि कांग्रेस शासन के मुकाबले 10 साल के भाजपाई शासन में टोल टैक्स में 500 बढ़ोत्तरी हुई है। सुरजेवाला ने कुछ आंकड़े भी जारी किए हैं। सुरजेवाला के अनुसार हरियाणा में 44 टोल प्लाज़ा से 1500 करोड़ की सालाना वसूली होती है। सुरजेवाला का दावा है कि केंद्र सरकार ने माना है कि जब देश में कांग्रेस की सरकार 2014-15 में गई, तो साल 2015-16 तक भी जनता से देश में सालाना टोल कलेक्शन मात्र 17,759 रुपये करोड़ था। साल 2024-25 में सालाना टोल कलेक्शन लगभग 85,000 करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच गया।सुरजेवाला ने कहा है कि साल में दो बार होने वाली टोल बढ़ोत्तरी की सबसे बड़ी कीमत हरियाणा की भोली-भाली जनता को अदा करनी पड़ती है क्योंकि हरियाणा का हर हिस्सा व जिला किसी न किसी राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा है, तथा एक शहर से दूसरे शहर तक जाने के लिए हर वाहन को टोल प्लाज़ा से गुजरना ही पड़ता है।

अमित शाह ने अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में किया महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का लोकार्पण

चंडीगढ़,31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जिला हिसार के अग्रोहा स्थित मेडिकल कॉलेज के परिसर में महाराजा अग्रसेन जी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण किया और कॉलेज में नव-निर्मित आईसीयू कक्ष का उद्घाटन तथा और पीजी हॉस्टल की आधारशिला भी रखी। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे।

महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में 20 फीट ऊंची और 800 किलोग्राम वजनी महाराजा अग्रसेन की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण किया गया है। प्रतिमा का निर्माण फाइबर ग्लास और माइल्ड स्टील से किया गया है, जिस पर करीब दो करोड़ रुपये की लागत आई है। प्रतिमा के नीचे 10 फीट ऊंचा प्लेटफार्म बनाया गया है, जिससे इसकी भव्यता और अधिक प्रभावशाली नजर आती है। महाराजा अग्रसेन की इस

प्रतिमा का अनावरण क्षेत्र में एक नई ऐतिहासिक पहचान स्थापित करेगा।

महाराजा अग्रसेन मेडिकल एजुकेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च सोसाइटी अग्रोहा की स्थापना 8 अप्रैल, 1988 को हुई थी। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष स्व. ओ.पी. जिन्दल का सपना इसे चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनाना था। आज यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है।

आज उद्घाटन किए गए नव-निर्मित आईसीयू आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित है। इससे गंभीर मरीजों को त्वरित एवं सटीक उपचार उपलब्ध होगा। इस आईसीयू ब्लॉक में 32 बेड हैं और इसके निर्माण पर 3.5 करोड़ की लागत आई है। इसके अलावा, पीजी हॉस्टल के शिलान्यास के साथ ही मेडिकल छात्रों को आवासीय सुविधा का विस्तार मिलेगा।

इस अवसर पर लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती राव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, सांसद नवीन जिंदल, विधायक सावित्री जिंदल, विधायक विनोद भयाना, रणधीर पनिहार और उपायुक्त अनीश यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

80 हजार गुंडों को जेल में भरा, 8000 से अधिक का एनकाउंटर

आठ साल में 222 अपराधी मारे गए

यूपी में अपराध में 85% तक की कमी

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के 8 वर्ष पूरे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी 2017 से लगातार अपनी पहली प्राथमिकता प्रदेश की कानून व्यवस्था को बताते आए हैं। इस दिशा में उन्हें सफलता भी मिली है। सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के साथ ही उत्तर प्रदेश में जघन्य अपराधों में 85% तक की कमी आई है। उनकी सरकार के दौरान पुलिस ने ताबड़तोड़ एनकाउंटर किए हैं।

भाजपा 2017 में हुए चुनावों में सपा के गुंडाराज को खत्म करने का वादा करके सत्ता में आई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री बनते ही योगी आदित्यनाथ ने अपना एजेंडा स्पष्ट कर दिया था। तब से लगातार उत्तर प्रदेश में चाहे माफियाओं की सम्पत्तियां जब्त करना हो, या फिर अपराधियों को जेल भेजना, इस पर लगातार काम चल रहा है।

उत्तर प्रदेश में चोरी, डकैती और अपहरण जैसे अपराधों पर योगी सरकार की सख्ती का सीधा असर पड़ा है। आंकड़े इसकी तस्दीक करते हैं। यूपी सरकार की एक रिपोर्ट कहती है कि अगर 2016 से तुलना की जाए तो उत्तर प्रदेश में ऐसे अपराधों में 85% तक की कमी हुई है। राज्य में 2016 के मुकाबले डकैती मामलों में 85% तक की कमी आई है। लूट के मामले भी 77% तक घट गए हैं। हत्या के मामले भी 41% घटे हैं। सरकार ने बताया है कि दहेज़ हत्याओं में भी राज्य में इसी तरह की कमी देखी गई है। कभी राह चलते लूट के लिए बदनाम पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिले अब सुरक्षित हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने बताया है कि इसके पीछे पुलिस की लगातार अपराधियों पर कार्रवाई और सीसीटीवी तथा बढ़ी हुई पुलिस गश्त जिम्मेदार हैं। पुलिस का इन्फ्रा मजबूत होना भी इसका एक कारण है। बीते कुछ वर्षों में पुलिस को हाईटेक गाड़ियां मिली हैं, उससे उसकी उपस्थिति बढ़ाने में भी मदद मिली है। उत्तर प्रदेश में बीते 8 वर्षों में अपराध पर शिकंजे के लिए योगी सरकार ने इन्फ्रा मजबूत करने से साथ ही पुलिस को भी छूट दी है। रिपोर्ट बताती है कि बीते 8 वर्षों में अलग-अलग एनकाउंटर में 222 अपराधी मार गिराए गए हैं। इन एनकाउंटर में अपराधी 8118 घायल हुए हैं। एनकाउंटर के डर के चलते कई बार अपराधियों के खुद ही थाने में पहुंचने की तस्वीरें सामने आती रही हैं।

इसके अलावा लगभग 80 हजार अपराधी जेल भी भेजे गए हैं, 900 से अधिक के विरुद्ध एनएसए की कार्रवाई हुई है। एनएसए की कार्रवाई का सामने करने वाले अधिकांश वह अपराधी हैं, जिन्होंने किसी मौके पर मजहबी तनाव फैलाने का प्रयास किया या फिर कोई जघन्य अपराध किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि वह माफिया को मिट्टी में मिला देंगे। 1990 के दशक के बाद उत्तर प्रदेश में अपराध संस्थागत हो गया था। हर क्षेत्र में एक ना एक माफिया ने अपना प्रभुत्व जमा लिया था। यह माफिया अपराध से आगे बढ़ कर आर्थिक साम्राज्य भी खड़ा कर चुके थे। इन माफियाओं के पास अपराध से अर्जित पैसे से बनाई हुई हजारों करोड़ की सम्पत्ति थी। योगी सरकार का हंटर इन माफियाओं के साथ ही इन संपत्तियों पर भी चला है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इन 8 वर्षों के दौरान माफियाओं की 4000 करोड़ से अधिक की सम्पत्ति जब्त कर ली है।

गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत राज्य में 14000 करोड़ की सम्पत्ति जब्त हुई है। 68 माफिया और उनके गैंग के 1400 से अधिक सदस्यों के विरुद्ध 700 से अधिक मुकदमे दर्ज हुए हैं। पुलिस ने इनके 350 से अधिक शस्त्र लाइसेंस भी कैंसल किए हैं। इसके चलते कभी मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद के नाम से काँपने वाले इलाकों में भी अब निवेश आ रहा है।

योगी सरकार ने कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए अपराधियों पर कार्रवाई के साथ ही इन्फ्रा मजबूत करने पर भी जोर दिया है। किसी भी पुलिस बल का सबसे बड़ी जरूरत पुलिसकर्मी होते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस लगातार पुलिसकर्मियों की कमी से जूझती आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2017 में उत्तर प्रदेश पुलिस में 2 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की कमी थी। पिछली सरकार की दो बड़ी भर्तियों और हाल ही में सम्पन्न हुई 60 हजार कांस्टेबल भर्ती बाद यह कमी वर्तमान में 50 हजार के आसपास आ गई है। इसे भी खत्म करने के लिए यूपी सरकार ने तय किया है कि वह 28 हजार भर्तियां अप्रैल में लाने जा रही है। इसके बाद जरूरत का लगभग 90% पुलिसबल मौजूद होगा। इससे पुलिस मजबूत होने के साथ ही उत्तर प्रदेश में युवाओं को रोजगार भी मिला है। योगी सरकार ने इस माध्य से 2.16 लाख युवाओं को पक्का रोजगार दिया है। प्रदेश में पुलिसकर्मियों की भर्ती के साथ ही 126 नए थाने बनाए गए हैं। इससे पुलिस की हर इलाके में सुलभता से मौजूदगी हो सकेगी। इसके अलावा 86 नई चौकियां बनाई गई हैं। यूपी-112 के लिए भी प्रदेश में नई स्कॉर्पियो गाड़ियां खरीदी गई हैं।

उत्तर प्रदेश में 582 जजों का तबादला

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर बड़े पैमाने पर जजों के तबादले हुए हैं। जिन जजों का ट्रांसफर हुआ है उनमें ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने वाले जज का नाम भी शामिल है। हाईकोर्ट ने निचली अदालतों के कुल 582 जजों का ट्रांसफर किया है। इनमें 236 अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, 207 सिविल जज सीनियर डिवीजन और 139 सिविल जज जूनियर डिवीजन शामिल हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की तरफ से ट्रांसफर पोस्टिंग का आदेश जारी किया गया। हाईकोर्ट के द्वारा जारी किए गए आदेश में जजों को तत्काल प्रभाव से अपनी नई पोस्टिंग के स्थान पर ज्वाइन करने के लिए निर्देशित किया गया है। इन 582 न्यायिक अधिकारियों में 236 अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश शामिल हैं। 207 सिविल जज और 139 जूनियर डिवीजन रैंक के सिविल जज हैं। वहीं सबसे अधिक तबादले वाले जिले में कानापुर शामिल है, जहां 13 जजों को उनकी पोस्टिंग से बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

इस ट्रांसफर पोस्टिंग में मुख्य रूप से जस्टिस रवि कुमार का जिक्र किया जा रहा है। उन्होंने ज्ञानवापी मामले में सर्वे का आदेश दिया था। अपने फैसलों में अक्सर धार्मिक ग्रंथों का जिक्र करने के लिए भी वे मशहूर हैं। जस्टिस रवि कुमार अक्सर अपने फैसलों में श्रीरामचरित मानस और श्रीमदभगवदगीता का उल्लेख करते हैं। इसी कारण से वो चर्चित रहे हैं।

इसके अलावा इस्लामी मौलाना तौकीर रजा खान के खिलाफ उन्होंने ही गैर जमानती वारंट जारी किया था। जज रवि कुमार दिवाकर का बरेली से चित्रकूट में ट्रांसफर किया गया है। रवि कुमार दिवाकर ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद से सर्वे का आदेश दिया था। 2022 में वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे हुआ था। इसके बाद यह मामला देशभर में चर्चा का विषय बना था।

रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी अधिसूचना में सभी न्यायिक अधिकारियों का तबादला करने से पूर्व इनके दिए गए प्रत्यावेदन पर विचार किया गया है। इन सभी न्यायिक अधिकारियों को अपने अपने जिले में ज्वॉइन करना है। बता दें कि हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला सुर्खियों में रहा था। दरअसल उनके घर पर आग लगने के बाद इस मामले ने तूल पकड़ा था। जिस वक्त ये आग लगी, उस वक्त वह घर पर नहीं थे। इस मामले की जांच की जा रही है।

भारत में नेपाल के राजदूत डॉ.शंकर प्रसाद शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों के बीच नेपाल की ताजा स्थितियों पर भी चर्चा हुई।

युद्ध स्तर पर तैयार हो रहा अवध और पूर्वांचल की सड़कों का नेटवर्क

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रमुख सड़क मार्गों को बेहतर बनाने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रदेश के पांच जिलों में छह प्रमुख सड़क मार्गों के पुनर्निर्माण, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य तेज कर दिया गया है। इ

सके लिए किसी भी प्रकार से संसाधनों की कमी आड़े नहीं आने पाएगी। इसके लिए फिलहाल 66 करोड़ रुपए से अधिक की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री की इस महत्व-पूर्ण योजना से प्रदेश के अवध और पूर्वांचल क्षेत्र की सड़कों का नेटवर्क पहले से बेहतर बनाया जा रहा है।

इस योजना से वाराणसी, बाराबंकी, संतकबीर नगर, बस्ती और आजमगढ़ के निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। सड़कों की बेहतर स्थिति से यातायात दुर्घटनाएं कम होंगी। साथ ही आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर-मोकामा पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर निर्माण कार्य तेज करने का निर्देश दिया गया है। जिससे बड़े पैमाने पर लोगों को यातायात में सुविधा होगी। वहीं, असैनी मार्ग पर चौड़ीकरण और डिवाइडर निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दूसरी ओर वाराणसी में दालमंडी मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हो जाने के बाद से यातायात सुगमता बढ़ेगी।

संतकबीर नगर में निघुरी राजेडीहा से परसा शुक्ला मार्ग का विस्तार हो जाने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, बस्ती में गौर बेलवरिया से माझा मानपुर मार्ग का पुनर्निर्माण होने के बाद से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी। प्रदेश सरकार आजमगढ़ में ग्रामीण मार्गों को भी बेहतर बनाने का काम कर रही है। इसके तहत खुरासो-मिजवां सम्पर्क मार्ग का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। जिससे जिले का साथ ही साथ आसपास के लोगों की भी यात्रा सुविधा में और बेहतर सुधार आएगा। इस योजना से प्रदेश के अवध और पूर्वांचल क्षेत्र की सड़कों का नेटवर्क पहले से मजबूत होगा। जिससे इस रूट पर यातायात करने वाले करोड़ों लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं पर शीघ्रता से काम किया जा रहा है। इसी के तहत यातायात और व्यापार में सुधार से क्षेत्र का विकास तेज होगा। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग को जल्द काम पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है।

औद्योगिक प्राधिकरणों का बनेगा डेटाबेस

भूमि आवंटन प्रक्रिया को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने और ट्रैक करने के लिए नोडल एजेंसी के तौर पर कार्य करते हुए इन्वेस्ट यूपी अब प्रदेश के सभी प्रमुख औद्योगिक प्राधिकरणों के विस्तृत डाटाबेस बनाने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने जा रही है। इससे भूमि आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शिता पूर्वक पूरा करने के साथ ही विभिन्न प्राधिकरणों में रिक्त प्लॉट्स तथा आवंटित भूमि पर उद्योग स्थापना तथा क्रियान्वयन की मौजूदा स्थिति को जानने में मदद मिलेगी।

प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक प्राधिकरणों का विस्तृत डाटाबेस तैयार करने की प्रक्रिया जल्द ही इन्वेस्ट यूपी की देखरेख में शुरू होने वाली है। जिन प्राधिकरणों में इस प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा उनमें उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा), यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा), ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा), गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) तथा सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) प्रमुख हैं। इन सभी औद्योगिक प्राधिकरणों में चिह्नित लैंड बैंक पर नजर रखते हुए पहले से आवंटित प्लॉट्स के आक्यूपेंसी स्टेटस, इन प्लॉट्स पर लगाए जाने वाले औद्योगिक इकाइयों की प्रगति व वर्तमान स्थिति तथा रिक्त प्लॉट्स के प्रकार व उनसे जुड़ी अन्य जानकारियों के संचयन व संकलन के लिए दक्ष सर्वे एजेंसियों की नियुक्ति के माध्यम से कार्यों को पूरा किया जाएगा।

प्रदेश के औद्योगिक प्राधिकरणों में भूमि आवंटन प्रक्रिया निर्बाध रूप से पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़े, इस उद्देश्य से इन्वेस्ट यूपी की निगरानी में डाटाबेस निर्माण के कार्य को पूरा किया जाने की योजना है। इसके लिए इन-वेस्ट यूपी दक्ष सर्वे एजेंसियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को जल्द पूरा करेगी जो प्राधिकरणों के ऑफसाइट व ऑनसाइट लैंड पूल की निगरानी, उनसे जुड़े विभिन्न तथ्यों के संकलन तथा मासिक रिपोर्ट के माध्यम से विभिन्न प्राधिकरणों में औद्योगिक भूखंडों पर इकाई संचालन, निर्माण व विकास कार्यों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराएगी। ये एजेंसियां इस बात को देखेंगी कि किसी भी औद्योगिक भूखंड का इस्तेमाल तयशुदा मदों के अतिरिक्त किसी अन्य कार्य में न हो। ऐसा होने की सूरत में यह अपनी रिपोर्ट के माध्यम से इन्वेस्ट यूपी को जानकारी उपलब्ध कराएंगी और आगे इन्वेस्ट यूपी द्वारा इस मद में कार्रवाई सुनिश्चित करने की प्रक्रिया को बल मिलेगा। साथ ही, इससे प्राधिकरणों के बीच कार्य कुशलता को लेकर तु-लनात्मक अध्ययन करने में भी मदद मिलेगी जिससे रिक्त औद्योगिक भूखंडों के आवंटन प्रक्रिया को भी पूरी पारदर्शिता व तेजी के साथ पूरा करने में बल मिलेगा।

लखनऊ में जल्द ही चलेंगे 16 गोल्फ कार्ट्स

गोमती रिवरफ्रंटपर 6 और जनेश्वर मिश्र पार्क में 10 गोल्फ कार्ट्स चलेंगे

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में नागरिकों को उत्तम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार जल्द ही राजधानी लखनऊ में गोमती रिवरफ्रंट तथा जनेश्वर मिश्र पार्क में कुल 16 गोल्फ कार्ट्स का संचालन शुरू कराने जा रही है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने गोमती रिवर फ्रंट पर दो तथा जनेश्वर मिश्र पार्क में चार स्थानों पर 10 गोल्फ कार्ट्स के संचालन की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इससे यहां आने वाले आगंतुकों के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त निर्बाध परिवहन सेवाओं का संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। इन चिह्नित स्थानों पर गोल्फ कार्ट के संचालन, स्टेशन प्रबंधन, रखरखाव समेत अन्य संबंधित प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करने पर एलडीए का फोकस है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, गोमती रिवर फ्रंट पर दो तथा जनेश्वर मिश्र पार्क में चार स्थानों पर 10 गोल्फ कार्ट्स के संचालन की प्रक्रिया को जल्द शुरू किया जाएगा। गोमती रिवरफ्रंट पर दाहिनी व बाईं तरफ 3-3 गोल्फ कार्ट्स का संचालन किया जाएगा जबकि जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर 1 व 2 पर 5 गोल्फ कार्ट्स तथा गेट नंबर 6 व 7 पर 5 गोल्फ कार्ट्स का संचालन नियमित तौर पर किए जाने की योजना है।

गोल्फ कार्ट्स के लिए स्टेशन, इनके रखरखाव, संचालन व अन्य संबंधित प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए एलडीए ने प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसे जल्द ही पूरा किए जाने पर फोकस है। इन गोल्फ कार्ट्स के संचालन से यहां आने वाले आगंतुकों को उत्तम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्हें उच्च गुणवत्ता के साथ ही निर्बाध परिवहन सेवाओं का लाभ चिह्नित क्षेत्रों में मिलेगा। फिलहाल, प्रक्रिया के अंतर्गत 16 गोल्फ कार्ट्स के संचालन की योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है जिसे आगे आगंतुकों की संख्या में वृद्धि होने पर बढ़ाया भी जा सकता है।

अनधिकृत ई-रिक्शा और ऑटो के खिलाफ अभियान आज से

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों हुई बैठक में अफसरों को संदेश दिया था कि सुरक्षा और कानून व्यवस्था सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगी। कई घटनाओं में अनधिकृत ई-रिक्शा व ऑटो की संलिप्तता पाई गई है। अभियान चलाकर इस पर हर हाल में अंकुश लगाया जाए। इस आदेश के बाद परिवहन आयुक्त ने समस्त पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान को पत्र लिखा था। यह अभियान पूरे प्रदेश में मंगलवार से शुरू होगा।

सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंतित मुख्यमंत्री ने कहा था कि किसी भी गाड़ी की स्टेयरिंग नाबालिगों के हाथों में न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाय। टेंपो, ई-रिक्शा चालकों का वेरीफिकेशन कराया जाए। जनपदों में गठित टास्क फोर्स में परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। इन सभी निर्देशों के पालन और उचित क्रियान्वयन के लिए यह विशेष अभियान मंगलवार से प्रारंभ किया जा रहा है।

परिवहन विभाग द्वारा अभियान की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। मुख्यालय में अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन संजय सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वे प्रतिदिन मुख्यालय से जनपदों की मॉनिटरिंग करेंगे। इस अभियान में मुख्यालय के साथ जनपद स्तर के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की गई है।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा, प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए अनधिकृत रिक्शा और ऑटो के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश के तहत पहली अप्रैल से 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलेगा। मुख्यालय स्तर से इसकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जनपदों में भी संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) को अभियान की सफलता को लेकर निर्देश दिया गया है। हर शुक्रवार को शासन को इसकी रिपोर्ट भी प्रेषित की जाएगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से बाहर हुए उस्मान खान

हैमिल्टन, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज उस्मान खान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण दूसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में पदार्पण करने वाले 29 वर्षीय उस्मान खान को नेपियर में खेले गए पहले वनडे के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी।

आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट में जानकारी दी गई कि मैच के बाद स्कैन रिपोर्ट में उनके हैमस्ट्रिंग में लो-ग्रेड टियर की पुष्टि हुई, जिसके चलते वह तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। उस्मान खान को शुरुआत में पाकिस्तान की वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन टी20 सीरीज के समापन के बाद उन्हें टीम में शामिल किया गया। उन्होंने अपने पहले वनडे में 33 गेंदों पर 39 रन बनाए।

पहले वनडे में पाकिस्तान को 73 रनों से हार

पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रनों की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 344/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया। मार्क चैपमैन (100 रन) ने शानदार शतक जड़ा, जबकि डेरिल मिचेल (76 रन, 84 गेंद) और मुहम्मद अब्बास (52 रन, 26 गेंद) ने भी अहम पारियां खेलीं।पाकिस्तान की ओर से इरफान खान ने 5 ओवरों में 51 रन देकर 3 विकेट झटके। हारिस रऊफ (2/38), अकीफ जावेद (2/55), नसीम शाह (1/60) और मोहम्मद अली (1/53) ने भी विकेट चटकाए।

पाकिस्तान की पारी: बाबर आजम का अर्धशतक, लेकिन जीत नहीं दिला सके

345 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत अच्छी रही। अब्दुल्ला शफीक (36 रन, 49 गेंद) और उस्मान खान (39 रन, 33 गेंद) की सलामी जोड़ी ने 83 रनों की मजबूत साझेदारी की। हालांकि, 13वें ओवर में उस्मान खान के आउट होने के बाद पाकिस्तान दबाव में आ गया। बाबर आजम (78 रन, 83 गेंद) और सलमान आगा (58 रन, 48 गेंद) ने महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, लेकिन टीम 44.1 ओवरों में 271 रन पर ऑलआउट हो गई और 73 रन से मैच हार गई।

न्यूजीलैंड की ओर से नाथन स्मिथ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 8.1 ओवरों में 60 रन देकर 4 विकेट झटके। जैकब डफी (2/57), विलियम ओ'रूर्के (1/38), माइकल ब्रेसवेल (1/60) और मुहम्मद अब्बास (1/43) ने भी अच्छी गेंदबाजी की। तीन मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे बुधवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

घुटने की चोट से उबरने के बाद फिर से ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगी सैम केर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई महिला फुटबॉलर सैम केर को घुटने की चोट से उबरने के बाद फिर से राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने की मंजूरी मिल गई है। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया (एफए) ने सोमवार को पुष्टि की कि केर के खिलाफ कोई और अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। दरअसल, फरवरी में केर को दो साल पहले लंदन में एक नशे की घटना के दौरान ब्रिटिश पुलिस अधिकारी के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करने के आरोप से बरी कर दिया गया था। उन पर एक टैक्सी ड्राइवर के साथ विवाद के बाद पुलिस अधिकारी को मूर्ख और गोरा कहने का आरोप था। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें इस आरोप से मुक्त कर दिया। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया (एफए) ने 31 वर्षीय केर से मुलाकात के बाद कहा कि उनकी पेशेवरता और अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करने की ईमानदारी को देखते हुए कोई अतिरिक्त कार्रवाई की जरूरत नहीं है। एफए ने सोमवार को एक बयान में कहा, इन घटनाओं की पूरी समीक्षा के बाद, फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने निष्कर्ष निकाला कि केर ने अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से स्वीकार किया और ऑन-फील्ड और ऑफ-फील्ड गतिविधियों के प्रभाव को समझा इसलिए, उनके खिलाफ कोई और कार्रवाई नहीं की जाएगी। सैम केर ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि यह उनका सबसे अच्छा पल नहीं था और उन्होंने इस घटना पर गहरा खेद जताया। उन्होंने कहा, मैं इस घटना के कारण हुई परिस्थितियों के लिए अफसोस व्यक्त करना चाहती हूं। यह मेरे, मेरे परिवार, मेरे क्लब, मेरे साथियों और खासतौर पर उन प्रशंसकों के लिए एक बेहद कठिन समय था, जिनका समर्थन हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा, मैं समझती हूं कि नेतृत्व का मतलब केवल मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाना होता है। मैं इस अनुभव से सीखने और आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। सैम केर ने पिछले 15 महीनों में कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है, क्योंकि उन्हें जनवरी 2023 में एसीएल चोट लगी थी।

भारतीय फुटबॉल को सुधारने के लिए इगोर स्टिमक ने बताए दो बड़े समाधान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल के विकास के

लिए दो प्रमुख समाधानों का खुलासा किया, जिन पर उनके कार्यकाल से पहले भी चर्चा की गई थी। स्टिमक ने यह बातें रेवस्पोर्ट्ज से बातचीत के दौरान साझा कीं। स्टिमक ने 2019 में इंग्लैंड के स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन की जगह भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला था। हालांकि, 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें पिछले साल जून में बर्खास्त कर दिया गया। लगभग एक साल बाद स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल के विकास के लिए सुझाए गए दो अहम प्रस्तावों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि पहला समाधान भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का था, जबकि दूसरा राष्ट्रीय टीम को अधिक समय देने से जुड़ा था। स्टिमक ने कहा, मैं पहला व्यक्ति नहीं था जिसने भारतीय फुटबॉल को सुधारने के लिए भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने का सुझाव दिया। यह विचार मुझसे पहले भी, बॉब ह्यूटन के कोचिंग कार्यकाल के दौरान चर्चा में था। हमने दो समाधान सुझाए थे। पहला विदेशी मूल के भारतीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में शामिल करना और खेल प्राधिकरणों को यह समझाना कि यदि हम एक सफल राष्ट्रीय टीम चाहते हैं, तो कानून में बदलाव करना जरूरी होगा।

आईपीएल 2025: पर्पल कैप और ऑरेंज कैप तालिका में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में रविवार को हुए दोहरे मुकाबलों के बाद पर्पल

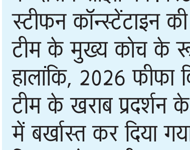

कैप और ऑरेंज कैप तालिका में बड़े बदलाव देखने को मिले। पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को शिकस्त दी। इसके बाद पर्पल कैप की दौड़ में नया नंबर 2 और 3 खिलाड़ी सामने आया। पर्पल कैप तालिका 1. नूर अहमद (सीएसके) - 9 विकेट (11 मैच) चेन्नई सुपर किंग्स के फिरकी गेंदबाज नूर अहमद ने 9 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में अपनी शीर्ष स्थिति बनाए रखी है। राजस्थान के खिलाफ चेन्नई की हार के बावजूद उन्होंने 2 विकेट (28 रन देकर) झटके और संजू सैमसन व ध्रुव जुरेल को आउट किया। बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने फिल सॉल्ट (32 रन) और विराट कोहली (31 रन) को पवेलियन भेजा, साथ ही लियाम लिविंगस्टोन का भी विकेट लिया।

मुंबई ने कोलकाता को 8 विकेट से हराया, अश्विनी कुमार को 4 विकेट, रायन रिकेलटन की फिफ्टी

मुंबई,31 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के पहले 11 मैचों में 9 टीमों का खाता खुल गया था। सिर्फ मुंबई इंडियंस को जीत नहीं मिली थी। अब हार्दिक पंड्या की टीम को भी सीजन की पहली जीत मिल गई है। सीएसके और गुजरात से हारने के बाद मुंबई ने केकेआर पर 8 विकेट की आसान जीत हासिल कर ली। वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस ने 17वें ओवर में केकेआर की पारी को 116 रनों पर समेट दिया। 13वें ओवर में मुंबई ने दो विकेट खोकर मैच को अपने नाम कर लिया। सूर्यकुमार यादव ने छक्के से मैच फिनिश किया।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने आईपीएल में डेब्यू के साथ 24 रन देकर चार विकेट लिए। 23 साल के अश्वनी ने अजिंक्य रहाणे (11), रिंकू सिंह (17), मनीष पांडे (17) और आंद्रे रसेल (5) जैसे केकेआर के धुरंधर बल्लेबाजों को आउट किया। दीपक चाहर ने 19 रन देकर दो विकेट लिये जबकि ट्रेंट बोल्ट को एक विकेट मिला।

अश्वनी आईपीएल में पहले ही मैच में चार विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन गए।केकेआर की शुरुआत बहुत खराब रही। वानखेड़े स्टेडियम की उछाल और स्विंग लेती पिच पर मुंबई के नयी गेंद के गेंदबाजों ने केकेआर के बल्लेबाजों की गलतियों का पूरा फायदा उठाया। ट्रेंट बोल्ट ने नारायण को पहले ही ओवर में फुल लेंग्थ गेंद पर आउट किया। अगले ओवर में चाहर ने डिकॉक को मिड आफ पर अश्वनी के हाथों लपकवाया। रहाणे ने एक छक्का और एक चौका लगाकर दबाव कम करने की कोशिश की लेकिन अश्वनी ने उन्हें पहली ही गेंद पर पवेलियन भेज दिया। पंजाब के इस तेज गेंदबाज ने केकेआर कप्तान को आगे बढकर खेलने के लिये ललचाया और उन्होंने हवा में शॉट खेलकर डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच दे दिया।अंगकृष रघुवंशी (26) ने विकेट के दोनों ओर चौके लगाये और अश्वनी को एक छक्का भी जड़ा। रघुवंशी भी गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर पवेलियन लौटे। हार्दिक पंड्या की गेंद पर नमन धीर ने डीप स्क्वेयर लेग पर उनका कैच लपका। इंपैक्ट सब के तौर पर आये पांडे को 11वें ओवर में अश्वनी ने आउट किया। वहीं दो गेंद बाद रिंकू को उन्होंने धीर के हाथों लपकवाकर केकेआर के मजबूत स्कोर तक पहुंचने के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

संजू सैमसन को विकेटकीपिंग की मंजूरी मिलने की उम्मीद जल्द संभाल सकते हैं कप्तानी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान रॉयल्स के नियमित कप्तान संजू सैमसन विकेटकीपिंग के लिए पूर्ण मंजूरी लेने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे हैं। वह सोमवार को गुवाहाटी से बेंगलुरु पहुंचे, जहां वह बीसीसीआई के स्पोर्ट साइंस विंग में परीक्षण कराएंगे और शेष आईपीएल मैचों में विकेटकीपिंग की मंजूरी का अनुरोध करेंगे।

संजू सैमसन को दाएं हाथ की तर्जनी उंगली की सर्जरी के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की आंशिक और अस्थायी मंजूरी दी गई थी। इसी कारण, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को सौंप दी थी और टीम के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेले थे। सूत्रों के मुताबिक, उनकी उंगली की चोट अब पूरी तरह ठीक हो चुकी है और वह विकेटकीपिंग करने के लिए खुद को फिट महसूस कर रहे हैं।

अगर सैमसन को बीसीसीआई से मंजूरी मिल जाती है, तो वह टीम के अगले मुकाबले में कप्तानी की जिम्मेदारी भी वापस संभाल सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स का अगला मैच 5 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ होगा, जबकि 9 अप्रैल को टीम गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी।

इस सीजन में संजू सैमसन ने बतौर बल्लेबाज तीन मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 66 रन (सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ), 13 रन (कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ) और 20 रन (चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ) बनाए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाई।

राजस्थान रॉयल्स ने इस आईपीएल सीजन की शुरुआत दो लगातार हार के साथ की थी, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स को गुवाहाटी में हराकर उन्होंने जीत का खाता खोला।

बार्सिलोना ने गिरोना को 4-1 से हराया

रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जिससे बार्सिलोना ने गिरोना को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ला लीगा की तालिका में रियल मैड्रिड को हटाकर शीर्ष पर पहुंच गया और तीन अंकों की बढ़त बना ली। रविवार को हुए इस मुकाबले में रियल मैड्रिड ने लेगानेस को हराकर बार्सिलोना की बराबरी कर ली थी, लेकिन हैंसी फ्लिक की टीम ने ओलंपिक स्टेडियम में फिर से बढ़त हासिल कर ली। लेवांडोव्स्की ने मैड्रिड के स्टार किलियन एम्बाप्पे के दो गोलों का जवाब अपने दो गोल से दिया और स्पेनिश गोल्डन बूट की दौड़ में तीन गोल की बढ़त बनाए रखी। बार्सिलोना, जो इस साल 20 मैचों से अजेय है, ने पहला गोल पहले हाफ के अंत में लाडिस्लाव क्रेज़ी के आत्मघाती गोल से किया। गिरोना ने अर्नात डांजुमा के जरिए बराबरी की, लेकिन उसके बाद लेवांडोव्स्की के दो गोल और फेरान टोरेस के एक गोल ने टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

राजगीर करेगा हीरो एशिया कप की मेजबानी, हॉकी इंडिया और बिहार के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर अगले हीरो एशिया कप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बारे में सोमवार को हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह आयोजन भारत के खेल बुनियादी ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और बिहार को एक उभरते हुए वैश्विक खेल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

यह राजगीर में आयोजित होने वाला दूसरा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। इससे पहले नवंबर 2024में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें भारत ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया था। हीरो एशिया कप का यह 12वां संस्करण होगा, जिसमें भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। शेष दो टीमें एएचएफ कप क्वालीफायर के माध्यम से टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। इतिहास की बात करें तो दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है, जिसने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में कुल 5 बार खिताब जीता है। भारत ने 2003, 2007 और 2017 में 3 बार यह टूर्नामेंट जीता है, जबकि पाकिस्तान ने 1982, 1985 और 1989 में 3 बार खिताब अपने नाम किया है।

हीरो एशिया कप इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। यह विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स में आयोजित होगा। एशिया कप का विजेता सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और भी बढ़ जाएगा। बिहार खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंद्र ने कहा, यह समझौता बिहार को एक प्रमुख खेल केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है, और हम इसके सफल आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। नया राजगीर हॉकी स्टेडियम बिहार में बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे का प्रतीक है। हमें खुशी है कि हम एशिया की शीर्ष टीमों की मेजबानी करेंगे, और यह आयोजन बिहार के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा। मैं हॉकी इंडिया और एशियाई हॉकी महासंघ (।।स्न) को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं और एक विश्वस्तरीय टूर्नामेंट आयोजित करने को लेकर उत्साहित हूं। एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष डाटो फुमियो ओगुरा ने कहा, हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 एशियाई हॉकी के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण होगा।

विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे 10 युवा भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत की दस सदस्यीय मुक्केबाजी टीम वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025 में भाग लेने के लिए तैयार है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज रात से ब्राजील के फोज दो इगुआसू में शुरू हो रहा है।

इस वर्ष के पहले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में 19 विभिन्न देशों के 130 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें कई ओलंपियन भी शामिल हैं, हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता रफेन पैलेस होटल और कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की जाएगी। प्रतिभागी देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीनी ताइपे, फ्रांस, इंग्लैंड, जर्मनी, ग्वाटेमाला, भारत, इटली, कजाकिस्तान, नॉर्वे, पनामा, पोलैंड, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, उज्बेकिस्तान और वेल्स शामिल हैं।

इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला दोनों वर्गों के मुकाबले होंगे, लेकिन भारतीय टीम केवल पुरुषों की 10 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेगी।

भारत की ओर से 85 किग्रा में जुगनू को छोड़कर बाकी सभी मुक्केबाजों ने इस साल जनवरी में बरेली में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने-अपने भार वर्ग में जीत दर्ज कर टीम में जगह बनाई है। जुगनू फाइनल में सुमित से हार गए थे, लेकिन राष्ट्रीय चैंपियन की अनुपलब्धता के कारण उन्हें टीम में शामिल किया गया। भारत की टीम में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र सबसे अनुभवी और चर्चित मुक्केबाज हैं।

हालांकि, इस प्रतियोगिता में भारत की महिला टीम हिस्सा नहीं लेगी, क्योंकि महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप कई बार स्थगित होने के बाद पिछले सप्ताह ग्रेटर नोएडा में आयोजित की गई थी,

BOXING FEDERATION OF INDIA

जिसके चलते महिला टीम को इस टूर्नामेंट में भेजना संभव नहीं हो सका। भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी धर्मेंद्र सिंह यादव को सौंपी गई है।

ब्राजील में होने वाला यह टूर्नामेंट इस साल के तीन वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में से पहला है। इसके बाद कजाकिस्तान (जून-जुलाई) और भारत (नवंबर) में दो अन्य विश्व कप आयोजित किए जाएंगे। हर टूर्नामेंट में रैंकिंग पॉइंट्स दिए जाएंगे और शीर्ष रैंकिंग वाले मुक्केबाज वर्ष के अंत में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करेंगे।

भारत की टीम - वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025

- 50 किग्रा: जदुमणि सिंह मंदेंगबम
- 55 किग्रा: मनीष राठौर
- 60 किग्रा: सचिन
- 65 किग्रा: अभिनाश जम्वाल
- 70 किग्रा: हितेश
- 75 किग्रा: निखिल दुबे
- 80 किग्रा: लक्ष्य चाहर
- 85 किग्रा: जुगनू
- 90 किग्रा: विशाल
- 90+ किग्रा: नरेंद्र

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025 - भारतीय मुक्केबाजों का शेड्यूल

- 31 मार्च से 3 अप्रैल: प्रारंभिक दौर से क्वार्टर फाइनल - रात 10:30 बजे (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) से
- 4 अप्रैल: सेमीफाइनल - रात 11:30 बजे (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) से
- 5 अप्रैल: फाइनल - रात 10:30 बजे (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) से

भारत की इस युवा टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है और यह टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय मुक्केबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन अवसर देगा।

वोडा आइडिया को राहत, सरकार इक्विटी में बदल देगी बकाया 37 हजार करोड़

नई दिल्ली, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्थिक संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) को सरकार से बड़ी राहत मिली है। वीआई ने बताया कि सरकार उसकी बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारी को इक्विटी शेयरों में बदल देगी, जिसकी कुल कीमत 36,950 करोड़ रुपए है।

कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 फीसदी से बढ़कर लगभग 49 फीसदी हो जाएगी

इससे कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 फीसदी से बढ़कर लगभग 49 फीसदी हो जाएगी। वीआई ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया, दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित टेलीकॉम सेक्टर के रिफॉर्म्स और सहायता पैकेज के तहत यह फैसला लिया है कि बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों जिसमें स्थगन अवधि खत्म होने के बाद चुकाई जाने वाली स्थगित देनदारियां भी शामिल हैं को इक्विटी शेयरों में बदला जाएगा, जो भारत सरकार को जारी किए जाएंगे। वीआई ने बताया कि उसे 10 फेस वैल्यू वाले 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर 10 रुपए की कीमत पर जारी करने का निर्देश मिला है। ये शेयर जरूरी मंजूरी मिलने के 30 दिनों के अंदर सरकार को दिए जाएंगे। इसमें सेबी और दूसरी रेगुलेटरी अथॉरिटी की मंजूरी शामिल है। इसके बाद प्रमोटर समूह आदित्य बिड़ला ग्रुप और वोडाफोन पीएलसी—कंपनी पर अपना परिचालन नियंत्रण बनाए रख सकेंगे। सितंबर 2021 में कैबिनेट द्वारा मंजूर टेलीकॉम रिफॉर्म्स पैकेज के तहत सरकार ने आर्थिक रूप से संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनियों को सरकारी बकाया कर्ज के एक हिस्से को इक्विटी में बदलने की अनुमति दी थी।

न्यूज ब्रीफ

बंगलादेश को होने वाले निर्यात में गिरावट, आयात स्थिर

अगरतला। बंगलादेश में पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से त्रिपुरा से इस देश को होने वाला निर्यात काफी घट गया है वहीं आयात की मात्रा लगभग स्थिर बनी हुई है। त्रिपुरा की उद्योग और वाणिज्य मंत्री संतना चकमा ने सोमवार को को बताया कि चालू वित्त वर्ष (फरवरी तक) में त्रिपुरा ने बंगलादेश से 625.14 करोड़ रुपये का सामान आयात किया, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 703.67 करोड़ रुपये और 2022-23 में 636.72 करोड़ रुपये था। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के फरवरी तक त्रिपुरा से बंगलादेश को केवल 50.07 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया, वहीं 2022-23 में यह 121.37 करोड़ रुपये और 2023-24 में सिर्फ 12.31 करोड़ रुपये था।

सीएम डॉ. यादव ने विक्रम व्यापार मेले की अवधि बढ़ाई, नवरात्र ऑफर फॉर कार और बाइक की भी घोषणा की गई

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रम व्यापार मेले की अवधि आगामी 9 अप्रैल

तक बढ़ाने का ऐलान किया है। इस निर्णय के साथ ही परिवहन सचिव मनीष सिंह ने भी आदेश जारी किए हैं। इस नए अधिनियम के तहत, मध्यप्रदेश सरकार ने गैर-परिवहन यानों के लिए जारी मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट देने का फैसला किया है। यह सुविधा 2024-25 में उज्जैन विक्रम व्यापार मेला के दौरान उपयोग के लिए उपलब्ध होगी। प्रदेश के परिवहन विभाग के अधिसूचना के अनुसार, यह मेला 30 मार्च 2025 तक चलेगा और उस समय सीमा तक की छूट की शर्तों का पालन करना होगा। इसके साथ ही नवरात्र ऑफर फॉर कार और बाइक की भी घोषणा की गई है जो कि इस मेले के दौरान प्राप्त की जा सकेगी।

जुर्माना लगने पर इंडिगो ने कहा- कानूनी रुप से देंगे चुनौती

मुंबई। इंडिगो एयरलाइन ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से लगाई गई 944.20 करोड़ रुपये की पेनल्टी का मुकाबला करने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने कहा है कि यह आदेश उनके वित्तीय, परिचालन या व्यवसायिक गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा। इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को हाल ही में पेनल्टी का नोटिस मिला था, जो आसेसमेंट ईयर 2021-22 के लिए था। एक मासिक रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है जिसमें बाजार का 63.7 प्रतिशत हिस्सादारी है। इंडिगो के बाद, एयर इंडिया समूह का स्थान रहा, जिसमें टाटा ग्रुप की एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी शामिल है। टाटा ग्रुप की एयरलाइन में फरवरी में 38.30 लाख यात्रीयों ने उड़ान भरी, जिससे एयरलाइन का बाजार शेयर 27.3 प्रतिशत हो गया है। इस दौरान इंडिगो ने विप्रतित वित्तीय संदर्भों के बीच 18.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, साथ ही ऑपरेशनल लागत में बढ़ोतरी का असर भी दिखाई दी है। यह पेनल्टी वक्त पर लगाई गई है, जबकि इंडिगो पहले से ही वित्तीय चुनौतियों से जूझ रही है।

दुनिया का पहला सीएनजी से चलने वाला स्कूटर पेश

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर्स ने भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 में दुनिया का पहला सीएनजी से चलने वाला स्कूटर पेश किया। यह स्कूटर पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। टीवीएस जुपिटर 125 सीएनजी नामक इस स्कूटर को खासतौर पर ज्यादा माइलेज और किफायती सफर के लिए डिजाइन किया गया है। यह स्कूटर 1.4 किलोग्राम क्षमता वाले सीएनजी टैंक के साथ आता है, जो इसकी अंडरसीट बूट स्पेस में सुरक्षित रूप से फिट किया गया है। इसे प्लास्टिक पैनल से ढककर सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। डिजाइन की बात करें तो यह पारंपरिक जुपिटर 125 जैसा ही दिखता है, लेकिन इसके पावरट्रेन और मैकेनिज्म में बड़े बदलाव किए गए हैं। स्कूटर में सीएनजी की रीफिलिंग के लिए फिलर नोजल और प्रेशर गेज दिया गया है, जिससे इसे आसानी से भरा जा सकता है। इसके अलावा, इस स्कूटर में 2 लीटर क्षमता वाला एक पेट्रोल टैंक भी मौजूद है, जिसे फर्श बोर्ड पर फिट किया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 22,919 करोड़ की प्रोत्साहन योजना में कंपनियों की दिलचस्पी

दिग्गज कंपनियां प्रोत्साहन योजना में शामिल होने को बेताब

नई दिल्ली, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रिम पूंजी और उत्पादन मूल्य की सब्सिडी के साथ, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले हफ्ते गहन मंजूरी दी है इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी एक उद्यमिता मानदंडित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए 22,919 करोड़ रुपये की बड़ी राशि।

इस योजना में देशी और वैश्विक कंपनियों ने शिकस्त पकड़ी है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज, अंबर एंटरप्राइजेज, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, जापानी कंपनी टीडीके कॉर्पोरेशन, ताइवान की होन हाई टेक्नोलॉजी समूह, ऑस्ट्रियाई एटीऐंडएस और जापानी मुराता मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए बेताब हैं। इस प्रोत्साहन योजना में लगभग 50 करोड़ से 1,000 करोड़ रुपये तक के निवेश का अनुमान है जिसमें प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और कैपेसिटर जैसे पैसिव पुर्जे विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह योजना एक व्यापक उत्पादन को बढ़ावा देने की उम्मीद के साथ आएगी। डिक्सन के वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि कंपनी डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल और मैकेनिकल घटकों पर केंद्रित होगी, जिसमें 800 करोड़ रुपये का निवेश की योजना है।

दिल्ली की अंबर एंटरप्राइजेज ने पीसीबी विनिर्माण के लिए आवेदन करने की योजना बताई है और कोरियान सर्किट कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की तैयारी की है। इस क्षेत्र में उत्कृष्ट मौके की बात करते हुए अंबर इंटरप्राइजेज के चेयरमैन ने 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बताई है और कहा कि यह योजना देश में पीसीबी के उत्पादन को बढ़ावा देने का माध्यम साबित हो सकती है।

इन सभी विकसित और उद्यमशील कंपनियों के साथ भारत सरकार का प्रयास है कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बना सकें और देश को विश्वस्तरीय उत्पादन क्षमता में बढ़ावा प्रदान कर सकें। यह प्रोत्साहन योजना एक नया संकेत है कि भारत अपने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में मील का पत्थर बनने के लिए कदम उठा रहा है।

वित्त वर्ष 26 से पहले इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो की करें रीबैलेंसिंग

नई दिल्ली। वित्त वर्ष के अंत में अपने निवेश पोर्टफोलियो की रिव्यू और रीबैलेंसिंग करना एक सही समय होता है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि आपका पोर्टफोलियो आपके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता के अनुरूप बना रहे। इस साल इक्विटी फंड्स ने सीमित रिटर्न दिए। लार्ज और स्मॉल कैप फंड्स में सिंगल-डिजिट की बढ़त देखने को मिली, जबकि मिड-कैप फंड्स ने औसतन करीब 11 फीसदी का रिटर्न दिया। प्लान अहेड वेल्थ एडवाइजर्स के चीफ फाइनेंशियल प्लानर विशाल धवन कहते हैं, मिड और स्मॉल कैप फंड्स में ज्यादा जोखिम लेने के बावजूद निवेशकों को इस साल अपेक्षाकृत ज्यादा रिटर्न नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल इक्विटी ने भारतीय इक्विटी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि सेक्टर-आधारित फंड्स में फार्मा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और बैंकिंग सेक्टर्स ने मजबूती दिखाई, जबकि आईटी और कंजम्प्शन-आधारित फंड्स पिछड़ गए। डेट फंड्स ने इस साल आकर्षक रिटर्न दिए जो लिक्विड फंड्स में 7.18 फीसदी से लेकर गिल्ट फंड्स में 8.98 फीसदी तक रहे। यह प्रदर्शन वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दरों के नरम रुख के चलते संभव हुआ।

सीएनजी व पाइप्ड गैस पर सबसे कम दर वसूली जाएगी

नई दिल्ली, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने महत्वपूर्ण बदलाव के साथ तेल और गैस सेक्टर के नियमों में सुधार करते हुए उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचाने वाली पाइपलाइन के लिए शुल्क निर्धारण की नयी नीति प्रस्तावित की है।

यह नई नीति पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के संयंत्रित क्षेत्र में बदलाव को प्रेरित करने के लिए प्रमुख स्थान में है। पीएनजीआरबी ने शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव भी रखा है जो मकानों में सीएनजी तथा पाइप के जरिये पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस बेचने वाली उद्यमिता इकाइयों को सीजीडी प्राप्त करने के लिए बढ़ावा देगा। इसके साथ ही पीएनजीआरबी ने एक एकीकृत शुल्क निर्धारण को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज जारी किया है जो शुल्क विनियमन के विभिन्न पहलुओं पर स्थानीय हितधारकों की टिप्पणियां प्राप्त करने में मददगार होगा। नियामक ने कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सेक्टर में नए नियमों के द्वारा हम उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में बदलाव लाने के हर संभाव तरीके की जांच कर रहे हैं। यह सुधार हमारे उपभोक्ताओं के लिए सस्ती और सुगम गैस पहुंचाने के लिए नए मार्ग खोल सकता है। पीएनजीआरबी द्वारा प्रस्तावित नई नीति एक प्रगतिशील और सुदृढ़ गैस संयंत्र सेक्टर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए शुल्क विनियमन के सुधारों को समर्थन प्रदान करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सैनिकों का हक...

दिल्ली हाईकोर्ट की पीठ ने कहा, राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहे गए प्रेरक शब्द आज भी देशभक्ति और अपने देश के प्रति प्रेम के सभी अर्थों का शानदार सारांश प्रस्तुत करते हैं। यह मत पूछो कि तुम्हारा देश तुम्हारे लिए क्या कर सकता है। यह पूछो कि तुम अपने देश के लिए क्या कर सकते हो। कुछ लोग हैं जो इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं और अपने देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने को तैयार रहते हैं। जब हम चिमनी के पास बैठकर अपनी गर्म कैपेचीनो की चुस्की ले रहे होते हैं, तो वे सीमा पर बर्फीली हवाओं का सामना करते हुए, एक पल की सूचना पर अपने जीवन का बलिदान देने को तैयार रहते हैं। क्या राष्ट्र और हम इसके नागरिक, मातृभूमि के इन सच्चे सपूतों को जो कुछ भी दे सकते हैं, वह कभी भी बहुत अधिक हो सकता है?

विकलांगता पेंशन का पहला मामला पूर्व सूबेदार गवास अनिल माडसो का था। 1985 में ही वे सैन्य सेवा में आए। 2015 में डायबिटीज मेलिटस टाइप-2 से पीड़ित होने के कारण सेवा से हटा दिए गए। रिलीज मेडिकल बोर्ड (आरएमबी) ने उनकी विकलांगता को 20 प्रतिशत स्थायी माना, लेकिन विकलांगता पेंशन देने से इन्कार कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार की इस सोच पर सवाल उठाते हुए कहा 34 साल की सेवा के बाद किसी भी बीमारी को गैर-सैन्य कारण बताना, सैनिकों के बलिदान का सरासर अपमान है।दूसरा मामला अमीन चंद का था, जिन्होंने 2005 में सेना की नौकरी ज्वाइन की और 2020 में सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन सेवा के दौरान उन्हें परिधीय धमनी संकुचन रोग हो गया। उन्हें 20 प्रतिशत विकलांग होने के बावजूद विभाग ने विकलांगता पेंशन से वंचित कर दिया। सशस्त्र बल प्राधिकरण ने उनके पक्ष में फैसला दिया लेकिन केंद्र सरकार ने पेंशन देने से मना कर दिया और उसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, देश के सैनिक जब तक युद्ध में होते हैं तब तक वे हमारे नायक होते हैं, लेकिन जब वे सेवा से बाहर होते हैं, तो उन्हें उनका हक देने से इन्कार करना सरासर अन्याय है।केंद्र सरकार लगातार यही कर रही है। सैनिकों की विकलांगता पेंशन देने को लेकर केंद्र का अमानवीय रवैया सैनिकों को काफी हतोत्साहित कर रहा है। विकलांगता पेंशन देने के नाम पर रिलीज मेडिकल बोर्ड को आगे कर टाल मटोल किया जाता है और विकलांगता को 20 फीसदी से नीचे दिखाने की आपराधिक कोशिशें की जाती हैं। केंद्र सरकार ने अग्निवीर योजना लाकर सैनिकों का पूरा पेंशन हड़प लिया और उसे सांसदों को दे दिया। उसी तरह विकलांगता पेंशन भी नेताओं की अय्याशियों में खर्च होगी। सरकार में स्थायी नौकरियां हटा कर आउटसोर्सिंग पर दे दिया। सेना की छावनियां रियल इस्टेट सिंडिकेट्स को दे दीं। आर्मी वेटनरी कोर खत्म कर लाखों एकड़ जमीनें और बेशकीमती गायें बेच डालीं। राष्ट्रवाद का नारा, सैनिकों को कितने दिन शहादत के लिए प्रेरित करेगा? यह अहम प्रश्न सामने है।

संसद में...

उधर, केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) ने वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन की अपील की है। संगठन के इस कदम का केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने स्वागत किया। केसीबीसी ने कहा है कि विधेयक किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है। इस समर्थन पर किरेन रिजिजू ने कहा, मैं केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा केरल के सभी सांसदों से मंत्री और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने के अनुरोध का स्वागत करता हूं। राजनीति में शामिल लोगों का यह कर्तव्य है कि वे हमारे लोगों की समस्याओं और चुनौतियों का ध्यान रखें और उनका समाधान करें।

रिजिजू ने कहा, उदाहरण के लिए केरल के मुनंबम में सैकड़ों परिवार पीड़ित हैं और अपनी संपत्तियों और घरों की सुरक्षा के लिए समाधान की तलाश कर रहे हैं। यह अधिनियम किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह कुछ लोगों के दिमाग में जहर घोलने के लिए फैलाया जा रहा दुष्प्रचार है। पीएम नरेंद्र मोदी और भारत सरकार हर भारतीय नागरिक के अधिकारों की रक्षा करने का प्रयास करती है और ऐसा करना जारी रखेगी। मुझे पूरी उम्मीद है कि केरल के सभी सांसद सभी लोगों के हित में इस विधेयक का समर्थन करेंगे और तुच्छ तुष्टिकरण की राजनीति के लिए लोगों के हितों की बलि नहीं चढ़ाएंगे। केसीबीसी के कदम का केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा उठाया गया यह एक स्वागत योग्य कदम है।

वक्फ कानून में संशोधन को मुस्लिमों का एक बड़ा तबका भी समर्थन दे रहा है। अजमेर दरगाह के प्रमुख ने कहा है कि नए संशोधन से वक्फ में पारदर्शिता आएगी। मुस्लिमों के अलावा इसे ईसाइयों के एक संगठन का भी समर्थन मिला है। ईसाई संगठन ने केरल के सांसदों को इस संबंध में पत्र लिखा है। ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के चेयरमैन और अजमेर दरगाह के प्रमुख सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने मोदी सरकार के कदम को सही ठहराया है। सोमवार 31 मार्च को ईद के मौके पर उन्होंने वक्फ बिल में संशोधन के कई फायदे गिनाए। उन्होंने कहा, विरोध-समर्थन लोकतंत्र का हिस्सा है। जहां तक मेरा मानना है कि वक्फ में बदलाव की जरूरत है। वक्फ कानून से मस्जिदें छिन जाएंगी, कब्रिस्तान छिन जाएंगे, यह कहना सरासर गलत है। सरकार को कोई जल्दबाजी नहीं है। सरकार तसल्ली से इस बिल को लाई थी और सरकार ने ही इसे जेपीसी में भी दिया था। जेपीसी ने सबको सुना है। और इसको अब पेश किया जाएगा। मुझे पूरा यकीन है कि ये बिल आने के बाद वक्फ मामले में पारदर्शिता आएगी। इससे वक्फ संपत्तियों का किराया बढ़ेगा, जो कौम के काम आएगा। नसीरुद्दीन चिश्ती ने कहा, वक्फ को लेकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। वक्फ के मामले में सरकार कोई दखल नहीं दे रही बल्कि उसके प्रबंधन को और सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी का सौगात-ए-मोदी को लेकर धन्यवाद किया।

दूसरी तरफ केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल ने भी केरल के सांसदों से अनुरोध किया है कि जब यह बिल चर्चा के लिए संसद में पेश किया जाए तो वे इसके पक्ष में वोट करें। इसको लेकर केसीबीसी ने 29 मार्च को बाकायदा एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की। इसमें केसीबीसी के अध्यक्ष कार्डिनल क्लेमिस कथोलिका बावा, उपाध्यक्ष बिशप पॉली कन्नूक्कटन और महासचिव बिशप एलेक्स वडक्कुमथला ने केरल के सांसदों से वक्फ संशोधन अधिनियम का समर्थन करने का आग्रह किया है। इस प्रेस विज्ञप्ति में मुनंबन जमीन पर वक्फ को लेकर चल रहे बवाल का भी जिक्र किया गया है। गौरलतब है कि केरल वक्फ बोर्ड ने एर्नाकुलम जिले के मुनंबम में लगभग 404 एकड़ भूमि पर दावा किया हुआ है। इस जमीन पर रहने वाले अधिकांश लोग ईसाई और हिंदू हैं। इस पर विवाद लगातार जारी है।

सनद रहे, जेपीसी ने इस बिल में 14 धाराओं और क्लॉज में कुल 25 संशोधन किए हैं। संशोधित बिल को19 फरवरी को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। वक्फ अधिनियम 1995 के तहत वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन किया जाता है, लेकिन भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अतिक्रमण की शिकायतें लगातार आती रही हैं। नए संशोधन बिल में इन समस्याओं को दूर करने के लिए डिजिटलीकरण, सख्त ऑडिट, पारदर्शिता बढ़ाने और अवैध कब्जे वाली संपत्तियों को वापस लेने के कानूनी प्रावधान शामिल किए गए हैं।

जज यशवंत...

साल 2011 में सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। साल 2014 में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। जस्टिस कौर ने साल 2016 में कोर्ट में अपना बयान रिकॉर्ड कराया। मुख्य आरोपियों में से एक पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता संजीव बंसल ने कोर्ट में इस केस को बंद करने का आवेदन दिया। बंसल ने कहा कि वह सिर्फ कूरियर ब्वॉय थे और होटल व्यवसायी रवींद्र सिंह का पैसा जज निर्मल यादव तक पहुंचाने गए थे। बाद में दिसंबर 2016 में मोहाली में बंसल की मौत हो गई। इसके बाद जनवरी 2017 में उनके खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी गई। इसमें कुल 84 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हरियाणा के पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता संजीव बंसल के क्लर्क ने यह पैसा भेजा था।

साल 2010 में जस्टिस निर्मल यादव को उत्तराखंड हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। वह उत्तराखंड हाईकोर्ट से ही रिटायर हो गईं। अब वह मामला भी समाप्त हो गया। यानि, भ्रष्टाचार में लिप्त जज बेदाग हो गईं। साफ है कि भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी जज हो, उसे न्यायपालिका बेदाग ही रखेगी। चाहे वह जज निर्मल यादव हों या जज यशवंत वर्मा। सवाल उठ रहा है कि वर्मा के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई? किसी भी भ्रष्टाचारी जज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का एकाधिकार सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास ही क्यों केंद्रित है? किसी भी जज के खिलाफ शिकायत भारत के मुख्य न्यायाधीश, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या राष्ट्रपति को दी जा सकती है। अगर शिकायत हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या राष्ट्रपति को भी जाती है तो वह शिकायत भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास ही भेज दी जाती है। वे चाहे उसे स्वीकार करें या खारिज कर दें। वी. रामास्वामी बनाम भारत संघ (1991) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्ट जजों के बचाव का ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। इस फैसले के बाद जजों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का निर्णय भारत के मुख्य न्यायाधीश के हाथों में दे दिया गया।

इसी अधिकार के तहत सुप्रीम कोर्ट ने वह याचिका खारिज कर दी जिसमें जज यशवंत वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर मामले की इन-हाउस जांच जारी है। यह जांच भी उसी तरह जारी रहेगी जैसे जज निर्मल यादव मामले में जारी थी और 17 साल बाद खारिज कर दी गई। जज यशवंत वर्मा प्रकरण के बारे में भी देश को ऐसी ही आशंका है।

पूर्व नरेश ...

साथ-साथ बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र प्रणाली की मान्यता है। इसके साथ ही इसमें नेपाल को 'हिंदू राष्ट्र' बताया गया है, जो कि लोकतंत्र में धर्मनिरपेक्ष कर दिया गया है।नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की सुरक्षा में भारी कटौती कर दी है और उनका पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पूर्व राजा पर 7.93 लाख नेपाली रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। नेपाल के लोगों का आरोप है कि नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ वित्तीय अस्थिरता में भी झोंक दिया गया है।

बेरोजगारी और गरीबी लगातार बढ़ रही है और नेपाल की सारी पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उनका ध्यान जनता के कल्याण में लगने के बजाय जनता को लूटने-खसोटने में है। इसको देखते हुए देश में राजशाही और हिंदू राष्ट्र की बहाली की मांग उठाई जा रही है।

नेपाल में राजशाही का समर्थन करने वाले कई राजनीतिक दल भी हैं। इन सबने मिलकर संयुक्त जन आंदोलन समिति बनाई है। इनका कहना है कि 1991 के संविधान को नेपाल में बहाल की जाए। समिति का कहना है कि इस संविधान में राजशाही के साथ-साथ बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र प्रणाली की मान्यता है। इसके साथ ही इसमें नेपाल को हिंदू राष्ट्र बताया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 01 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्रीराम नवमी शोभा यात्रा भव्य रूप से निकाली जाएगी : टी. राजा सिंह

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखण्ड हिन्दु राष्ट्र के स्थापनार्थ श्रीराम युवा सेना द्वारा श्री राम नवमी के अवसर पर प्रतिवर्ष निकाली जाने वाली श्रीराम नवमी शोभा यात्रा इस वर्ष भी भव्य रूप से निकाली जायेगी । उक्त उद्गार गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने रानी अवंती बाई भवन के समीप, उप्पर धूलपेट में आकाशपुरी हनुमान मंदिर में आयोजित श्रीराम नवमी शोभा यात्रा कार्यकर्ता बैठक में व्यक्त किए ।

टी. राजा सिंह ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष पुलिस विभाग द्वारा शोभा यात्रा के लिए अनुमति को अंतिम समय में रद्द कर दिया गया था । इसके बावजूद श्रीराम युवा सेना द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन आप सभी के सहयोग एवं समर्थन से भव्य रूप से आयोजित की गई थी । इसकी सफलता का श्रेय मैं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भक्तों और आप सभी कार्यकर्ताओं को देता हूँ । हमारा हमेशा से ही यह प्रयास रहता है कि शोभा यात्रा शान्तिपूर्ण ढंग से निकाली जाए और इससे किसी को भी किसी प्रकार की परेशानी न हो । और हम लगातार पिछले 15 वर्षों से इस प्रयास में सफल होते आ रहे है ।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य शान्तिपूर्ण ढंग से शोभा यात्रा निकालने का है । पिछले कटु अनुभवो को देखते हुए हम इस बार पुलिस विभाग से शोभा यात्रा हेतु अनुमति प्रदान करने कोई आग्रह नहीं करेंगे । हम शान्तिपूर्ण ढंग से आप सभी के सहयोग से भव्य रूप से शोभा यात्रा का आयोजन करेंगे । हम आशा करते है कि हमारे इस प्रयास को सभी राम भक्तों एवं सभी संबंधित सरकारी विभागों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा ।उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले दिनों कुछ बड़े पुलिस अधिकारी मुझसे मिलने आये और उन्होंने कहा कि डीजे पर सरकारी प्रतिबंध को देखते हुए अगर आप भी शोभा यात्रा के अन्तर्गत डीजे न लगाए तो अच्छा रहेगा । इसपर मैंने उन्हें कहा कि सारे सरकारी प्रतिबंध केवल हिन्दु समाज के लिए ही होते हैं क्या ? भारत में अल्पसंख्यों को तो धार्मिक स्वतंत्रता और संरक्षण प्रदान किया जाता है परन्तु बहुसंख्यक हिन्दु समाज को कानून की दुहाई देकर धार्मिक उत्सवों में कई प्रकार की रोक-टोक की जाती है । उन्होंने कहा कि मैंने पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया कि हमारा साऊण्ड सिस्टम तो प्रतिवर्षानुसार ही रहेगा लेकिन इस बार हम मिक्सर का प्रयोग नहीं करेंगे । जिस पर पुलिस अधिकारियों ने संतोष प्रकट किया । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हमारा लक्ष्य किसी को भी नाराज करना नहीं है, हम शान्तिपूर्ण ढंग से शोभायात्रा का आयोजन करना है ।उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को कहा कि इस शोभा यात्रा में हम सभी को छत्रपति शिवाजी महाराज एवं सम्भाजी महाराज से प्रेरणा लेकर हिन्दू एकता का संकल्प लेकर भारत को भविष्य में हिन्दू राष्ट्र घोषित करने का प्रयास करना चाहिए । इस दिशा में हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा और राष्ट्र विरोधी ताकतों को एकजुट होकर जवाब देना होगा। हमें हमारी बहन-बेटियों को लवजिहाद के चंगुल में फसने से बचाना होगा।

शोभा यात्रा मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भक्तों के सुविधार्थ लगाए जाने वाले स्वागत मंचों, प्रसाद वितरण एवं जल सेवा प्रदान करने वाले संगठनों से मंच स्थापना में अगर कोई दिक्कत या असुविधा होने पर हमे से सम्पर्क करें । मैं सभी कार्यकर्ताओं से पुनः निवेदन करता हूँ कि 'श्रीराम नवमी शोभा यात्रा' हम सभी की शोभा यात्रा है और आप सभी इसके आयोजक है । अतः इस शोभा यात्रा से अधिक से अधिक राम भक्तों को जोडने का दायित्व आप सभी का है । मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि शोभा यात्रा के दौरान आप सभी संयम से काम लेंगे और शोभा यात्रा मार्ग में किसी को भी किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखेंगे ।

कार्यकर्ता बैठक में बेगम बाजार के पार्षद जी. शंकर यादव, जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, मंगलहाट पार्षद शशिकला कृष्णा, वी. पाण्डु यादव, एम. कृष्णा, अजयराज शर्मा, आला पुरुषोत्तम, भाजपा युवा एवं महिला मोर्चा के नेताओं ने अपने-अपने विचार रखें । बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रीराम भक्तगण उपस्थित रहें ।

सनतनगर में माता के जागरण में काव्या रेड्डी का स्वागत करते हुए सपना गुप्ता, रचना गुप्ता, लक्ष्मी व अन्य।

राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के साथ आमंत्रित राजस्थानी समाज के वयोवृद्ध समाज सेवी रतनलाल जाजू एवं साथ में सतीश जाजू, सरोज बजाज, नन्दकिशोर-ऊमा गुरखा, प्रदीप जाजू, डॉ संदीप साबू, अशोक सोमाणी, आनन्द मसाला के वेद प्रकाश अग्रवाल, शिवानंद अग्रवाल, विकास बांगड, सत्यनारायण शर्मा, श्यामसुंदर बाहेती, आनंद बोहरा जैन, महेन्द्र जैन, सीए निर्मल सिंघवी, प्रवीण जैन, सतीश हुंडिया, मुकेश कटारिया, डॉ. गौरव कांटेढ, मोहनलाल बागरेचा, आरपी शर्मा, सुरेश शर्मा, डीपी तिवारी, राम सांकला, विजय राठी, रुचिका राठी, शकुन्तला नावंदर एवं अन्य उपस्थित।

माधव आटिज्म फाउंडेशन के तत्वावधान में

विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस पर विशेष कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले कई वर्षों से ऑटिज्म के क्षेत्र में सेव-रत माधव आर्टिज्म फाउंडेशन के तत्वावधान में हर वर्ष आयोजित किए जाने वाला विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस कार्यक्रम, इस वर्ष बुधवार दि. 2 अप्रैल को रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई के केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम में सांय 5:30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शशांक गोयल, आईएएस (डीजी : एमसीआर एचआरडी आईटी , प्रधान सचिव, तेलंगाना राज्य सरकार) शामिल होंगे। विशेष आमंत्रित अतिथियों में डॉ . एस. के. जयसवाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजी चिकित्सक, किम्स अस्पताल, कोंडापुर), एल. एन. शर्मा (वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट और सुप्रसिद्ध समाजसेवी), श्रीमती रूपाश्री गोटापट्टी (बोर्ड मेंबर- गूगल इंडिया), श्रीमती बानुका नर्मदा मल्लिकार्जुन (सिविलियन मनोनीत सदस्य - सिकंदराबाद छावनी), ए. बाबूराव (संस्थापक और प्रमुख- कैफे नीलोफर समूह), डॉ. पी. मदन मोहन राव (एमबीबीएस डीसीएच पीडियाट्रिशियन), सीए पिंकी केडिया, मुंबई (नेशनल काउंसिल सदस्य - श्रीमती अलका मनोज (बीजेपी तेलंगाना राज्य उपाध्यक्ष, अल्पसंख्यक मोर्चा) होंगे। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन-तेलंगाना, झुंझुनू प्रगति संघ-हैदराबाद, स्टील मर्चेंट एसोसिएशन - फतेहनगर, तेलंगाना टी मर्चेंट्स एसोसिएशन, बिहार वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्य कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित रूप में उपस्थित होंगे। माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के सचिव डॉ. दिलीप पंसारी के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ऑटिज्म के प्रति युवा वर्ग में जागरूकता की महत्ता के अंतर्गत कुछ प्रमुख महाविद्यालय के छात्र भी कार्यक्रम में उप-स्थित होंगे। डॉ. सुमन सराफ ऑटिज्म के प्रति अपने अनुभव और ज्ञान को ऑटिज्म टॉक व्याख्यान के रूप में प्रस्तुत करेगी। ऑटिज्म और कुछ अन्य विशेष क्षेत्रों में विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहे कुछ महत्वपूर्ण लोगों को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की समाप्ति हास्य, नृत्य इत्यादि से युक्त एक सूक्ष्म मंचीय कार्यक्रम से होगी।

सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में नवरात्रि के पावन अवसर पर चैत्र शुक्ल बीज महोत्सव और गणगौर पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस अवसर पर सुबह हवन-यज्ञ और गणगौर पूजन किया गया । गणगौर में केली देवी चोयल, कंचन बर्फा, रेखा परिहार, सन्तु काग व अन्य उपस्थित थीं।चैत्र शुक्ल बीज महोत्सव व गणगौर पूजन कार्यक्रम में समाज के सरंक्षण, अध्यक्ष और सचिव एवं समस्त समाज के बन्धुगणो की महेती उपस्थिति रही।

कंदास्वामी बाग स्थित देवेंदजी दवे के निवास पर आयोजित गणगौर पूजा करती हुईं पुष्पा बाई, वीणा बाई, सोनिया अग्रवाल, मंजुला मुणोत, प्रीति जाजू, सरोज मुणोत, खुशी अग्रवाल, सोनातिकाा मुणोत व अन्य।

गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह को उगादि एवं हिन्दू नव वर्ष की बधाई देते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, नारायण सोनी, विष्णु दास।

तेलंगाना में राजस्थान प्रवासी बंधुओं द्वारा जय लक्ष्मी गार्डन में राजस्थान दिवस के अवसर राजस्थान सरकार के खेल व युवा मामले रोजगार एवं उद्यमी राज्य मंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई का सीरवी समाज की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन कर उनसे शिष्टाचार भेंट की। अवसर पर उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रवासी भाई बंधु के लिए किसी भी प्रकार की सहायता के लिए राजस्थान सरकार हमेशा प्राथमिकता देगी। आश्वासन दिया कि प्रवासी बंधुओं के विचारों के लिए प्रवासी बंधुओं की ओर से आभार प्रकट करते हैं धन्यवाद।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को स्व. श्रीमती उर्मिला धानुका की मासिक पुण्यतिथि पर धानुका परिवार, दिल्ली एवं स्व. भगतराम अग्रवाल की पुण्यतिथि पर बद्रीप्रसाद बाबूलाल अग्रवाल परिवार (श्री सीताराम कटपीस सेंटर, सिकंदराबाद) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, गोपाल गोयल, ई. जगन, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, संजय गोयल, मायारामजी अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया,भगतराम गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

साध्वीश्री डॉ गवेषणाश्री द्वारा हिन्दू नववर्ष पर महामंगलिक अनुष्ठान सम्पन्न

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री डॉ गवेषणा श्री जी आदि ठाणा 4 के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद द्वारा हिंदूनव वर्ष 2082 और उगादि पर्व के पावन अवसर पर विशेष महामंगलिक अनुष्ठान का आयोजन सिकंदराबाद स्थित बांठिया गार्डन में किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार तेयुप भिक्षु प्रज्ञा मंडली द्वारा विजय गीत के संगान से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तेयुप अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने पधारे हुए सभी महानुभावों का स्वागत एवं अभिनंदन किया, सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशील संचेती ने सभी संस्थाओं की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की। तेरापंथ महिला मंडल एवं तेयुप द्वारा मंगलाचरण किया गया।

हिंदू नव वर्ष उगादी के पावन अवसर व विक्रम संवत 2082 के शुभ आगमन पर वर्ष के प्रथम दिन चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को सभी के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और मंगल की कामना करते हुए, साध्वी श्री डॉ. गवेषणाश्री जी द्वारा एक विशेष वृहद् मंगल पाठ किया गया। साध्वी श्री जी ने फरमाया आज हमारे भारतीय संस्कृति का नव वर्ष लग रहा है जो हम 1 जनवरी मानते हैं वह तो हमारे पाश्चात्य संस्कृति का महत्व है लेकिन आज हम जो नव वर्ष बना रहे हैं वह हमारी हिंदू संस्कृति का नव वर्ष लग रहा है जैनों की संस्कृति में भी यही मान्यता रही है इस नव वर्ष का क्या महत्व है? वह तो एक खुली किताब की तरह है और इसमें एक नई कहानी हमें रचनी है एक नया आलेप रचना है। आज मंगल स्तोत्रों महामंगल स्तोत्रों के साथ महामंगल अनुष्ठान होने जा रहा है जैन धर्म में मंगल स्तोत्र का बड़ा महत्व रहा है। मंगल का अर्थ है कि मन गले यति पापम की जो हमारे पापों को हटाता है जो हमारे दुखों का विनाश करता है उसे मंगल कहा जाता है। इस मंगल क्षणों में एक नया संकल्प हमें करना है कि व्यक्ति पूरे 1 वर्ष के लिए हमें कुछ ऐसा नया संकल्प स्वीकार करना है कि जिसके द्वारा हम अपने जीवन में एक वर्ष में कुछ नई उपलब्धि प्राप्त कर सके और वह उपलब्धि कैसी हो उसके लिए आवश्यकता है कि जैसे नए वर्ष आप यह संकल्प कर सकते हैं कि मुझे किसी के प्रति बुरे विचार नहीं लाना है किसी के प्रति मुझे नेगेटिव थिंकिंग नहीं लानी है अध्यात्म के ऊंचे शिखर पर मुझे चढ़ना है मुझे हि धी धृति शक्ति शांति तेज आनंद और पवित्र संपन्न बनना है यदि इन मंगल भाव से अपने आप को प्रतिदिन भेट करेंगे तो सचमुच में हमारा पूरा वर्ष मंगलमय बीत सकता है, और आनंद में व्यतीत हो सकता है। साध्वी मेरुप्रभा जी ने सुमधुर गीतिका की प्रस्तुति दी।

साध्वी मयंक प्रभा जी ने विशेष सूचना की जानकारी देते हुए कहा 6 अप्रैल को रवि पुष्य नक्षत्र के योग के अवसर पर एक भव्य आयोजन हमारे मंत्र जाप का होने जा रहा है सभी भाई बहन अधिक से अधिक भाग ले। साध्वी दक्षप्रभा जी ने मंच का कुशल संचालन किया।

तेयुप द्वारा बांठिया गार्डन के अधिपति अनिल बांठिया एवं सभा अध्यक्ष सुशील संचेती का सम्मान किया गया। किशोर मंडल द्वारा संकल्पों के कल्पवृक्ष प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम मे श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद, तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, तेरापंथ किशोर मंडल एवं तेरापंथ कन्या मंडल ने अपनी सेवाएं प्रदान की। मंत्री अनिल दुगड़ द्वारा आभार ज्ञापन किया गया।

अनोजीगुडा स्थित काग निवास स्थान पर आयोजित ईसर गणगौर पुजा कार्यकम में उपस्थित कंचन देवी काग, पुष्पा देवी काग, अनीता देवी काग, गीता काग, ममता पवार, कमला काग, शेनकी कुमावत, गनकी कुमावत, गेरकी कुमावत, सावित्री देवी व अन्य ।

अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा तेलंगाना के महामंत्री डॉ.महेश शर्मा अवस्थी के निवास पर गणगौर महोत्सव में भाग लेती विभिन्न संगठनों की महिलाएं।

सारडा निवास महावीर हाइट्स रामगोपालपेट पर गणगौर पूजन करती हुई महिलाएं।

बड़ीचौड़ी मोतीसिंह लेन में भागीरथ रामनिवास बंग के निवास पर गणगौर पूजन पर उपस्तिथ उषा बंग, शोभा, अनिता, मंगला झावर, उमा असावा एवं अन्य।

हिंदू नववर्ष उत्सव उगादी के उपलक्ष्य में प्रगतिनगर के वरिष्ठ नागरिक संघ ने रविवार को 75 वर्ष की आयु पूरी कर चुके 20 वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष कामैया, उपाध्यक्ष बालकोटैया, सचिव रामाराव, कोषाध्यक्ष पुल्लैया और अन्य सदस्य उपस्थित थे। इससे पहले सभी सदस्यों ने नववर्ष का पंचांग सुना। फिर उन्होंने प्रसाद स्वीकार किया।

अग्रवाल समाज पश्चिमांचल शाखा, अत्तापुर द्वारा आयोजित धार्मिक यात्रा सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज के अध्यक्ष उमेश गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति मे बताया गया कि अग्रवाल समाज पश्चिमांचल शाखा, अत्तापुर द्वारा आयोजित धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया, जो कि सोमवार 24 मार्च 2025 को नैमिषारण्य अयोध्या प्रयागराज वाराणसी से शुभारंभ हुआ और शनिवार 29 मार्च 2025 तक चला। इस यात्रा में समाज के कई सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यात्रा का उद्देश्य धार्मिक स्थलों का दर्शन करना और समाज के सदस्यों के बीच एकता और समर्पण की भावना को बढ़ावा देना था। सभी श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ विभिन्न धार्मिक स्थलों का दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किए। यह यात्रा सभी के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुई और सभी ने इसे सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चूड़ी बाजार में स्थित आनंद राजू शर्मा के निवास पर गणगौर महोत्सव के अन्तर्गत गणगौर की पूजा करती हुईं संतोष शर्मा, कविता शर्मा, इंद्रा पाण्डे, काजल पाण्डे, सपना वैष्णव, सपना शर्मा, गिरजा शर्मा, मुक्ता शर्मा, तमना शर्मा, अमारिया शर्मा एवं आराधया पांडेय।

रविवार चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा उगादि के पावन शुभ अवसर पर जन सेवा संघ के नए ऑफिस का जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा पंडित जी के साथ मिलकर पूजा विधिवत प्रकार से संपन्न हुआ । जिसमें जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह, उपाध्यक्ष गोविंद तिवारी, महासचिव राजीव चौबे, कोषाध्यक्ष बिनीत सिंह, संचालन समिति के सदस्य संजय कुमार भगत इस अवसर पर सम्मिलित हुए एवं माता रानी से जन सेवा संघ की तरक्की एवं विकास के लिए प्रार्थना किये ।

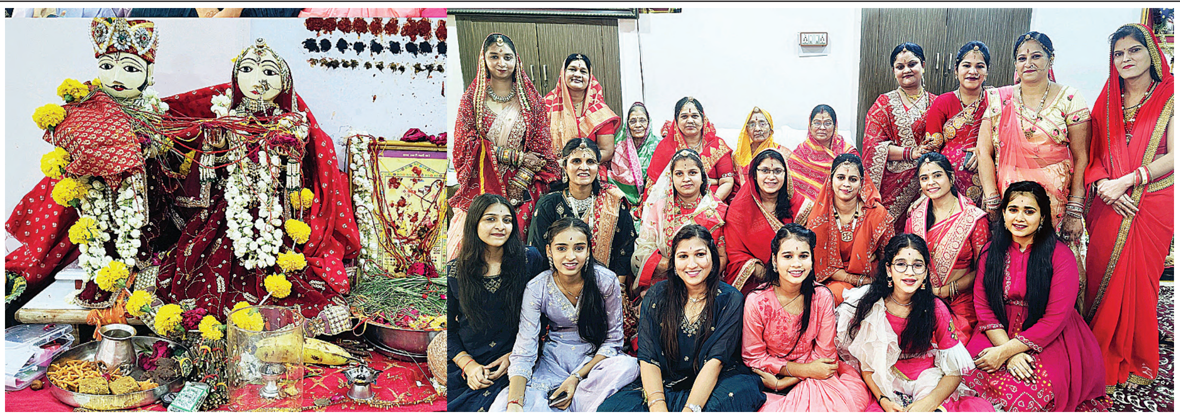

बेदरवाडी स्थित अशोक कुमार मूंदड़ा के निवास पर गणगौर की पूजा करती हुई तुलसी बाई मूंदड़ा, अनीता मूंदड़ा, संगीता मूंदड़ा, वर्षा मूंदड़ा, मानकंवर मूंदड़ा, रेखा मूंदड़ा, संतोष मूंदड़ा, रितिका मूंदड़ा, ऋषिका मूंदड़ा, अदिति मूंदड़ा, सेजल भूतड़ा, अंजली जैन, उमा मूंदड़ा, भूमिका मूंदड़ा, तनिशा मूंदड़ा, तनुश्री मूंदड़ा, प्रिय पाराशर, प्रभा पाराशर, प्रियांशी जैन, संगीता काकड़ा, शुभांगी काकड़ा, मेघा काकड़ा।

होटल के खिलाफ एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई, मारपीट का आरोप

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक ग्राहक ने मोंडा मार्केट पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि सिकंदराबाद में अल्फा होटल के कर्मचारियों ने उसके साथ मारपीट की। हाल ही में, शमीरपेट से शिकायतकर्ता शेखर कुमार एक निजी काम से सिकंदराबाद आए थे। काम पूरा करने के बाद, वह अपनी बेटी के जन्मदिन के लिए केक खरीदने के लिए ग्राउंड फ्लोर पर अल्फा होटल बेकरी सेक्शन में गए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बेकरी सेक्शन के कर्मचारियों ने उन्हें एक केक दिखाया और शेखर ने इसकी ताज़गी, गुणवत्ता और तैयारी के समय पर संदेह जताया। कथित तौर पर यह बात होटल के कर्मचारियों को पसंद नहीं आई और उन्होंने शेखर के साथ बहस की और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। शिकायत के आधार पर, मोंडा मार्केट पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच कर रही है।

जीएचएमसी ने इतिहास में पहली बार 2000 करोड़ से अधिक संपत्ति कर एकत्र किया

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान संग्रह अभियान के तहत, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) निगम के इतिहास में पहली बार 2012.36 करोड़ रुपये (शाम 6 बजे तक) से अधिक का संपत्ति कर एकत्र करने में सक्षम रहा है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सरकार द्वारा वन टाइम स्कीम जारी करने के बाद 8 मार्च से 31 मार्च तक (शाम 6 बजे तक) 465.07 करोड़ रुपये की राशि एकत्र की गई।इस बीच, जीएचएमसी ने बताया कि अर्ली बर्ड स्कीम के तहत, संपत्ति करदाता अप्रैल में कर का भुगतान कर सकते हैं और सरकार द्वारा दी गई 5 प्रतिशत छूट का लाभ उठा सकते हैं। संपत्ति कर का भुगतान 1 अप्रैल से किया जा सकता है क्योंकि अर्ली बर्ड स्कीम वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संपत्ति कर के लिए लागू है। यह पिछले वर्षों से जमा हुए बकाए पर लागू नहीं है।

कांचा गच्चीबावली में सरकारी भूमि के सीमांकन के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया : यूओएच

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने सोमवार, 31 मार्च को स्पष्ट रूप से इनकार किया कि कांचा गच्चीबोवली में 400 एकड़ भूमि का सीमांकन करने के लिए जुलाई 2024 में राजस्व अधिकारियों द्वारा उसके परिसर में कोई सर्वेक्षण किया गया था, जिसे राज्य सरकार ने 2006 में फिर से शुरू किया था।

तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) द्वारा यह दावा किए जाने के बाद कि उस भूमि का एक इंच भी हिस्सा विश्वविद्यालय का नहीं है, मीडिया को दिए गए अपने बयान में यूअ-ोएच ने आरोपों से इनकार किया है।

विश्वविद्यालय ने कहा, जुलाई 2024 में राजस्व अधिकारियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में 400 एकड़ भूमि का सीमांकन करने के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया, जिसे राज्य सरकार ने 2006 में मेसर्स आईएमजी एकेडमीज भारत प्राइवेट लिमिटेड से वापस ले लिया था।

हैदराबाद विश्वविद्यालय ने इस बात पर जोर देते हुए कि विश्वविद्यालय राज्य सरकार से उस भूमि को हस्तांतरित करने का अनुरोध कर रहा है, कहा कि वह हितधारकों के ज्ञापन को सरकार के पास भेजेगा ताकि उठाए गए बिंदुओं पर पुनर्विचार किया जा सके ताकि उस क्षेत्र में जैव विविधता को संरक्षित किया जा सके।इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसे आवंटित भूमि का कोई भी हस्तांतरण विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की औपचारिक सहमति से ही हो सकता है, जिसमें भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त छह सदस्य शामिल हैं।यूओएच ने मीडिया और सभी हितध-ारकों से सावधानी बरतने और भूमि के स्वामित्व या उसके हस्तांतरण के बारे में कोई भी गलत सूचना प्रसारित करने से बचने का आग्रह किया है।

इससे पहले, तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई जीतने के बाद आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय की विवादित 400 एकड़ जमीन राज्य की है।

कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ भूमि, जहां सरकार आईटी पार्क की स्थापना सहित विकास कार्य करने की योजना बना रही है, हैदराबाद विश्वविद्यालय की भूमि से सटी हुई है।भूमि मुद्दे पर एक विस्तृत नोट में, टीजीआईआईसी ने कहा कि उसने अदालत में भूमि पर अपना स्वामित्व साबित कर दिया है और यूओएच के पास संबंधित भूमि पर कोई भूमि नहीं है।

न्यायालय ने कहा कि यदि भूमि के स्वामित्व को लेकर कोई विवाद उत्पन्न होता है तो यह न्यायालय की अवमानना होगी।इसमें कहा गया है, विकास कार्यों और भूमि की नीलामी से चट्टानों सहित पारिस्थितिकी तंत्र पर कोई असर नहीं पड़ेगा। विकास के लिए आवंटित भूमि पर कोई झील मौजूद नहीं है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक योजना में स्थानीय क्षेत्र के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।इसमें कहा गया है, कुछ राजनीतिक नेता और रियल्टी समूह इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं और अपने निहित स्वार्थों के लिए छात्रों को गुमराह कर रहे हैं।

भूमि के इतिहास का उल्लेख करते हुए बयान में कहा गया है कि तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश सरकार ने 2004 में एक निजी कंपनी को भूमि आवंटित की थी, लेकिन 2006 में इसे रद्द कर दिया गया, क्योंकि कंपनी ने परियोजना शुरू नहीं की थी।कंपनी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया और कानूनी लड़ाई लंबे समय तक चलती रही।मई 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया और सरकार ने 400 एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया और बाद में जमीन को टीजीआईआईसी को हस्तांतरित कर दिया।उन्होंने कहा कि राजस्व रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह भूमि वन भूमि नहीं है।हैदराबाद विश्वविद्यालय की सहमति से जुलाई 2024 में विश्वविद्यालय के अधिकारियों की मौजूदगी में सीमाओं की पहचान के लिए भूमि का सर्वेक्षण किया गया। इसमें कहा गया है, अधिकारियों ने उसी दिन सीमाओं को अंतिम रूप दे दिया।कुछ मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, इसने कहा कि बफैलो झील और मयूर झील 400 एकड़ की सीमा के अंतर्गत नहीं हैं, जिसे टीज-ीआईआईसी द्वारा विकसित किया जा रहा है।टीजीआईआईसी के बयान में कहा गया है कि उसने अपने लेआउट में प्रसिद्ध मशरूम रॉक और अन्य चट्टान संरचनाओं को हरित स्थान के रूप में संरक्षित करने की योजना तैयार की है।इसमें कहा गया है, सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, यह स्पष्ट है कि टीजीआईआईसी ने हैदराबाद विश्वविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया है और न ही किसी मौजूदा जल संसाधन (झील) और चट्टान संरचनाओं को नुकसान पहुंचाया है।बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित परियोजना विश्व स्तरीय आईटी अवसंरचना के विकास, बढ़ी हुई कनेक्टिविटी और पर्याप्त शहरी स्थानों की उपलब्धता की सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के दो छात्र अभी भी हिरासत में, एफआईआर दर्ज

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ (यूओएचएसयू) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि दो छात्र अभी भी पुलिस की हिरासत में हैं, जिनमें से कई को पिछले दिन हैदराबाद पुलिस ने हिरासत में लिया था, जबकि विश्वविद्यालय की विवादित 400 एकड़ जमीन पर बुलडोजर की मौजूदगी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ था।

बयान में कहा गया है, छात्र समुदाय को सूचित किया जाता है कि एक छात्र और एक पूर्व छात्र अभी भी हिरासत में हैं क्योंकि पुलिस ने कल रात मनमाने ढंग से उन पर एफआईआर दर्ज की है। स्थिति की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए, संघ कार्रवाई के बारे में विभिन्न हितधारकों से परामर्श कर रहा है, बयान में पुलिस कार्रवाई और प्रदर्शनकारी छात्रों की हिरासत की निंदा की गई।गाचीबोवली पुलिस ने कल शाम विरोध प्रदर्शन के दौरान राजनीति विज्ञान विभाग के पीएचडी विद्वान एर्राम नवीन और हैदराबाद विश्वविद्यालय के आईओई पोस्टडॉक्टरल फेलो रोहित बोंदुगुला को हिरासत में ले लिया।

उनके खिलाफ बीएनएस की धारा 329(3), 118(1), 132, 191(3) और 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

इसमें कहा गया है कि छात्र संघ, शिक्षक संघ, श्रमिक संघ और गैर-शिक्षण कर्मचारी संघ को मिलाकर एक संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) का गठन पहले किया गया था, ताकि भूमि नीलामी को चुनौती देने के लिए कानूनी रास्ते तलाशे जा सकें और विश्वविद्यालय प्रशासन से इस मुद्दे पर एक निश्चित रुख अपनाने का आग्रह किया जा सके।30 मार्च को उस समय अराजकता फैल गई जब हैदराबाद विश्वविद्यालय के कई छात्रों को साइबराबाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि वे तेलंगाना सरकार की 400 एकड़ बहुमूल्य भूमि को बेचने की योजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिसमें जैव विविधता और मशरूम चट्टानें शामिल हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे लगभग दो अरब वर्ष पुरानी हैं।

तेलंगाना में ईद-उल-फितर हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईद-उल-फितर का त्यौहार पूरे तेलंगाना में सोमवार 31 मार्च को बड़ी खुशी और श्रद्धा के साथ मनाया गया। लोग मस्जिदों और ईदगाहों में एकत्र हुए और विशेष नमाज़ अदा की। हैदराबाद में, मीर आलम ईदगाह और मक्का मस्जिद में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज़ अदा की।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्त-ेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मीर आलम ईदगाह में नमाज अदा की और देश में शांति और न्याय की कामना की। नमाज अदा करने के बाद उन्होंने मीडिया से कहा, मैं ईद-उल-फितर के मौके पर सभी को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि हमारे देश में शांति होगी और सभी के साथ न्याय होगा।हैदराबाद में ईद-उल-फितर का जश्न मनाया गयामीर आलम ईदगाह में सबसे बड़ी भीड़ उमड़ी, जिसमें एक लाख से अधिक लोग सामूहिक नमाज में शामिल हुए। नमाज का नेतृत्व मक्का मस्जिद के खतीब मौलाना हफीज रिजवान कुरैशी ने किया।

कुछ मस्जिदों में नमाज सुबह 7 बजे अदा की गई, जबकि कुछ ने ईदगाह मैदान में सुबह 10 बजे नमाज अदा की।मदन्नापेट स्थित पुरानी ईदगाह, कुतुब शाही मकबरा ईदगाह, मसाब टैंक हॉकी ग्राउंड, सिकंदराबाद स्थित ईदगाह बलमराय, चेरियन पैलेस मस्जिद, बंजारा हिल्स तथा अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। उपस्थित लोगों में जेबीएस दुबई के छात्र मोहम्मद नुमान शम्सुद्दीन भी थे, जिन्होंने चेरियन पैलेस मस्जिद के इमाम मौलाना आरिफ को ईद की हार्दिक बधाई और बधाई दी।

अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ उनकी उपस्थिति ने समारोह की पवित्रता और आध्यात्मिक सार को बढ़ाया। उनके साथ न्यू जर्सी, संयुक्त राज्य अमेरिका के एक प्रसिद्ध उद्यमी और परोपकारी मोहम्मद खाजा मोइनुद्दीन अपने बेटों- मोहम्मद आलम मोइनुद्दीन, मोहम्मद हारिस मोइनुद्दीन और मोहम्मद अयान मोइनुद्दीन के साथ थे। उनकी उपस्थिति ने विभिन्न देशों के मुसलमानों द्वारा साझा किए गए वैश्विक बंधन को उजागर किया, इस्लाम में भाईचारे और एकता के मूल्यों को मजबूत किया। इस समागम में मौलाना पीराने पीर के आध्यात्मिक नेता मोहम्मद साजिद, एक सम्मानित आध्यात्मिक नेता और डॉ. सैयद हसनैन के साथ-साथ स्नैप्स इंडिया-के संपादक मोहम्मद शम्सुद्दीन की उपस्थिति ने भी शोभा बढ़ाई।

हैदराबाद शहर पुलिस ने अपने आयुक्त सी.वी. आनंद के साथ ईद-उल-फितर मनाई और मीर आलम ईदगाह में बच्चों को चॉकलेट बांटी।

हैदराबाद ओआरआर टोल शुल्क आज से बढ़ जाएगा

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार, दि. 01 अप्रैल से हैदराबाद के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर यात्रा करने वाले मोटर चालकों को सभी वाहन श्रेणियों में टोल शुल्क में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा।

आईआरबी इन्फ्रा द्वारा लागू की गई यह बढ़ोतरी टोल संग्रह समझौते में वार्षिक समायोजन खंड के अनुसार है। अद्यतन दरें विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए प्रति किलोमीटर मामूली वृद्धि दर्शाती हैं।संशोधित टोल दरें: कार, जीप और हल्के वाहन : 0.10 रुपये प्रति किमी की वृद्धि की गई, जिससे शुल्क 2.34 रुपये प्रति किमी से बढ़कर 2.44 रुपये प्रति किमी हो गया।मिनी बसें और हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) : 3.77 रुपये प्रति किमी से बढ़ाकर 3.94 रुपये प्रति किमी किया गया।दो-धुरी वाली बसें और ट्रक : शुल्क 6.69 रुपये प्रति किमी से बढ़ाकर 7 रुपये प्रति किमी किया गया।भारी वाहन : 5.09 रुपये प्रति किमी से बढ़ाकर 15.78 रुपये प्रति किमी किया गया।टोल समायोजन थोक मूल्य सूचकांक के अनुपालन को सुनिश्चित करता है तथा स्पष्टता के लिए गणना की गई दरों को निकटतम 10 रुपये तक पूर्णांकित करता है।यह परिवर्तन 158 किलोमीटर लंबे ओआरआर का उपयोग करने वाले यात्रियों को प्रभावित करेगा, जो हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) द्वारा प्रबंधित एक प्रवेश-नियंत्रित एक्सप्रेसवे है, जो प्रतिवर्ष महत्व-पूर्ण राजस्व उत्पन्न करता है।

अगर आप अभी नहीं बोले तो... केटीआर ने यूओएच भूमि विनाश पर राहुल गांधी से किया सवाल

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआ-रएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने वरिष्ठ कांग्रेस सदस्य और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) की 400 एकड़ भूमि के विनाश पर उनकी पार्टी के रुख पर सवाल उठाया।सोमवार, 31 मार्च को एक एक्स पॉट में उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की कार्रवाई पर बोलें। उन्होंने एक्स पर लिखा, अगर आप अभी नहीं बोलते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी आप पर है, मिस्टर राहुल गांधी।

तेलंगाना सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की 400 एकड़ जमीन बेचने के निर्णय के खिलाफ हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के छात्रों के तीव्र विरोध प्रदर्शन के 24 घंटे के भीतर ही, 30 मार्च, रविवार की मध्य रात्रि को बुलडोजर चल पड़े, पेड़ों को गिरा दिया गया और क्षेत्र को समतल कर दिया गया।हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर को बुलडोजर से ध्वस्त करने के दृश्य सोशल मीडिया पर सामने आए हैं।केटीआर ने कहा, पश्चिमी हैदराबाद में 400 एकड़ कीमती जगह को नष्ट करके यह बेशर्मी से पर्यावरण की हत्या है। आप मोरों को मदद के लिए रोते हुए सुन सकते हैं, जबकि कांग्रेस सरकार के बुलडोजर और जेसीबी वहां पर खुदाई कर रहे हैं।

तेलंगाना उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) लंबित है, जिस पर जवाब देने के लिए कांग्रेस सरकार ने 4 अप्रैल तक का समय मांगा था, लेकिन ऐसा लगता है कि राज्य सरकार अपने फैसले पर अड़ी हुई है।

बाद में शाम को तेलंगाना भवन में प्रदर्शनकारी छात्रों से मुलाकात के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का पाखंड उजागर हो गया है।

केटीआर ने पूछा, राहुल गांधी ने मुंबई में आरे और छत्तीसगढ़ में हसदेव वनों के विनाश के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने पहले भी दो बार हैदराबाद विश्वविद्यालय का दौरा किया था, लेकिन आज जब उनकी अपनी पार्टी की सरकार छात्रों पर अत्याचार कर रही है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही है, तो वे चुप हैं। क्यों?

उन्होंने पूछा, क्या आप बुलडोजर के नीचे कुचले जा रहे वन्यजीवों की चीखें नहीं सुन सकते? क्या छात्रों को घसीटने और पीटने के दृश्य आप तक नहीं पहुँचते? लोकतंत्र और पर्यावरण के प्रति आपकी प्रतिबद्धता अब कहाँ है?

केटीआर ने कहा कि हैदराबाद विश्वविद्यालय उत्कृष्टता का प्रतीक है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना तेलंगाना आंदोलन के पहले चरण के बाद हुई थी और इसने भारत और दुनिया भर में सेवा करने वाले विद्वानों को जन्म दिया है। अपनी भूमि की रक्षा के लिए छात्रों की लड़ाई निस्वार्थ और व्यापक भलाई के लिए है, उन्होंने कहा।

केटीआर ने विरोध प्रदर्शनों पर राज्य की कठोर प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए दावा किया कि पुलिस कुलपति की अनुमति के बिना विश्वविद्यालय में घुस गई। उन्होंने मांग की, महिला छात्राओं को घसीटा गया, उनके कपड़े फाड़े गए और दो छात्राओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अब वे कहां हैं? सरकार को तुरंत उनके ठिकाने का खुलासा करना चाहिए, उन्होंने डीजीपी से कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने छात्रों को बीआरएस की ओर से कानूनी और नैतिक समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा, हम इस मुद्दे को हर मंच पर उठाएंगे - संसद, राज्यसभा और सार्वजनिक क्षेत्र में - ताकि रेवंत रेड्डी और उनकी सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सके।

मराठी फिल्म कलाकार सुलक्षणा सुभाष पाटील को बेस्ट शॉर्टफिल्म निर्देशक, डारेक्टर और एक्टरेस का अवार्ड मिला

संभाजीनगर , 31 मार्च (एजेंसियां)। मराठी फिल्म कलाकार व निर्देशक सुलक्षणा सुभाष पाटील को रील्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2025 की बेस्ट निर्देशक का अवार्ड मिला इस अवार्ड समारोह मे1800 विदेशी फिल्मों ने भाग लिया जिसमे यह अवार्ड उनकी मराठी फिल्म आई अंबाबाई चा उदो उदो के लिया मिला... दुसरी फिल्म उन्होने शिक्षा के ऊपर बनाई शिक्षण जिसे जरुरत मंद बच्चो को कैसे शिक्षा दी जा सकती है इसके उपर एक सोशल मेसेज दिया.. उसको भी बहुत सारे इंटरनॅशनल फिल्म फेस्टिवल मे अवॉर्ड मिले... और अभी अभी उनकी नई शॉर्ट फिल्म गेट-टुगेदर को भी 8 अवार्ड से सम्मानित किया गया..

इस अवसर पर छत्रपती संभाजी नगर के खाचखच भरे ऑडिटोरियम मे दिया गया.. अवार्ड प्राप्त करते हुवे मराठी फिल्म निर्देशक सुलक्षणा सुभाष पाटील ने कहा यह फिल्म मराठी अस्मिता के लिये समर्पित थी.. जिसे मराठी लोगो ने ही नही सभी ने सराहा... यह अवार्ड मैं समस्त मराठी लोगो को समर्पित करती हु, और सभी देशवासियों से अपील करती हु, की छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शो को जीवन्त बनाये रखे, और उनके पद चिन्हों पर चलते हुवे देश व समाज की सेवा करे। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री की सराहना करते हुवे कहा कि जिस प्रकार मराठी भाषा को प्रोत्साहित करते है.. उसी प्रकार मराठी फिल्म नाटक व शॉर्ट फिल्म सहित मराठी भाषा संस्कृति को बढ़ावा देने वाले समाचार पत्र ींं चैनल को भी आगे बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित करना चाहिये।

तेलंगाना ग्रीन माफिया के हाथों बंधक, बंडी संजय का राज्य सरकार पर कटाक्ष

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद विश्वविद्यालय, कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ भूमि की नीलामी के लिए चल रहे वनों की कटाई पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता बंदी संजय ने आरोप लगाया कि तेलंगाना को 'वनों की कटाई माफिया' द्वारा बंधक बना लिया गया है।सोमवार, 31 मार्च को एक एक्स पोस्ट में, बंदी संजय ने सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की तुलना पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार से की, जिसने अपने कार्यकाल के दौरान कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईएस) के निर्माण के लिए 25 लाख पेड़ों को काट दिया था।उन्होंने एक्स पर लिखा, वही कुल्हाड़ी, नए हाथ और कहा कि तेलंगाना में हरित हत्या हो रही है।इस बीच, तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) ने कहा कि कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ भूमि में से एक इंच भी हैदराबाद विश्वविद्यालय की नहीं है, तथा दोहराया कि यह राजस्व भूमि है जो सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के तहत राज्य सरकार के स्वामित्व में है।टीजीआईआईसी ने स्पष्ट किया कि आईटी पार्क और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भूमि का उपयोग करते समय मशरूम चट्टानों जैसी किसी भी महत्वपूर्ण चट्टान को नहीं हटाया जाएगा।उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक नेता यह दुष्प्रचार करके छात्रों को गुमराह कर रहे हैं कि कांचा गाचीबोवली वन भूमि है।

वैनगार्ड हैदराबाद में कार्यालय खोलेगा 2500 नौकरियां पैदा करेगा

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। निवेश कंपनी वैनगार्ड जल्द ही हैदराबाद में अपना पहला वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित करेगी, जिससे अगले चार वर्षों में 2,500 नौकरियां पैदा होंगी, कंपनी ने सोमवार 31 मार्च को घोषणा की। हैदराबाद कार्यालय इस वर्ष के अंत में खुलने की उम्मीद है।वैनगार्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सलीम रामजी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और इसके विस्तार पर चर्चा की। यह केंद्र एक नवाचार केंद्र के रूप में काम करेगा, जिसमें मुख्य रूप से इंजीनियरों की भर्ती की जाएगी, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा और एनालिटिक्स और मोबाइल इंजीनियरिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।सीईओ ने कहा, हैदराबाद में जीवन की गुणवत्ता, तकनीकी विशेषज्ञता और नवाचार के साथ-साथ विविध प्रतिभाओं के लिए अनुकूल वातावरण है। राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए गए समर्थन ने हैदराबाद को हमारे लिए एक आदर्श स्थान बना दिया है।

यह नया कार्यालय वैनगार्ड को अपनी तकनीक को बेहतर बनाने, डेटा का बेहतर उपयोग करने और मोबाइल-अनुकूल समाधान विकसित करने में मदद करेगा। कंपनी अब इन भूमिकाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को खोजने की योजना बना रही है।

वैनगार्ड इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी दुनिया भर में लगभग 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति का प्रबंधन करती है और दुनिया भर में 50 मिलियन से अधिक निवेशकों को सेवा प्रदान करती है।

एचसीए-एसआरएच आईपीएल टिकट विवाद

तेलंगाना सरकार ने आरोपों की जांच के आदेश दिए

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) पर आईपीएल टिकटों के लिए सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) प्रबंधन को धमकाने और ब्लैकमेल करने के आरोपों का संज्ञान लेते हुए, तेलंगाना सरकार ने सतर्कता निदेशक को मामले की गहन जांच करने का आदेश दिया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने चेतावनी दी कि यदि एचसीए के खिलाफ आरोप सही साबित हुए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।विवाद तब शुरू हुआ जब एसआरएच के महाप्रबंधक (खेल) श्रीनाथ टीबी ने कथित तौर पर एचसीए अधिकारियों, विशेष रूप से अध्यक्ष जगन मोहन राव द्वारा उत्पीड़न का आरोप लगाया और स्थिति में सुधार न होने पर एक अलग स्थान खोजने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि वे बारह वर्षों से एचसीए के साथ सहयोग कर रहे हैं, लेकिन पिछले दो सत्रों में उन्हें बढ़ती कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।समझौते के अनुसार, सनराइजर्स हैदराबाद एचसीए को 10 प्रतिशत (3,900) मानार्थ टिकट आवंटित करेगा, जिसमें 50 सीटों की क्षमता वाले कॉर्पोरेट बॉक्स तक पहुंच शामिल है।हालाँकि, इस वर्ष हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने दावा किया कि बॉक्स में केवल 30 लोगों के बैठने की व्यवस्था है और उसने दूसरे बॉक्स से 20 अतिरिक्त टिकटों की मांग की, जिसे एसआरएच ने अनुचित पाया। कथित उत्पीड़न की खबरों के जवाब में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने कहा कि उसे एसआरएच प्रबंधन से कोई आधिकारिक ईमेल नहीं मिला है। इसने दावों का खंडन भी किया।

स्क्रैप गोदाम में आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के उपनगरीय क्षेत्र हयातनगर के औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार को आग लगने से एक कबाड़ गोदाम का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया।

किसी के हताहत होने की खबर नहीं है तथा अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी।

यह गोदाम लक्ष्मी प्रिया कॉलोनी में स्थित है, जहां स्थानीय लोगों ने जब गोदाम से आग और घना धुआं निकलता देखा तो पुलिस और अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी।

एक दमकल गाड़ी ने एक घंटे में आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक गोदाम का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो चुका था।हयातनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है।

उत्तम कुमार ने फिलीपींस के लिए तेलंगाना चावल की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार, 31 मार्च को फिलीपींस को चावल की पहली खेप के सफल निर्यात की घोषणा की, जो तेलंगाना के अधिशेष धान के लिए वैश्विक बाजारों का दोहन करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।काकीनाडा बंदरगाह पर शिपमेंट को हरी झंडी दिखाने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि दिन में 12,500 मीट्रिक टन चावल भेजा गया था। उन्होंने कहा, यह तेलंगाना के किसानों और हमारे कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।

उन्होंने कहा, इस वर्ष वार्षिक धान उत्पादन लगभग 280 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) था, और हम अक्सर राज्य और केंद्रीय पूल के लिए आवश्यक उत्पादन से कहीं अधिक उत्पादन करते हैं।मंत्री ने बताया कि सरकार धान खरीद पर ब्याज भुगतान के रूप में भारी वित्तीय बोझ का सामना कर रही है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, इससे निपटने के लिए, राज्य सरकार ने अधिशेष चावल को बेचने के लिए निर्यात विकल्पों की खोज की, और हमें फिलीपींस के साथ एक अवसर मिला।

फिलीपींस सरकार के साथ कई चर्चाओं के बाद, तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड (टीजीएससीएससीएल) और फिलीपींस सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले प्लांटर्स प्रोडक्ट्स के बीच एक औपचारिक समझौता हुआ।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, तेलंगाना में लगभग 103 चावल मिलों ने इस निर्यात के लिए एमएसपी धान की पिसाई में भाग लिया। यह तो बस शुरुआत है। हमें पूरा भरोसा है कि तेलंगाना का चावल जल्द ही अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में अपनी मजबूत पकड़ बना लेगा।

तेलंगाना में ऑनलाइन सट्टेबाजी मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय एसआईटी गठित

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में ऑनलाइन सट्टेबाजी के मामलों की गहन जांच करने और तीन महीने में रिपोर्ट सौंपने के लिए पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।एसआईटी टीम महानिदेशक, सीआईडी/अतिरिक्त महानिदेशक, सीएलडी की समग्र निगरानी में काम करेगी। यह मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन करेगी जो ऑनलाइन सट्टेबाजी को सक्षम बनाता है और गतिविधियों को रोकने के लिए आवश्यक सुधारों की सिफारिश करेगी।

इसके अतिरिक्त, टीम जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यकतानुसार किसी उपयुक्त अधिकारी, वित्तीय विशेषज्ञ, विधि अधिकारी, लेखा परीक्षक या फोरेंसिक जांच विशेषज्ञ से सहायता ले सकती है।सोमवार, 31 मार्च को मीडिया से बात करते हुए, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जितेंद्र ने कहा कि मामलों की जांच के अलावा, एसआईटी सट्टेबाजी और गेमिंग ऐप्स के आयामों पर भी गौर करेगी और यह भी देखेगी कि वे तेलंगाना के नागरिकों को कैसे प्रभावित कर रहे हैं।वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इस साल जनवरी से, ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप और गेमिंग ऐप के लिए फेडरेशन सहित विभिन्न स्तरों पर परामर्श आयोजित किए गए हैं। हमने उन्हें तेलंगाना में काम न करने की सलाह दी है। और उन्हें तेलंगाना में जियो-फेंसिंग करनी चाहिए ताकि राज्य में

कोई भी इन ऐप्स तक पहुँच सके। हमें यह समझने की ज़रूरत है कि कितने ऐप अनुसरण कर रहे हैं और कितने नहीं। अगर कोई अनुसरण नहीं कर रहा है, तो हम उनके खिलाफ़ आपराधिक कार्रवाई कर सकते हैं।डीजीपी ने कहा कि जांच से पता चलेगा कि प्रतिबंध के बावजूद राज्य में कितने ऐप चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी कानूनी और वित्तीय निहितार्थों और परिचालन संबंधी मुद्दों को समझने की जरूरत है।एसआईटी ऑनलाइन सट्टेबाजी/गेमिंग के आयोजन, प्रचार और विज्ञापन को रोकने के लिए लागू किए जा सकने वाले कानूनी प्रावधानों, विनियमों और प्रतिबंधों का मूल्यांकन करेगी और कानूनी कार्रवाई का सुझाव देगी।यह ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियों को विनियमित करने में आईटी विभाग, जीएसटी अधिकारियों सहित संघ और राज्य एजेंसियों की भूमिका और जिम्मेदारियों का अध्ययन करेगा। एसआईटी ऐसी गतिविधियों के खिलाफ प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए उपयुक्त उपायों का प्रस्ताव करेगी।अन्य संदर्भ शर्तों के अलावा, जांच दल अवैध सट्टेबाजी और जुआ संचालन से जुड़े लेनदेन का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए भुगतान प्रणालियों और वित्तीय संस्थानों के लिए नीति और नियामक परिवर्तनों की सिफारिश करेगा और इन सिफारिशों को भारतीय रिजर्व बैंक को प्रस्तुत करेगा।डीजीपी जितेन्द्र ने कहा कि सरकार का विचार है कि सट्टेबाजी और गेमिंग ऐप्स के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' होना चाहिए।हैदराबाद में पुलिस ने हाल ही में अवैध सट्टेबाजी ऐप्स और प्रमोटरों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, क्योंकि शिकायतें मिली थीं कि इन ऐप्स ने युवाओं और आम जनता को आसानी से पैसा कमाने का लालच दिया और अंततः उन्हें वित्तीय और मनोवैज्ञानिक रूप से पूरी तरह से बर्बाद कर दिया।

गेमिंग अधिनियम, बीएनएस और आईटी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को कथित रूप से बढ़ावा देने के लिए अवैध सट्टेबाजी ऐप्स/अन्य एप्लिकेशन के प्रबंधन, कुछ फिल्म अभिनेताओं और कई सोशल मीडिया प्रभावितों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे।ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच के सिलसिले में हाल ही में कुछ फिल्म और टीवी अभिनेत्रियाँ और सोशल मीडिया प्रभावित लोग पुलिस के सामने पेश हुए हैं।

फिल्म नगर पुलिस ने शराब के नशे में वाहनों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। फिल्म नगर पुलिस ने सोमवार को शराब के नशे में वाहनों को नुकसान पहुंचाने वाले सड़क दुर्घटना मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार किए गए लोगों में कार चालक बी राज किरण, बी मल्लिकार्जुन और के स्नेहित शामिल हैं, जो सभी बंजारा हिल्स के एनबीटी नगर के निवासी हैं।रविवार की सुबह, राज किरण द्वारा चलाई जा रही कार में सवार होकर तीनों मधापुर से फिल्म नगर की ओर जा रहे थे, लेकिन कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़ी तीन बाइकों से जा टकराई। जब स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ा, तो पता चला कि तीनों शराब के नशे में थे। कार चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था।शिकायत के आधार पर फिल्म नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया है तथा दुर्घटना में शामिल वाहन को भी जब्त कर लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.